प्रयागराज, रविवार 08 फरवरी 2026 से शनिवार 14 फरवरी 2026 तक
वर्ष-14 अंक-06
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण

डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

पाकिस्तान में विस्फोट के खिलाफ कश्मीर में जोरदार प्रदर्शन!शिया समुदाय के लोग सड़कों पर उतरे

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर के बारामूला जिले में हंजीवेरा क्षेत्र स्थित श्रीनगर बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज शिया समुदाय के स्थानीय लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में एक शिया मस्जिद में हुए आत्मघाती हमले के विरोध में आयोजित किया गया, जिसमें शिया समुदाय के कई लोगों की जान गई और अनेक लोग घायल हुए। हम आपको बता दें कि इस्लामाबाद की घटना ने घाटी के शिया समुदाय में गहरा दुख और आक्रोश पैदा किया है।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर जुलूस निकाला तथा पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना था कि पाकिस्तान में शिया समुदाय पर हमले कोई नई बात नहीं हैं, बल्कि पिछले दस से पंद्रह वर्षों से इस तरह की घटनाएं बार बार सामने आती रही हैं। उनका आरोप था कि वहां अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने में प्रशासन और सरकार लगातार नाकाम रहे हैं। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि वह इस अमानवीय हमले की कड़ी निंदा करने और मृतकों के प्रति संवेदना जताने के लिए एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म स्थल पर प्रार्थना कर रहे लोगों को निशाना बनाना मानवता के खिलाफ अपराध है। उनका कहना था कि कुछ लोग शिया समुदाय को डराकर मिटाना चाहते हैं, लेकिन समुदाय अपने अस्तित्व और आस्था की रक्षा के लिए डटा रहेगा। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने नारेबाजी को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान मुर्दाबाद का नारा वहां के आम और निर्दोष लोगों के खिलाफ नहीं है। यह नारा वहां की व्यवस्था, प्रशासन और सरकार के खिलाफ है, जो देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को संभालने में असफल रही है और आतंक से जुड़ी घटनाओं पर रोक लगाने में भी सफल नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि आम जनता को हिंसा से सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ता है। प्रदर्शनकारियों ने सवाल उठाया कि आखिर कैसी सोच किसी व्यक्ति को इस बात के लिए प्रेरित करती है कि वह नमाज पढ़ रहे लोगों के बीच जाकर अपने शरीर पर बंधे बम को विस्फोट कर दे। उन्होंने कहा कि मस्जिद में घुसकर बच्चों, महिलाओं और निर्दोष लोगों का रक्त बहाना किसी भी धर्म या विचारधारा से सही नहीं ठहराया जा सकता। इस तरह की घटनाएं समाज में डर और नफरत फैलाती हैं। हम आपको यह भी बता दें कि इस बीच पाकिस्तान में हुए हमले को लेकर वहां सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई है। पूरे देश में सतर्कता बढ़ा दी गई है और जांच एजेंसियां मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। अधिकारियों के हवाले से आई खबरों के अनुसार इस हमले में कम से कम 31 लोगों की मौत हुई है, जबकि एक सौ से अधिक लोग घायल बताए गए हैं।

'बीते 75 नहीं, आने वाले 25 साल गिनता हूं',पीएम मोदी के इस बयान के क्या हैं राजनीतिक मायने?

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के तहत छात्रों के साथ बातचीत के दौरान अपनी उम्र का जिक्र किया और पिछले सितंबर में 75 वर्ष के होने की याद दिलाने वाले एक फोन कॉल का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री की पार्टी भाजपा अतीत में 75 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्ति की परंपरा का पालन करती रही है, हालांकि इसके कुछ अपवाद भी रहे हैं। इसी संदर्भ में, 1 सितंबर को जब वे 75 वर्ष के हुए, तो उनकी उम्र को लेकर काफी चर्चा हुई। पिछले साल जन्मदिन पर मिले एक फोन कॉल को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि एक नेता ने उन्हें याद दिलाया कि उन्होंने 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस पर पीएम मोदी ने जवाब दिया कि अभी 25 वर्ष बाकी हैं और कहा कि वे बीते हुए वर्षों को गिनने के बजाय आने वाले वर्षों को गिनना पसंद करते हैं। इस बातचीत का वीडियो केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ऑनलाइन साझा किया। उनके इस बयान ने भाजपा की उस अनौपचारिक प्रथा पर फिर से चर्चा छेड़ दी है, जिसमें नेता 75 वर्ष की आयु के बाद पद छोड़ देते हैं। यह बहस तब और तेज़ हो गई जब प्रधानमंत्री मोदी 17 सितंबर, 2025 को 75 वर्ष के हुए। यदि वे अपना वर्तमान कार्यकाल पूरा करते हैं, तो इसके अंत तक उनकी आयु 79 वर्ष हो जाएगी, और पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने संकेत दिया है कि वे 2029 में फिर से एनडीए के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हो सकते हैं। यह मुद्दा तब और भी चर्चा में आया जब आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत ने जुलाई 2025 में नागपुर में एक पुस्तक विमोचन समारोह में अपने भाषण में आरएसएस के दिवंगत विचारक मोरोपंत पिंगले की उस हास्यास्पद टिप्पणी का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 75 वर्ष की आयु में दी जाने वाली शॉल सेवानिवृत्ति का प्रतीक है। चूंकि भगवत और प्रधानमंत्री मोदी दोनों सितंबर 2025 में 75 वर्ष के हो गए, इसलिए विपक्षी दलों ने इस टिप्पणी को एक संभावित संकेत के रूप में देखा।

संक्षिप्त समाचार

बुलेट ट्रेन परियोजना की तूफानी रफ्तार, पालघर में महीने भर में दूसरी सुरंग तैयार

मुम्बई। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में दूसरी पर्वतीय सुरंग के सफल निर्माण के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जो भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना में एक अहम मोड़ है। बुधवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस उपलब्धि की घोषणा करते हुए परियोजना की तीव्र प्रगति पर प्रकाश डाला। मीडिया को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि पूरा देश हाई-स्पीड रेल परियोजना की प्रगति पर नजर रखे हुए है, जिससे एक महीने के भीतर अंतर-शहरी यात्रा में क्रांतिकारी बदलाव आने और भारत के आधुनिक रेल बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलने की उम्मीद है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि परियोजना की गति ने देश में नया आत्मविश्वास जगाया है और इसके नवोन्मेषी निर्माण और प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक ध्यान और प्रशंसा प्राप्त हुई है।

स्लीपर सेल के दो चेहरे बेनकाब साजिश का हुआ पर्दाफाश

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के संस्थापक और आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू से जुड़े दो स्लीपर सेल गुर्गों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) से ठीक पहले दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर भड़काऊ नारे लिखने और अशांति फैलाने की कोशिशों के मामले में की गई है। ये गिरफ्तारियां एक घटना के सिलसिले में की गईं, जिसमें गणतंत्र दिवस से कुछ दिन पहले दिल्ली में दो अलग-अलग जगहों पर विवादित और भड़काऊ बातें लिखी गई थीं, कथित तौर पर शांति भंग करने और दहशत फैलाने के लिए।पन्नू का एक करीबी सहयोगी, जो अभी वहीं रहता है, उसने दिल्ली में इस प्लान को अंजाम देने के लिए दो लोगों - बलजिंदर और रोहित उर्फ कीरथ - को हायर किया था।

'सिर्फ सवाल नहीं, समाधान भी दें',मीडिया छात्र को प्रो.संजय द्विवेदी की सबसे बड़ी सीख

नई दिल्ली। वाणी और वाणी के महात्म्य को समझना है तो प्रो.संजय द्विवेदी की संगति कीजिए। मौन को पढ़ना सीखना हो, स्निग्धता की तपस्या को जानना हो तो उनके व्यक्तित्व को जानिए, पहचानिए। सच कहूं, विरले होते हैं वे लोग, जिन्हें चंदन और पारसमणि का स्पर्श हुआ हो जैसा संजय जी भाई साहब को हुआ है। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमने स्वयं को आधुनिक पत्रकारिता के शुभ्र ललाट की संगति रूपी चंदन-पारसमणि की छुअन से परिष्कृत किया है। समय के साथ रहना, समय के साथ चलना और अपने समय से संवाद करना किसी को आता है तो वे मीडिया गुरु, पत्रकारों के आदर्श भारतीय जनसंचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो.(डा.) संजय द्विवेदी हैं। वे कहते हैं भाषाएं और माताएं अपने बच्चों से ही सम्मान पाती हैं। तो आपने मां, मातृभूमि और मातृभाषा को प्रमुख स्थान देकर समाज तथा मीडिया में अपना उच्च स्थान बनाया है।

यूएसए को निर्यात पर अब शून्य कर्तव्य!,पीयूष गोयल ने बताया व्यापार सौदा का पूरा गणित, इन सेक्टर्स को बंपर फायदा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते की सराहना की। समझौते का विवरण देते हुए गोयल ने कहा कि अब अमेरिका निर्यात के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य होगा और भारतीय व्यापारियों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए दुनिया के सबसे बड़े बाजार तक पहुंच प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत दोनों देशों का मुख्य लक्ष्य 500 अरब डॉलर का वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार हासिल करना है। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र इस समझौते से खुश है और सरकार को हर तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। पीयूष गोयल ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में भारत की यात्रा में आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है... भविष्य को ध्यान में रखते हुए, और दोनों देशों के संबंधों, राजनयिक संबंधों और उनके नेताओं के बीच मित्रता को देखते हुए, द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा फरवरी 2025 में शुरू हुई थी। इसका उद्देश्य भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच प्रतिवर्ष 500 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हासिल करना था। आज का दिन इस लक्ष्य को प्राप्त करने के

लिए सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। पूरे देश में खुशी की लहर है। देश के हर क्षेत्र में भविष्य को लेकर जबरदस्त उत्साह है।

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि आने वाले दिनों में नए अवसर खुलेंगे, और विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, लगभग तीस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था, संयुक्त राज्य अमेरिका अब हमारे निर्यातकों के लिए सबसे पसंदीदा राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करके अपने दरवाजे खोलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे किसानों के हितों की रक्षा जिस तरह से की गई है, उससे किसानों और डेयरी क्षेत्र दोनों के हितों की रक्षा हुई है। मेरा मानना ??है कि अमेरिका और भारत के बीच संयुक्त बयान, जिसे कल देर रात अंतिम रूप दिया गया और दुनिया के सामने पेश किया गया, देश के हर कोने में सराहा गया है। आज सुबह भी मैं एक वीडियो देख रहा था। उत्तर प्रदेश के संभल के एक साधारण कारीगर, जो हस्तशिल्प क्षेत्र में काम करते हैं, कह रहे थे, 'अब टैरिफ अठारह प्रतिशत है। अब हमारी किस्मत अच्छी है, हमें बहुत फायदा होगा। नए ऑर्डर आएंगे और तरक्की होगी। गोयल ने दावा किया कि ये उनके शब्द थे, जो मैंने आज सुबह एक पत्रकार से सुने, जिसने उनका साक्षात्कार लिया था... इस समझौते के तहत, अमेरिका को भारतीय निर्यात पर लगने वाला पचास प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क अब घटकर मात्र अठारह प्रतिशत रह जाएगा।

बीएसएफ के 60 साल बेमिसाल अमित शाह ने कहा- आपकी कर्तव्य-निष्ठा से सीखता हूं

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कठुआ के बोबिया चौकी से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की प्रशंसा करते हुए बल को भारत की रक्षा करने वाली 'अपरिहार्य दीवार' बताया और राष्ट्र की प्रशंसा अर्जित करने का श्रेय बीएसएफ कर्मियों को दिया, साथ ही ऑपरेशन सिंदूर को उनकी वीरता का एक शानदार उदाहरण बताया। जम्मू और कश्मीर के सीमा चौकी बोबिया के अपने दौरे के दौरान बीएसएफ कर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जब भी वे बीएसएफ चौकियों का दौरा करते हैं, तो उन्हें बल से कर्तव्य, अनुशासन और बलिदान के पाठ मिलते हैं। शाह ने कहा कि जब भी मैं बीएसएफ चौकी की सीमा पर जाता हूं, चाहे वह कच्छ का रेगिस्तान हो, राजस्थान का रेगिस्तान हो या जम्मू-कश्मीर का इलाका, मैं हमेशा आप सभी से कर्तव्य-चेतना और कर्तव्य-जागरूकता के मूल्यों को सीखता हूं।

पटना में 'बेटी' को न्याय दिलाने की जंग!पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर राहुल बोले- आवाज दबाई जा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि पटना के एक हॉस्टल में ऊँ की तैयारी कर रही एक छात्रा की मौत के मामले में न्याय की मांग करने के कारण पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को गिरफ्तार किया गया है।ँ पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि पप्पू यादव की गिरफ्तारी राजनीतिक प्रतिशोध है, जिसका उद्देश्य इस मामले से जुड़ी आवाजों को दबाना है। उन्होंने कहा कि इस बेटी के लिए न्याय की आवाज बनकर खड़े रहे मेरे साथी सांसद पप्पू यादव जी। उनकी आज की गिरफ्तारी स्पष्ट रूप से राजनीतिक प्रतिशोध है, जिसका उद्देश्य जवाबदेही की मांग करने वाली हर आवाज को डराना और चुप कराना है। पप्पू यादव को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया, क्योंकि वे 1995 के एक कथित भूमि विवाद मामले में पेश नहीं हुए थे। पूर्णिया सांसद ने अपनी सुरक्षा को लेकर आशंका जताई थी। उन्होंने कहा कि मुझे शक है कि इन्हीं लोगों ने मेरी हत्या की होगी। मैं सीधे

अदालत जाऊंगा। मैं पुलिस स्टेशन नहीं जाऊंगा। अगर वे चाहें तो मुझे नजरबंद कर सकते हैं। कांग्रेस नेता ने भाजपा-एनडीए गठबंधन पर अपराधियों को बचाने के लिए मामले को पटरी से उतारने और परिवार को परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पटना में ऊँ परीक्षा की तैयारी कर रहे एक छात्र की रहस्यमय परिस्थितियों में संदिग्ध मौत और उसके बाद की पूरी घटनाक्रम ने एक बार फिर व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर कर दिया है। जब पीड़ित परिवार ने निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की, तो भाजपा-एनडीए की वही पुरानी चाल चली गई - मामले को पटरी से उतारना, परिवार को परेशान करना और राज्य की शक्ति का इस्तेमाल करके दोषियों को बचाना।

राहुल गांधी ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त की और सरकार की इस भयावह वास्तविकता पर आंखें मूंद लेने की प्रवृत्ति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह घटना सिर्फ एक मामले तक सीमित नहीं लगती। यह एक भयावह साजिश और खतरनाक प्रवृत्ति की ओर इशारा करती है, जहां और भी बेटियां शिकार बन रही हैं और सत्ता में बैठे लोग इस भयावह वास्तविकता से आंखें मूंदकर बैठे हैं। यह राजनीति नहीं है; यह न्याय का सवाल है। यह बिहार की बेटियों के सम्मान और सुरक्षा का सवाल है।

भारत-अमेरिका समझौते पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह का आश्वासन

कहा-किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को आश्वासन दिया कि सरकार ने अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के अंतरिम ढांचे में किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सभी प्रमुख फसलों और दुग्ध उत्पादों की रक्षा की है। शिवराज सिंह चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस समझौते से भारतीय निर्यात के लिए अमेरिकी बाजार खुलेंगे और उन्होंने कहा कि हमारे बासमती चावल अमेरिका में धूम मचा देंगे। कृषि मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि इससे बहुत लाभ होगा। यह भारत के किसानों

और जनता के हित में है। हमने सभी प्रमुख फसलों और दुग्ध उत्पादों की रक्षा की है। दूसरी ओर, किसानों को निर्यात के लिए बाजार मिलेंगे। हमारे बासमती चावल अमेरिका में धूम मचा देंगे। हमारे मसाले वहां जाएंगे। यह किसानों के हित में है। शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में किसानों से बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं। भारत और अमेरिका ने पारस्परिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार से संबंधित एक अंतरिम समझौते के लिए एक रूपरेखा की घोषणा की। संयुक्त बयान में कहा गया है कि यह रूपरेखा 13 फरवरी, 2025 को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, जिसमें अतिरिक्त बाजार पहुंच प्रतिबद्धताएं और अधिक लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए समर्थन शामिल होगा। बयान के अनुसार, भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त या कम करेगा, जिसमें सूखे अनाज (डीडीजी), पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट और अन्य उत्पाद शामिल हैं।

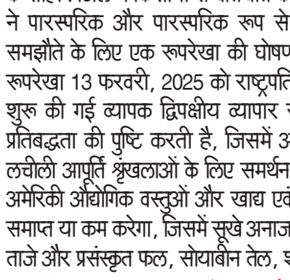

33 घंटे बाद थमा ट्रैफिक का तांडव गैस टैंकर पलटने से लगा था महाजाम, अब आवाजाही सामान्य

मुम्बई। मुंबई और पुणे को जोड़ने वाली जीवन रेखा, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बीते दो दिनों से जारी ट्रैफिक का संकट आखिरकार गुरुवार सुबह समाप्त हो गया। लगभग 33 घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद इस मार्ग पर यातायात पूरी तरह से बहाल कर दिया गया है। इस महाजाम के कारण हजारों यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। अधिकारियों के अनुसार, यह समस्या मंगलवार शाम को शुरू हुई थी। खंडाला घाट के दुर्गम और पहाड़ी इलाके में एक गैस टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया था। टैंकर में ज्वलनशील गैस होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल प्रभाव से दोनों तरफ का यातायात रोकना पड़ा। घाट सेक्शन की भौगोलिक स्थिति और गैस रिसाव के खतरे को देखते हुए टैंकर को हटाने और गैस को सुरक्षित तरीके से खाली करने में लंबा समय लगा।

भारत बंद! ऐप-आधारित ड्राइवरों और डिलीवरी पार्टनर्स की देशव्यापी हड़ताल

नई दिल्ली। भारत भर में ऐप-आधारित परिवहन और डिलीवरी सेवाओं से जुड़े लाखों कर्मचारियों ने 7 फरवरी को 'अखिल भारतीय ब्रेकडाउन' का आह्वान किया। गिग वर्कर्स और डिलीवरी पार्टनर्स के यूनियनों द्वारा बुलाई गई इस हड़ताल के कारण ओला, उबर, रैपिडो और पोर्टर जैसी प्रमुख सेवाओं पर व्यापक असर देखने को मिला।

यह विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (घ्ईंऊ) के नेतृत्व में किया गया। यूनियनों का आरोप है कि प्लेटफॉर्म कंपनियां गिग वर्कर्स का शोषण कर रही हैं। विरोध के तीन प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैं:

गिरती आयः ड्राइवरों का कहना है कि उनकी कमाई लगातार कम हो रही है, जबकि काम के घंटे बढ़ रहे हैं। बढ़ती परिचालन लागतः ईंधन की कीमतों और वाहनों के रखरखाव के बढ़ते खर्च ने उनकी बचत को खत्म कर दिया है। मनमाना किरायाः कंपनियां बिना किसी नियम के एकतरफा किराया तय करती हैं, जिससे ड्राइवरों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। यूनियनों ने कहा कि यह आंदोलन केंद्र और राज्य सरकारों पर मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश, 2025 के तहत न्यूनतम बेस किराए को लागू करने का दबाव बनाने के लिए था। यूनियनों के अनुसार, बेस किराए को नोटिफाई न करने के कारण एग्रीगेटर कंपनियों को मनमाने ढंग से कीमतें तय करने की छूट मिल गई है, जिससे वर्कर्स को कम कमाई के लिए ज़्यादा घंटे काम करना पड़ रहा है और बिना किसी सुरक्षा के ऑपरेशनल जोखिम उठाने पड़ रहे हैं। संस्थापक अध्यक्ष और सह-संस्थापक और राष्ट्रीय महासचिव शेख सलाउद्दीन ने कहा कि सरकारी कार्रवाई की कमी ने गिग वर्कर्स के लिए काम करने की स्थिति को और खराब कर दिया है।

सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल, घूरपुर में कक्षा 12 के छात्रों हेतु ''विदाई समारोह 2026'' का शानदार आयोजन

प्रयागराज। घूरपुर स्थित सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल में कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आगाज दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद हेड बॉय नैतिक राय ने स्वागत भाषण के जरिए सभी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

समारोह में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। सारा बनर्जी और अंकिता की टीमों के ग्रुप डांस ने जहाँ सबको थिरकने पर मजबूर कर दिया, वहीं इशिता सिंह के एकल नृत्य को खूब सराहना मिली। अशंख यादव और शिवा द्विवेदी की सुरीली आवाज ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। कक्षा 11 के लड़कों ने भी शानदार ग्रुप डांस पेश कर अपने सीनियर्स को विदाई दी।

12वीं के छात्रों के लिए आयोजित रैंप वॉक कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

भावुक क्षणों के बीच, कक्षा 12 विज्ञान वर्ग की साक्षी द्विवेदी और कॉमर्स वर्ग के शिवांश पांडेय ने मंच से अपने स्कूली सफर के अनुभव साझा किए और शिक्षकों के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। स्कूल के प्रधानाचार्य आशीष रंजन ने छात्रों को जीवन की नई चुनौतियों के लिए तैयार रहने का मंत्र दिया। साथ ही साथ यह कहा कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है जिससे परिपूर्ण होकर छात्र एवं छात्राएं अपने समाज और देश का विकास कर सकते हैं क्योंकि एक शिक्षित व्यक्ति ही सभ्य समाज का निर्माण कर सकता है।

समारोह के अंत में सबसे प्रतीक्षित क्षण ''मिस्टर फेयरवेल शिवांश पाण्डेय'' और ''मिस फेयरवेल निधि त्रिपाठी'' की घोषणा रही। सभी विद्यार्थियों को स्मृति के तौर पर स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने आभार प्रदर्शन व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के सफल और सुखद भविष्य की कामना की।

प्रयागराज में रिटायर दरोगा की हत्या सिर कूच कर की गई

आधुनिक समाचार

प्रयागराज मे रिटायर दरोगा की सिर कूच कर हत्या कर दी गई घर में खून से लतपथ लाश मिली पांच से अधिक वार ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे और सूचना पर मौके पर लालपुर थाना की पुलिस भी पहुंची और फोरेंसिक टीम भी सीबीसीआईडी से रिटायर दरोगा रामरतन मिश्रा 68 मूल रूप से लालपुर के चकसुशोर गांव के रहने वाले हैं हत्या की पूरी स्पष्ट जानकारी नहीं हो सकी लेकिन पुलिस के अनुसार पुरानी रंजिश से व्यक्तिगत दुश्मनी समेत कई पहलुओं पर जांच की जा रही है पूरा मामला लालपुर क्षेत्र के गांव मदुरी की है लालपुर के रहने वाले इनका एक मकान माधुरी गांव में भी है सोमवार सुबह 10:30 उनका नाती रोज की तरह खाना लेकर उनके पास पहुंचा देखा कि घर का दरवाजा अंदर से बंद है काफी देर तक आवाज देने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो उसने पीछे की ओर से दीवार फैन का घर के अंदर घुस गया देखा नाना राम रतन मिश्रा फर्श पर खून से लटपट पड़े थे उनके सिर पर किसी भारी चीज से करीब 5 से अधिक वार किए गए थे।

इस किरदार के लिए मेरी बहुत सी प्रेरणा मेरे अपने जीवन से आती हैं'

एकता कौल ने सोनी सब के आगामी शो 'यादें' में अपने किरदार 'सृष्टि' पर कही बात

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। फरवरी 2026 : भारत के प्रमुख जीईसी चैनलों में से एक, सोनी सब अपने आगामी मेडिकल ड्रामा हुई गुम यादें - एक डॉक्टर, दो ज़िंदगियाँ के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है। यह शो विश्व स्तर पर सराहे गए इतालवी सीरीज़ 3ध्ण का भारतीय रूपांतरण है, जिसे कई देशों में सफलतापूर्वक रीमेक किया गया है। जीवन, प्रेम और पहचान में दूसरे मौकों की थीम पर आधारित यह शो डॉ. देव (इक़बाल खान) की असाधारण यात्रा को दर्शाता है - एक प्रतिभाशाली डॉक्टर जिसे एक जीवन-परिवर्तनकारी हादसे के बाद अपनी आठ वर्षों की स्मृति खो जाने पर अपनी दुनिया को फिर से बनाना पड़ता है। कहानी में भावनात्मक गहराई जोड़ रही हैं प्रतिभाशाली अभिनेत्री एकता कौल, जो निभा रही हैं सृष्टि का अहम किरदार - एक मज़बूत और बुद्धिमान महिला, जो डॉ. देव की पूर्व पत्नी है। कभी प्रैक्टिसिंग डॉक्टर रही सृष्टि ने अपने बच्चों की परवरिश के लिए चिकित्सा क्षेत्र से दूरी बना ली और उस अस्पताल की प्रशासनिक ज़िम्मेदारियाँ संभाल लीं जहाँ डॉ. देव कार्यरत थे। अपनी तैयारी के बारे में बताते हुए एकता ने साझा किया कि उनके किरदार का भावनात्मक पक्ष उनके निजी जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है। अभिनेत्री ने अपने बेटे वेद के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए काम से एक सोच-समझकर लिया गया विराम लिया, जिसने उन्हें उन जटिल भावनाओं को समझने में मदद की जिनसे उनका किरदार गुज़रता है। जीवन का वह चरण उन्हें वही शांति और संतोष लेकर आया जो उन्हें अपने काम में पूरी तरह डूबने पर मिलता है, और अब उन्होंने उस अनुभव को अपने प्रदर्शन में ढाल दिया है।

अपने व्यक्तिगत जुड़ाव पर बात करते हुए एकता कौल कहती हैं 'इस किरदार के लिए मेरी बहुत सी प्रेरणा मेरे अपने जीवन से आती है। 2023 में अपने काम की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बाद, मैंने सोच-समझकर एक कदम पीछे लिया ताकि अपने बेटे वेद के साथ समय बिता सकूँ और जीवन को धीमी, अधिक सजग गति से जी सकूँ। घर पर रहना, रोज़मर्रा की ज़िम्मेदारियाँ निभाना और बस उसके साथ उपस्थित रहना मुझे गहरी शांति और संतोष देता था - जो सेट पर होने से अलग था, लेकिन उतना ही संतोषजनक। मैंने उस भावना को अपने साथ रखा जब मैं सृष्टि का किरदार निभा रही थी, जो भी एक नई वास्तविकता का सामना कर रही है और अप्रत्याशित जगहों में अर्थ खोज रही है। उस भावनात्मक संतुलन ने मुझे किरदार को बेहतर समझने और अपने प्रदर्शन में ईमानदारी और गहराई लाने में मदद की।' यादें दर्शकों को प्रेम, खोने और दूसरे मौकों की नाजुक यात्रा पर ले जाती है, जो मानव आत्मा की शक्ति को दर्शाती है। देखना न भूलें हुई गुम यादें - एक डॉक्टर, दो ज़िंदगियाँ, जल्द ही सोनी सब पर।

दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 06 मार्च तक

दावे और आपत्तियों का निपटान 27 मार्च तक मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 10 अप्रैल को

रायबरेलीः अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सम्प्रति चल रहे अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से सम्बन्धित कार्यक्रम की तिथियों को संशोधित कर दिया है। आयोग द्वारा घोषित संशोधित कार्यक्रम के अनुसार दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 06 मार्च 2026 तक निर्धारित की गई है। नोटिस चरण, प्रवेश अधिकार पर निर्णय और दावों और आपत्तियों का निपटान की अवधि 27 मार्च 2026 तक, स्वास्थ्य मापदंडों की जांच 03 मार्च 2026 तक एवं मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 को निर्धारित किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की अवधि में निर्वाचक नामावलियों की तैयारियों से सम्बद्ध अधिकारियो यथा-जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कोई पद रिक्त न हो यह सुनिश्चित किया जाना है तथा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की कार्यवाहियों से सम्बद्ध अधिकारियों का स्थानान्तरण भारत निर्वाचन आयोग के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की उपरोक्तानुसार तिथियों में संशोधन करते हुए नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 नियत किया गया है।

संगम नगरी प्रयागराज के लिए आम बजट 2026 विकास के नए द्वार खोलता नजर आ रहा है

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज के लिए आम बजट 2026 विकास के नए द्वार खोलता नजर आ रहा है। दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के साथ प्रयागराज उत्तर भारत का सबसे बड़ा रेलवे 'सुपर हब' बनने की ओर बढ़ गया है। इस कॉरिडोर के पूरा होते ही प्रयागराज से दिल्ली का सफर महज 3 घंटे में सिमट जाएगा, जबकि वाराणसी पहुंचने में एक घंटे से भी कम समय लगेगा। 320 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें रेलवे सूत्रों के मुताबिक हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए मौजूदा ट्रैक से अलग विशेष पटरियां बिछाई जाएंगी। इन पर ट्रेनें 200 से 320 किलोमीटर प्रति घंटे की टॉप स्पीड से चलेंगी। वाराणसी-दिल्ली कॉरिडोर को सिलीगुड़ी कॉरिडोर से भी जोड़ा जाएगा, जिससे प्रयागराज से सिलीगुड़ी का सफर सिर्फ 4 घंटे में पूरा हो सकेगा। अत्याधुनिक सिग्नल सिस्टम के चलते कोहरे में भी ट्रेनों की लेटलतीफी पर ब्रेक लगेगा। कुंभ और माघ मेला में बनेगा लाइफलाइन माघ मेला 2027 और कुंभ 2031 जैसे बड़े आयोजनों के लिए यह हाई-स्पीड नेटवर्क गेमचेंजर साबित होगा। भारी भीड़ के दौरान यात्रियों के दबाव को नियंत्रित करने में हाई-स्पीड ट्रेनें अहम भूमिका निभाएंगी। बजट में प्रयागराज जंक्शन के साथ-साथ सुबेदारगंज और छिवकी रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए भी अतिरिक्त फंड का प्रावधान किया गया है। इनर रिंग रोड के दूसरे फेज पर 6200 करोड़ खर्च रेलवे के साथ सड़कों के बुनियादी ढांचे पर भी बड़ा निवेश किया गया है। एनएचएआई प्रयागराज इनर रिंग रोड के दूसरे चरण का काम शुरू करने जा रहा है। करछना से सोरांव तहसील तक 42 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जाएगी, जिस पर करीब 6200 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

गंगा-यमुना पर नए पुल, 54 अंडरपास बनेंगे इस परियोजना के तहत गंगा पर 3.5 किलोमीटर और यमुना पर 1.2 किलोमीटर लंबा फोर-लेन पुल बनेगा। इसके साथ 54 अंडरपास और 4 फ्लाईओवर भी प्रस्तावित हैं। सड़क परियोजना के लिए करीब 6700 किसानों की 321 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित की जाएगी, जिसकी प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

दुष्कर्म के दोषी जगनारायण खरवार को कठोर उम्रकैद

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। करीब साढ़े सात वर्ष पूर्व डगडहरा जंगल में गाय चराने गई 12 वर्ष 3 माह की नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दुष्कर्म के दोषी जगनारायण खरवार को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई।अभियोजन पक्ष के मुताबिक ओबरा थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता की मां ने 23 जुलाई 2018 को ओबरा थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 22 जुलाई 2018 को शाम 4 बजे उसकी नाबालिग बेटी गाय चराने डगडहरा जंगल में गई थी जहां पर अकेला पाकर जगनारायण खरवार पुत्र रामदेव निवासी पनारी टोला सेमरतर, थाना ओबरा, जिला सोनभद्र ने जबरन दुष्कर्म किया और जान मारने की धमकी देकर चला गया। इस तहरीर पर ओबरा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जन सुनवाई कर राजस्व न्यायालयों का किया गया निरीक्षण

लम्बित वादों की समीक्षा कर दिये निस्तारण के निर्देश

रायबरेलीः जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ द्वारा तहसील महाराजगंज में, अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह द्वारा तहसील सदर में, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव द्वारा तहसील डलमऊ में सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग कर जनसुनवाई की गई एवं राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण किया गया,

जिसमें तहसीलदार/नायब तहसीलदार के न्यायालयों में लंबित अविवादित नामांतरण के प्रकरणों पर विशेष समीक्षा की गई। इसके साथ ही उपजिलाधिकारी न्यायालय में लंबित धारा 24 पैमाइश एवं खतौनी सुधार के लंबित मामलों की गहन समीक्षा की गई तथा समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये गये एवं सम्बन्धित पीठासीन अधिकारियों को एक वर्ष से अधिक लंबित प्रकरणों की प्रतिदिन सुनवाई कर वाद का गुणदोष के आधार पर निस्तारण किये जाने के निर्देश दिये गये।

लोढ़ी टोल प्लाजा पर महिला अधिवक्ता पर हमलाः अधिवक्ताओं मे आक्रोश

अधिवक्ताओं ने तहसील से जुलूस निकालकर किया विरोध प्रदर्शन

सोनभद्र। लोढ़ी टोल प्लाजा पर रविवार को महिला अधिवक्ता और उनके परिजनों के साथ हुई मारपीट की घटना के विरोध में सोमवार को नियंत्रण में लेने के लिए कई थानों की फोर्स और पीएसी बल तैनात किया। सीओ सिटी रणधीर मिश्रा ने अधिवक्ताओं को समझा-

को सैकड़ों अधिवक्ता सड़कों पर उतर आए। पूरा रॉबर्ट्सगंज नगर का स्वर्ण जयंती चौक छावनी में तब्दील हो गया। अधिवक्ताओं ने टोल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने स्थिति बुझाकर स्थिति को नियंत्रण में लिया। अधिवक्ताओं ने दो टूक शब्दों में कहा कि यह लड़ाई पुलिस से नहीं, बल्कि टोल की दबंगई और गुंडागर्दी के खिलाफ है। अधिवक्ताओं ने बताया कि रविवार को महिला अधिवक्ता के साथ टोल कर्मियों ने अभद्रता की और मारपीट भी की, जिसमें कई अधिवक्ता घायल हुए। अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि घटना को गंभीरता से लेते हुए दो टोल कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अधिवक्ताओं ने साफ चेतावनी दी है कि अगर न्याय नहीं मिला, तो यह आंदोलन सड़क से सदन तक गूंजेगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ महिला अधिवक्ता के साथ हुई मारपीट की नहीं है, बल्कि यह लड़ाई न्याय और कानून की है। वहीं, इस पूरे मामले पर अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिवक्ताओं को आश्वासन दिया कि न्याय किया जाएगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

बैदवार में श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन भक्ति का महासंगम गोवर्धन लीला और महारास ने मोहा मन

प्रयागराज। बैदवार गांव में चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के छठवें दिन कथा स्थल पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। व्यासपीठ से जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला और महारास का वर्णन आरंभ हुआ, पूरा पंडाल हरि नाम के जयघोष से गूंज उठा और श्रद्धालु भाव- विभोर होकर कथा में डूब गए। छठवें दिन कथा में इंद्र के अहंकार का दमन, गोवर्धन पर्वत धारण कर ब्रजवासियों की रक्षा और वृंदावन की महारास लीला का अत्यंत भावपूर्ण चित्रण किया गया। वक्ता ने बताया कि प्रेम और भक्ति के सम्मिलन से ही ईश्वर प्राप्ति संभव है और अहंकार चाहे देवताओं का ही क्यों न हो, उसका अंत निश्चित है। गोवर्धन लीला सुनते ही श्रद्धालुओं ने कृष्ण भक्ति में झूमकर जयकारे लगाए। इस अवसर पर बैंक मैनेजर इंद्रमणि मिश्रा, चर्चित व्यक्ति विमलेश मिश्रा मिश्रपुर,चंद्रिका प्रसाद, देवी प्रसाद,सुरेश तिवारी, राजेश मिश्रा प्रधानाचार्य, बीबीएम रजनीश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रयागराजः नैनी एडीए कॉलोनी में सरकारी पोलों पर निजी विज्ञापन, नगर निगम को लाखों के राजस्व का नुकसान

प्रयागराज के नैनी क्षेत्र स्थित एडीए कॉलोनी में सरकारी बिजली और स्ट्रीट लाइट पोलों पर धड़ल्ले से निजी विज्ञापन लगाए जाने का मामला सामने आया है। नियमों को ताक पर रखकर लगाए गए इन अवैध विज्ञापनों से नगर निगम के राजस्व को लाखों रुपये का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार कॉलोनी और आसपास के इलाकों में सरकारी पोलों पर कोचिंग संस्थानों, प्रॉपर्टी डीलरों, इवेंट मैनेजमेंट और अन्य निजी व्यवसायों के बैनर व पोस्टर बिना किसी अनुमति के लगाए गए हैं। नियमानुसार ऐसे विज्ञापनों के लिए नगर निगम से अनुमति लेना और निर्धारित शुल्क जमा करना अनिवार्य है, लेकिन अधिकांश मामलों में ऐसा नहीं किया गया।

नगर निगम के नियमों के मुताबिक सार्वजनिक संपत्ति पर विज्ञापन लगाने के लिए लाइसेंस शुल्क और टैक्स निर्धारित है। अवैध विज्ञापनों के कारण

न केवल नगर निगम को आर्थिक क्षति हो रही है, बल्कि शहर की सुंदरता भी प्रभावित हो रही है।

स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि शिकायतों के बावजूद संबंधित विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे अवैध विज्ञापन लगाने वालों के हौसले बुलंद हैं। लोगों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि ऐसे विज्ञापनों को तत्काल हटाया जाए और जिम्मेदार लोगों पर जुर्माना लगाया जाए।

इस संबंध में नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एक माह का स्वास्थ्य शिविर सफलता पूर्वक सम्पन्न

आधुनिक समाचार

पीपुल्स वेलफेयर सोसाइटी एवं शिवम अक्षयवट् हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में अरैल घाट सेक्टर-7, निषादराज मार्ग पर आयोजित एक माह का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। इस शिविर के माध्यम से कल्पवासियों को पूरे एक माह तक निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया। शिविर के दौरान विशेष स्नान पर्वों पर भंडारे का आयोजन किया गया। मकर संक्रांति के अवसर पर संस्थान द्वारा खिचड़ी वितरण किया गया, वहीं शिविर के समापन पर वृहद भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें विभिन्न आश्रमों के साधु-संतों एवं विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं

अंगवस्त्र भी वितरित किए गए। जोड़ एवं हड्डी रोग से पीड़ित मरीजों को वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ए.के. राय द्वारा उचित परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। पूरे एक माह तक शिविर के संचालन एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी डॉ. आनन्द पाण्डेय ने संभाली। फार्मासिस्ट अजय उपाध्याय एवं वीरेन्द्र मिश्रा ने दवा वितरण एवं अन्य सेवाओं में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। पीपुल्स वेलफेयर सोसाइटी की सचिव डॉ. नम्रता राय ने बताया कि सोसाइटी पिछले 15 वर्षों से निरंतर इस प्रकार की जनसेवा करती आ रही है और भविष्य में भी समाजहित में यह सेवाएं जारी।

डाक विभाग ने मनाया 'डाक जीवन बीमा' की 142वीं वर्षगांठ, पोस्ट मास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने वितरित किये पॉलिसी बांड

भारत की सबसे पुरानी जीवन बीमा सेवा 'डाक जीवन बीमा' ने पूरे किये 142 साल, 1 फरवरी 1884 को हुआ था आरंभ-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

डाक जीवन बीमा आधुनिक युग में आवश्यक होने के साथ-साथ वित्तीय सुरक्षा और निवेश का एक भरोसेमंद माध्यम-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

आधुनिक समाचार

डाक विभाग ने पत्र एवं पार्सल सेवाओं के साथ-साथ जीवन बीमा के क्षेत्र में भी एक सशक्त, विश्वसनीय एवं जनकल्याणकारी संस्था के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। पारंपरिक सेवाओं से आगे बढ़ते हुए डाक विभाग ने दशकों से जीवन बीमा के क्षेत्र में निरंतर सेवा प्रदान कर नागरिकों के जीवन में आर्थिक स्थिरता, सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय संरक्षा का सुदृढ़ आधार निर्मित किया है। उक्त उद्गार उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने डाक जीवन बीमा के गौरवशाली 142वें वर्ष में प्रवेश होने पर 2 फरवरी, 2026 को क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने बीमाधारकों को डाक जीवन बीमा पॉलिसी बांड, परिपक्वता दावा, दावा भुगतान सौंपकर उनके सुखी भविष्य की भी कामना की।

पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि जीवन बीमा आधुनिक युग में आवश्यक होने के साथ-साथ वित्तीय सुरक्षा और निवेश का एक भरोसेमंद माध्यम भी है। उत्तर गुजरात परिक्षेत्र में वर्तमान में डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा की कुल 2.08 लाख से ज्यादा पॉलिसियाँ हैं। एक अभिनव पहल के तहत उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के 708 गाँवों में सभी योग्य लोगों का बीमा करते हुए इन्हें 'सम्पूर्ण बीमा ग्राम' बना दिया गया है। डाकघरों में लोगों की आयु और आवश्यकता के हिसाब से जीवन बीमा की तमाम योजनायें हैं, जिनमें सुरक्षा (आजीवन बीमा), संतोष (स्थायी निधि जमा), सुविधा, सुमंगल, युगल सुरक्षा और चिल्ड्रेन पालिसी शामिल हैं। कम प्रीमियम और उच्च बोनस इन पॉलिसियों की अनूठी विशेषता है, जो इसे भारत में अन्य जीवन बीमाकर्ताओं से अलग करती है। बचत लाभ और

जीवन बीमा कवर प्रदान करने के अलावा ये पॉलिसी ग्राहकों को ऋण सुविधा भी प्रदान करती हैं।

पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि डाक जीवन बीमा सेवा को नवीन टेक्नोलॉजी अपनाते हुए ऑनलाइन बनाया गया है। पॉलिसीधारकों के लिए ई-पीएलआई बॉण्ड की सुविधा भी है जो डिजिलॉकर पर उपलब्ध है। अब डाक विभाग द्वारा पॉलिसी बांड जारी करने के तुरंत बाद पॉलिसी बॉण्ड को डाउनलोड किया जा सकता है। नवाचार करते हुए जहाँ अब प्रीमियम के ऑनलाइन जमा की सुविधा है, वहीं अब प्रीमियम को आई.पी.पी.बी. मोबाइल ऐप से भी जमा किया जा सकता है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि डाक जीवन बीमा को डाक विभाग के कर्मचारियों के लिए 1884 में एक कल्याणकारी उपाय के रूप में शुरू किया गया था और इसे 1888 में टेलीग्राफ विभाग के कर्मचारियों के लिए विस्तारित किया गया। वर्ष 1894 में डाक जीवन बीमा ने पी एंड टी विभाग की महिला कर्मचारियों को ऐसे समय में बीमा कवर दिया, जब कोई अन्य बीमा कंपनी महिलाओं को जीवन बीमा प्रदान नहीं करती थी। डाक जीवन बीमा के लाभ सरकारी कर्मचारियों जैसे केंद्र और राज्य सरकारों के कर्मचारियों, सार्वजनिक उपक्रमों, सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीयकृत बैंकों, रक्षा सेवाओं तथा अर्ध-सैन्य बलों के लिए उपलब्ध कराये गए थे। सितंबर 2017 में डाक जीवन बीमा का लाभ बढ़ाकर पेशेवरों (जैसे इंजीनियर, डॉक्टर, बैंकर, वकील, आर्किटेक्ट, पत्रकार आदि) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) तथा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सूचीबद्ध कंपनियों के कर्मचारियों को भी दिया गया। 1 दिसंबर, 2022 से केंद्र सरकार व राज्य सरकारों से मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय/संस्था के सभी स्नातक/डिप्लोमा धारक भी डाक जीवन बीमा का लाभ उठा सकते हैं। डाक जीवन बीमा के अन्तर्गत लाभों की चर्चा करते हुए प्रवर अधीक्षक श्री चिराग मेहता ने कहा कि निवेश की सुरक्षा पर सरकार की गांरटी, धारा 80 के तहत आयकर में छूट, देश के किसी भी डाकघर में प्रीमियम जमा करने की सुविधा और अग्रिम प्रीमियम पर छूट दी जाती है। पॉलिसी पर बोनस की दर रुपये 48 प्रति हजार से लेकर रुपए 76 प्रति हजार के मध्य है। डाक जीवन बीमा के तहत 20 हजार से 50 लाख रुपए तक का बीमा करवाने की सुविधा देश भर के डाकघरों में उपलब्ध है।

सहायक निदेशक श्री वी एम वहोरा ने बताया कि भारतीय डाक विभाग ने लैप्स्ड पॉलिसियों के लिए एक विशेष ड्राइव की शुरुआत की है। यह ड्राइव 14 जनवरी 2026 से 14 अप्रैल 2026 तक चलेगी। इस दौरान, जिन बीमाधारकों की पॉलिसियाँ लैप्स्ड हैं, उन्हें पॉलिसी रिवाइव कराने पर डिफ़ॉल्ट शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को अपने जीवन बीमा पॉलिसियों का लाभ जारी रखने का अवसर देना और उनकी वित्तीय सुरक्षा को सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर प्रवर अधीक्षक श्री चिराग मेहता, डिप्टी अधीक्षक श्री एस के वर्मा, सहायक निदेशक श्री वी एम वहोरा, श्री अल्पेश शाह, श्री रितुल गाँधी, सीनियर पोस्टमास्टर श्री पी जे सोलंकी, सहायक लेखाधिकारी श्री चेतन सैन, श्री रामस्वरूप मँगावा, सहायक डाक अधीक्षक श्री जीनेश पटेल, श्री आर टी पटेल, श्री रोनक शाह, श्री भाविन प्रजापति, निरीक्षक सुश्री पायल पटेल, श्री योगेंद्र राठोड, श्री भावेश रावल, श्री दर्शन श्रीमाली, श्री दीपक परमार, श्री चिरायु व्यास सहित तमाम अधिकारी-कर्मचारी और बीमाधारक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री अभिषेक पीठडीया ने किया।

सीतापुर सदर तहसील में हुआ जनसुनवाई का आयोजन

आधुनिक समाचार

सीतापुर।सीतापुर में तहसील दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल द्वारा तहसील सदर में जनसुनवाई की गई तथा मौके पर शिकायतों एवं समस्याओं को सुनकर इनका त्वरित, न्यायोचित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिये गये। इस दौरान संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

पार्टी की मासिक बैठक मे मतदाता सूची में नाम बढ़ाने का दिया आह्वान

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिला कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि हम सभी समाजवादी पार्टी के एक-एक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि मतदाताओं का अधिक से अधिक नाम बढ़ाने का काम करें और हर बूथ पर जाकर बीएलओ से संपर्क करके यह पता करें कि प्रारूप 7 किन-किन मतदाताओं का भरा गया है और उसकी सूची लेकर घर-घर जाकर सत्यापन भी करें।

श्री यादव ने कहा कि जनपद सोनभद्र के अधिकारियों से अपील है कि वे लोग किसी के दबाव में काम ना करे नहीं तो समाजवादी पार्टी उनके ऊपर मुकदमा दर्ज करवाने का काम करेगी।

बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यास जी गोड ने कहा कि आप लोगों की जिम्मेदारी है कि समाजवादी पार्टी

की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करें और इसी के साथ मतदाताओं का नाम बढ़ाने का काम करें क्योंकि यह भाजपा सरकार समाजवादियों का मतदाता सूची से नाम कटवाने की साजिश बड़े पैमाने पर कर रही हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव ने कहा कि हम नौजवानों की जिम्मेदारी है कि जनपद सोनभद्र के अधिक से अधिक बूथ का भ्रमण करके मतदाताओं का नाम बढ़ाने का काम करें और इसी के साथ अपने मतदाताओं का नाम चेक करें कि कोई उनका नाम तो नहीं कटवा रहा है क्योंकि भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा बड़े पैमाने पर समाजवादी पार्टी के मतदाताओं का नाम कटवाने का काम किया जा रहा है।

बैठक में मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष विजय यादव,जिला महासचिव मोहम्मद शईद कुरैशी, अनिल प्रधान, विजय, जिला उपाध्यक्ष वेद मनी शुक्ला, अशोक पटेल, त्रिपुरारी गौर, डॉक्टर लोकपति सिंह पटेल, रवि कुमार गौड़, हिदायत उल्ला खान, विनीत पांडे, सरदार पारब्रह्म सिंह, सत्यम पांडे, दीपक केसरी, शुभम दुबे, रमापति त्रिपाठी के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वक्फ सम्पत्ति का विवरण प्रत्येक दशा में 15 फरवरी कराए फीड : महिमा

आधुनिक समाचार

रायबरेलीःजिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी/सहायक सर्वे आयुक्त वक्फ रायबरेली महिमा ने बताया है कि सर्वे कमिश्नर वक्फ, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल, 2025 पर वक्फ सम्पत्तियों के पंजीकरण के सम्बन्ध में उ0प्र0 वक्फ न्यायाधिकरण, लखनऊ के आदेश द्वारा पुनः छः माह का समय बढ़ाए जाने के सम्बन्ध में पोर्टल पर वक्फ सम्पत्तियों के पंजीकरण एवं उसे एप्रूव किये जाने के सम्बन्ध में समय-सारणी निर्धारित किये जाने की सूचना उपलब्ध करायी गयी है, जिसके अनुसार पोर्टल पर मुतवल्ली (मेकर) द्वारा विवरण पंजीकृत करने की अन्तिम तिथि - 15 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। पोर्टल पर मुतवल्ली (मकर) द्वारा भरे गए विवरण को वक्फ बोर्ड द्वारा चेक करने की अन्तिम तिथि 15 अप्रैल 2026 निर्धारित है। वक्फ बोर्ड के स्तर से एप्रूप किए जाने की अन्तिम तिथि 05 जून 2026 निर्धारित की गई है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने समस्त मुतवल्ली/प्रबन्धक समिति/प्रशासकों को सूचित किया है कि उम्मीद पोर्टल पर उपरोक्त समय सारिणी के अनुसार वक्फ सम्पत्ति का विवरण प्रत्येक दशा में 15 फरवरी 2026 तक फीड कराया जाना है जिसमें बहुत ही कम समय शेष है जिन मुतवल्लियों द्वारा अभी तक वक्फ सम्पत्ति का विवरण उम्मीद पोर्टल पर फीड नहीं कराया गया है वह नियत तिथि से पूर्व प्रत्येक दशा में फीड कराना सुनिश्चित करें। अन्यथा की स्थिति में आप सम्पूर्ण उत्तरदायी होगें।

ब्लड स्टोरेज यूनिट की मदद से प्रसूता को मिला समय पर जीवनरक्षक उपचार

लालगंज सीएचसी पर फिर से शुरू हुई ब्लड स्टोरेज यूनिट

रायबरेली । जनपद में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में ब्लड स्टोरेज यूनिट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसी क्रम में लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्थित ब्लड स्टोरेज यूनिट के माध्यम से बृहस्पतिवार को एक प्रसूता को समय पर रक्त उपलब्ध कराकर उसकी जान बचाई गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने बताया कि श्रीमती सुमन निवासी लालगंज का प्रसव होने के दो दिन बाद जब उसका हीमोग्लोबिन परीक्षण किया गया तो उसका स्तर मात्र सात ग्राम प्रति डेसीलीटर पाया गया। महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने तत्काल रक्त चढ़ाने का निर्णय लिया। आवश्यक रक्त की व्यवस्था सीएचसी लालगंज पर संचालित ब्लड स्टोरेज यूनिट के माध्यम से की गई, जिससे प्रसूता को समय पर जीवनरक्षक उपचार मिल सका। उन्होंने बताया कि लालगंज एफआरयू में पिछले सप्ताह विद्युत आपूर्ति से जुड़ी तकनीकी समस्या उत्पन्न होने के कारण ब्लड स्टोरेज यूनिट का संचालन अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा था।

बृहस्पतिवार को विद्युत समस्या का समाधान कर यूनिट का संचालन पुनः शुरू कर दिया गया है, जिससे अब मरीजों को निर्बाध रूप से रक्त उपलब्ध कराया जा रहा है।

एफआरयू स्थित ब्लड स्टोरेज यूनिट में सामान्यतः सभी चार रक्त समूहों का पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध रहता है। इसके लिए सीएचसी पर नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। मरीज को रक्त चढ़ाने से पूर्व क्रॉस मैचिंग एवं रक्त की सभी आवश्यक जांच सुनिश्चित की जाती है। साथ ही जिला स्थित मदर ब्लड बैंक से प्राप्त रक्त की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसकी पुनः जांच भी की जाती है। डॉ. चंद्रा ने बताया कि गंभीर एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का सामना करना पड़ सकता है। इसका प्रभाव गर्भस्थ शिशु एवं नवजात के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है और कई मामलों में यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जनपद में सीएचसी बछरावां, लालगंज एवं ऊँचाहार स्थित तीनों एफआरयू पर ब्लड स्टोरेज यूनिट स्थापित की गई हैं, ताकि जरूरतमंद महिलाओं को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके और मातृ मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाई जा सके। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, एनीमिया की समय पर पहचान एवं उपचार के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत प्रसव को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

भक्तों की रक्षा के लिए प्रभु अपने वचन तोड़ देते हैं : मनीष शरण

गायत्री भवन तेजनगर, उरमौरा में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा सुनने को जुटे श्रद्धालु

सोनभद्र। गायत्री भवन तेजनगर, उरमौरा में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन अयोध्या धाम से पधारे कथा व्यास मनीष शरण जी महाराज ने कथा करते हुए कहा कि अपने भक्तों की रक्षा के लिए प्रभु अपने भी वचन तोड़ देते हैं। ब्रज वासियों ने भगवान के कहने पर गोवर्धन जी की पूजा किया, परिक्रमा किया और जब इंद्र को पता चला तो साम्वर्त्तक आदि बादलों को ब्रज मण्डल को ही नष्ट करने को भेजा। भयंकर तूफ़ान और बरसात को देख ब्रजवासी भगवान के पास गए तब अपने भक्तों की रक्षा के लिए सात वर्ष के कन्हैया ने सात कोष के गोवर्धन को सात दिन, सात रात्रि तक अपने सबसे छोटी उंगली पर उठाया और संसार को अपने भगवान होने का प्रमाण दिया। प्रभु समय समय पर देते है अपनी भगवत सत्ता का प्रमाण। इस अवसर पर मुख्य यजमान पवन कुमार मिश्र, आचार्य विनय कुमार शुक्ल, महेश शुक्ल, अरुण तिवारी, महेंद्र प्रसाद शुक्ला, चन्द्र किशोर पांडेय, सुरेश सिंह, विनोद शुक्ला, संजीव शुक्ला, ओम कुमार चतुर्वेदी, आनंद ओझा समेत भक्तगण, श्रोतागण, महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

मणिकर्णिका घाट पर राजमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति स्थापित करने की मांग

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। राष्ट्र उदय पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतिनिधि को सौंपा।

वक्ताओं ने बताया कि वाराणसी में प्रसिद्ध गंगा किनारे मणिकर्णिका घाट पर न्याय की देवी पुण्यश्लोक राजमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति सम्मान जनक स्थान पर स्थापित किया जाए। इसको लेकर मांग पत्र ज्ञापन सौपा गया है।

जिला अध्यक्ष उमाकांत धनगर ने बताया कि वाराणसी गंगा किनारे प्रसिद्ध मणिकर्णिका घाट पर न्याय की देवी पुण्यश्लोक राजमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर समेत अन्य देवी देवताओ की मूर्ति खण्डित किये जाने से लोक माता अहिल्याबाई होल्कर के वंशजो पर सीधा प्रहार

है। जिसनें समूचे देश को न्याय धर्म करूणा और लोक कल्याण का पुरजोर विरोध करती है। यह विषय किसी एक समाज या संगठन तक सीमित नही महर बल्कि यह पूरे समाज का अपमान है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र उदय पार्टी माँग करती है कि मणिकर्णिका घाट पर तोडी गयी लोक माता अहिल्यावाई होल्कर जी की प्रतिमा एवं अन्य ऐतिहासिक धरोहर को सम्मान जनक स्थान पर स्थापित किया जाय। शान्ति पूर्ण विरोध कर रहे समाज के लोगो पर दर्ज मुकदमें तत्काल प्रभाव सें वापस किये जाय। सोनभद्र जिला मुख्यालय सोनभद्र जिला न्यायालय के प्रवेश द्वार पर न्याय की -देवी पुण्यश्लोक राजमाता देवी अहिल्यावाई होल्कर जी की आदम कद प्रतिमा लगाकर देश में न्याय व्यवस्था दुरूस्त किया जाय।

प्रभु श्री राम सीता विवाह पाठ का आयोजन, श्रद्धालुओं ने लगाएं जयकारे

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। नगर पालिका क्षेत्र के सहिजन कला वार्ड नंबर 4 चाडी माता मंदिर के प्रांगण में सप्त दिवसीय संगीतमयी श्री राम कथा के छठे दिन प्रभु श्री राम सीता विवाह की निकली झांकी श्रद्धालुओं ने लगाएँ जयकारे। मुख्य आयोजक अध्यक्ष आदर्श नगर पालिका परिषद रावटसगंज एव पूर्व विधायक दुद्धि रूबी प्रसाद ने बताया कि 2 फरवरी से 9 फरवरी तक श्री राम कथा का

आयोजन किया गया है जिसमें मुख्य कथा व्यास श्रीधाम वृंदावन से पधारे महाराज दिलीप कृष्ण भारद्वाज द्वारा सीता विवाह पाठ का आयोजन जिसमें जजमान के रूप में पधारे वार्ड नंबर 11 अंबेडकर नगर की सभासद गायत्री सिंह पत्नी अजित सिंह द्वारा प्रभु की आरती के साथ कथा प्रारंभ हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और प्रभु श्री राम और सीता की पूजा-अर्चना की। पाठ के दौरान भजन-कीर्तन और रामायण का पाठ किया गया। आयोजन समिति के श्री ब्यास ने बताया कि इस पाठ का उद्देश्य प्रभु श्री राम के जीवन और उनके आदर्शों को याद करना है। पाठ के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने प्रभु श्री राम और सीता के विवाह की बधाई दी और उनके आशीर्वाद की कामना की। इस मौके पर सभासद राकेश कुमार, अमित दुबे, अनवर अली, मनोज़ चौबे, अजित सिंह, सुजीत, अकास कुमार आदि लोग मौजूद रहें।

सदर विधायक ने केंद्रीय बजट को बताया विकसित भारत की दिशा में निर्णायक कदम

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। भाजपा जिला कार्यालय राबर्ट्सगंज पर आयोजित प्रेस वार्ता में सदर विधायक भूपेश चौबे ने केंद्रीय बजट 2026-27 को विकसित भारत 2047 की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट गरीब, किसान, युवा, महिला, श्रमिक और मध्यम वर्ग को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है।

बजट के मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए श्री चौबे ने बताया कि बजट का कुल आकार 53 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें 12.2 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय प्रस्तावित है। फिस्कल डेफिसिट को 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया है। शिक्षा के लिए 1,39,289 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें औद्योगिक और लॉजिस्टिक कॉरिडोर के आसपास यूनिवर्सिटी टाउनशिप विकसित करने और विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग एवं गणित क्षेत्रों में बालिकाओं के लिए छात्रावास बनाने की योजना शामिल है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में जिला अस्पतालों में इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर सुविधाओं का 50 प्रतिशत विस्तार,

3 नए एम्स, 5 क्षेत्रीय मेडिकल हब, 1000 निजी मेडिकल कॉलेजों में ट्रॉमा सेंटर, और 15 लाख केयरगिवर्स के प्रशिक्षण का प्रावधान किया गया है। कैंसर की 17 दवाइयों और 7 गंभीर बीमारियों की दवाओं पर टैक्स समाप्त कर उन्हें सस्ता किया गया है।

नारी सशक्तिकरण के अंतर्गत हर जिले में बालिका छात्रावास, 5 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य, और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की योजनाएं लागू की गई हैं। गरीबी उन्मूलन हेतु विकसित भारत ग्राम योजना में 1.51 लाख करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री आवास योजना में 54,916.70 करोड़ रुपये, और शहरी व ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत श्रमिकों, गिग वर्कर्स एवं घरेलू कामगारों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

प्रेस वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष नंद लाल, अनूप तिवारी, बृजेश श्रीवास्तव सहित अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

चंदापुर मंदिर प्रांगण में संपन्न हुआ 108 बार गणपत अथर्व शीर्ष का पाठ

रायबरेली। दिनांक 7 फरवरी 2026 दिन शनिवार प्रातः 10:00 बजे भगवान जगन्नाथ जी के दरबार में मुख्य यजमान श्रीमती रेनू मिश्रा एवं सौम्या मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से गणपत भगवान का पूजन अर्चन किया गया ।गणपत भगवान को दूध ,दही ,घी ,शहद एवं शक्कर स्नान कराया गया। इस अवसर पर मुख्य व्यवस्था प्रभारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव, मंटू शुक्ला, श्रीमती शिशिर शुक्ला श्रीमती रेनू मिश्रा एवं सौम्या मिश्रा ,रामप्रकाश, रवि सोनी, आचार्य पंडित योगेश मिश्रा उपस्थित थे। धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने बताया की दिनांक 8 फरवरी दिन रविवार को 51 बार आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ का संकल्प श्री संजू द्विवेदी राणा नगर द्वारा लिया जाएगा और यह पाठ प्रातः 10:00 बजे से रात्रि 7:00 बजे तक संपन्न होगा रात्रि 7:00 बजे बाबा की आरती एवं प्रसाद का वितरण होगा । सभी नगर वासियों से समय से पहुंचकर बाबा की आरती में सम्मिलित होकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

जिलाधिकारी ने थाना दुद्धी का किया निरीक्षण व्यवस्थाओं को लेकर दिए सख्त निर्देश

आधुनिक समाचार

जिलाधिकारी श्री बी0 एन0 सिंह द्वारा क्षेत्राधिकार दुद्धी अंतर्गत थाना दुद्धी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सी0सी0टी0एन0एस0, बंदीगृह, ड्यूटी चार्ट रजिस्टर, त्योहार रजिस्टर, मालखाना एवं पुराने वाहनों

की नीलामी से संबंधित अभिलेखों का गहन अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि थाने में सभी रजिस्टर अद्यतन एवं व्यवस्थित रूप से अंकित रहें तथा सीसीटीएनएस प्रणाली को सुचारू रूप से संचालित किया जाए।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान भूमि विवाद से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि भूमि विवादों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं निष्पक्ष तरीके से किया जाए, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान विशेष सतर्कता बरती जाए और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री राजेश राय, थाना प्रभारी श्री धर्मेंद्र कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तनावमुक्त होकर अपने पैटर्न पर बच्चे भरोसा कर परीक्षा की तैयारी करें: डॉ0 ओ0पी0 द्विवेदी

आधुनिक समाचार

वाराणसी/हरहुआ।शिक्षा सिर्फ परीक्षाओं के लिए नहीं बल्कि जीवन मे खुद को जांचने के लिए होती है। मन को परीक्षा के अंकों से जोड़ने के बजाय जीवन में सफलता पर फोकस करना चाहिए।तनावमुक्त होकर अपने पैटर्न पर भरोसा कर परीक्षा की तैयारी करें।

उक्त बातें एस0 आर0 प्लेटिनम इंग्लिश स्कूल में छात्र-छात्राओं के विदाई समारोह में आयोजित वीरांगना कार्यक्रम के प्रस्तुति के पश्चात मुख्य अतिथि भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय एनसीटीई के मेंटर डॉ0 पूर्व प्राचार्य स्वामी देवानन्द पोस्ट ग्रेजुएट कालेज ओमप्रकाश द्विवेदी ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किया। विद्यालय की ओर से पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

विशिष्ट अतिथि डॉ0 रितिका दुबे ने कहा कि परीक्षा के लिए तैयारी करने के क्रम में

स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की अपने अंदर क्षमता विकसित करते हुए स्वयं के प्रति जिम्मेदारी संभालते हुए फेश करें सफलता जीवन का मूल मन्तव्य बनी रहे।

विदाई समारोह में विद्यालय के निदेशक कौशलेन्द्र नारायण सिंह ने कहा कि परीक्षा के दौरान पठन पाठन और पर्याप्त आहार लेने पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।चिन्तनमुक्त अपने को बनाये रखें।

धन्यवाद देते हुए डॉ0 सीमा सिंह ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में सुभिक्षा देव व नंदिनी को स्टार ऑफ ईयर घोषित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य आर0 पी0 सिंह ने किया।सहयोग देवांश राय, जागृति, मधु सिंह व भाविका राय द्वारा किया गया।

श्रीमद भागवत कथा के पंचम दिवस मे श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन विस्तार से वर्णन हुआ

चांदा सुल्तानपुर।चांदा क्षेत्र के रामनगर गांव मे आयोजित संगीतमयी श्रीमद भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ के पंचम दिवस मे दशरथ गद्दी अयोध्या धाम से पधारे डॉ. गिरीश चंद्र तिवारी जी महाराज ने श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन विस्तार से किया भगवान ने गोपियों के साथ लीला किया शकटासुर और तृणावर्त का भी वध कर उनका कल्याण किया कथा के पूर्व मुख्य यजमान श्रीमती शांति देवी पत्नीक रामप्रताप मिश्र ने आचार्यगणो द्वारा व्यासपीठ का विधि विधान से पूजा अर्चन किया और महाराज श्री ने कथा को आगे बढाते हुए कहा धनवान वही व्यक्ति है जो अपने तन, मन,धन से सेवा भक्ति करे वही आज के समय में धनवान व्यक्ति है। भगवान की कृपा से ही संभव हो सकता है। पूतना चरित्र का वर्णन करते हुए महाराज ने बताया कि पूतना राक्षसी ने बालकृष्ण को उठाया और स्तन लगाया। श्रीकृष्ण ने दूध पीते ही पूतना का वध कर पूतना का कल्याण किया। माता यशोदा जब भगवान श्री कृष्ण को पूतना के वक्षस्थल से लाती हैं तो उनके बाद पंचगव्य गाय के गोबर, गोमूत्र से भगवान को स्नान कराती हैं। सभी को गौ माता की सेवा, गाय का जाप और गीता का पाठ आवश्यक करना चाहिए। गाय की सेवा से 33 करोड़ देवी देवताओं की सेवा होती है।

पृथ्वी ने गाय का रूप धारण करके श्रीकृष्ण को बुलाया तब श्रीकृष्ण पृथ्वी पर आये हैं। इसलिए वह मिट्टी में नहाते, प्रतिस्पर्धी और शिकार हैं ताकि पृथ्वी का आकर्षण कर सकें। ग्वाल बालकों ने यशोदामाता से फरियाद कर दी-'मां तेरे लाला ने माटी खाई है यशोदामाता के हाथ में छड़ी लेकर दौड़ती आई हूं। 'अच्छा खुला मुख।' माता के ऐसा कहने पर श्रीकृष्ण ने अपना मुख खोल दिया। श्रीकृष्ण के मुख में यशोदाजी ने देखा कि मुख में चर-अचर सम्पूर्ण जगत् है। आकाश, दिशाएँ, पर्वत, द्वीप, समुद्रों में सारि पृथ्वी, उद्दम वाली वायु, वैद्युत, अग्नि, चन्द्रमा और चन्द्रमा

के साथ संपूर्णज्योतिर्मंडल, जल, तेज अर्थात् प्रकृति, महत्तत्त्व, देवगण, इन्द्रियाँ, मन, बुद्धि, त्रिगुण, जीव, काल, कर्म, प्रारब्ध आदि तत्त्व भी मूर्त दिखने लगे। पूरा त्रिभुवन है, जिसमें जम्बूद्वीप है, जिसमें भारत वर्ष है, और यशोदा देखती रह गई श्री कृष्ण ने सोचा अगर मैया मेरा असली तत्व ही पहचान लिया।तो श्रीनारायण के रूप में पूजा करेंगी।और न तो अपने गोद में बैठाऐगी, न दूध पिलायेगी और न मारेगी। जिस उद्देश्य के लिए मैं बालक का रूप लिया हु वही भगवान ने अपनी लीला के माध्यम से यशोदा माता ने उस घटना को भूलवा दिया श्री महाराज ने कहा आज कल की युवा पीढ़ीया अपने धर्म को अपने भगवान को नहीं मानती है,आपको अपने धर्म को जानने के लिए गीता, रामायण पढ़ो, जिससे आपकी आने वाली पीड़िया संस्कारी हो सके। श्रीकृष्ण के कहने पर ब्रजवासियों ने इंद्र की पूजा छोड़ कर गिरिराज जी की पूजा शुरू कर दी तो इंद्र ने मूसलाधार वर्षा की, तब कृष्ण भगवान ने गिरराज को अपने कनिष्ठ मठ पर स्थापित किया और ब्रजवासियों ने रक्षा की और इंद्र का मान मर्दन किया। तब इंद्र को भगवान की शक्ति का पता चला और इंद्र ने भगवान से क्षमा मांगी और कहा कि हे प्रभु मैं भूल गया था कि मेरे पास जो कुछ भी है वो सब कुछ आपका ही दिया हुआ है। श्रीमहाराज जी के मनमोहक भजनो पर पंडाल मे बैठ श्रोत्रागण झूम उठे इस कार्यक्रम मे पं.संजय तिवारी(शास्त्री जी) रमेश मिश्र, राकेश चंद्र मिश्र, पवन मिश्र, आशुतोष मिश्र, हिमांशु मिश्र, लवकुश मिश्र, दिव्यांशु मिश्र, पं.सुधांशु तिवारी एवं बडी संख्या मे कथा प्रेमी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

ईरान में तेहरान बनाम वॉशिंगटन में बदल रहा विरोध प्रदर्शन

ईरान में महंगाई के खिलाफ आम लोगों का विरोध-प्रदर्शन धीरे-धीरे तेहरान बनाम वॉशिंगटन होता जा रहा है। इस्लामिक देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई का संबोधन डोनाल्ड ट्रंप के लिए चेतावनी है, जो जरूरत पड़ने पर ईरान में दखल देने की बात कह चुके हैं। ईरान की समस्या बहुत हद तक पैदा की हुई है। 1979 की क्रांति में शाह के पतन और इस्लामिक गणराज्य की स्थापना के समय से ही ईरान को पश्चिमी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इस समय भी परमाणु हथियारों के कार्यक्रम पर रोक नहीं लगाने के आरोप में अमेरिका और यूरोप ने ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध लाद रखे हैं। कुछ इन पाबंदियों और कुछ सरकारी नीतियों की वजह से ईरान की इकॉनमी आज डूबने के कगार पर पहुंची हुई है।सरकारी आंकड़े बताते हैं कि ईरान में महंगाई दर 42प्रतिशत हो गई है। खाने-पीने के दाम बेतहाशा बढ़े हैं और जरूरी चीजों के दाम में 110इ तक की बढ़ोत्तरी हुई है। ईरान के पास दुनिया के कुल तेल भंडार का 9-10इ है, लेकिन अमेरिका ने उस पर यह कहते हुए कड़े प्रतिबंध लाद रखे हैं कि इन पैसों का इस्तेमाल परमाणु हथियार विकसित करने में होता है। दशकों की इन पाबंदियों की वजह से ईरान को कभी संभलने का मौका नहीं मिला। पश्चिम की दुश्मनी खामेनेई से है, पर भुगतना जनता को पड़ रहा है। ऊपर से कट्टरता, शासन व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं, मानवाधिकार का उल्लंघन जैसे आरोप भी हैं, जिनके विरोध में हर कुछ वक्त बाद ईरानी सड़कों पर उतरे नजर आते हैं। साल 2022 में भी ऐसे ही उग्र प्रदर्शन हुए थे, जब हिजाब न पहनने के आरोप में एक युवती को हिरासत में लिया गया था और उसकी मौत हो गई थी। ताजा विरोध-प्रदर्शन देश के अधिकतर हिस्सों तक फैल चुके हैं। खबरों के मुताबिक, 45 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इंटरनेट बंद है और आम ईरानियों की सुरक्षा को लेकर पूरी दुनिया में चिंता है, लेकिन संप्रभु देश के मामलों में अमेरिका को कूदने का अधिकार नहीं है। पिछले साल जून में अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर एयर स्ट्राइक की थी, लेकिन उसका कोई फायदा नहीं निकला। इससे पहले भी कई उदाहरण हैं, जहां अमेरिकी हस्तक्षेप से हालात और बिगड़े ही। ईरान का फैसला वहां की जनता ही करे तो अच्छा होगा।

विकसित भारत के दृष्टिगत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के मायने

कमलेश पांडे

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति को दर्शाता है, जिसमें वैश्विक चुनौतियों के बावजूद उच्च वृद्धि दर का अनुमान है। देखा जाए तो यह बजट 2026-27 से पहले नीतिगत दिशा तय करता है और विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों पर जोर देता है। यही वजह है कि आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में वैसे नीतिगत सुधारों पर बल दिया गया है जो आत्मनिर्भरता, रोजगार सृजन और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा दें। कहना न होगा कि ये सभी सुझाव वैश्विक चुनौतियों के बीच लचीलेपन और संरचनात्मक परिवर्तन पर केंद्रित हैं। जहां तक इस आर्थिक सर्वेक्षण की मुख्य विशेषताओं की बात है तो इस सर्वेक्षण में वित्त वर्ष 2026 के लिए जीडीपी वृद्धि 7.4प्रतिशत और जीवीए 7.3प्रतिशत का प्रथम अनुमान दिया गया है, जबकि एफ वाई 2027 के लिए 6.8-7.2इ का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। वहीं, निजी उपभोग (जीडीपी का 61.5प्रतिशत) और निवेश (30प्रतिशत) प्रमुख चालक हैं, साथ ही मुद्रास्फीति अप्रैल-दिसंबर 2025 में औसतन 1.7प्रतिशत रही। जबकि राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2026 में 4.4प्रतिशत तक कम होने का लक्ष्य है, जो नीतिगत स्थिरता दर्शाता है। कुल मिलाकर अर्थिक सर्वेक्षण के प्रमुख क्षेत्रीय प्रदर्शन इस प्रकार हैं- क्षेत्र - मुख्य उपलब्धियाँ विनिर्माणः उच्च-तकनीकी गतिविधियों का 46.3इ योगदान है; जबकि मोबाइल उत्पादन में 30 गुना वृद्धि हुई है। कृषिः खाद्यान्न उत्पादन 3577.3 लाख मीट्रिक टन हो चुका है; जबकि पशुपालन में 6.1प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। सेवाएँः जीवीए में 9.3प्रतिशत वृद्धि हुई है; जबकि वैश्विक निर्यात में 4.3प्रतिशत हिस्सा हो चुका है। बुनियादी ढांचाः राजमार्ग 60प्रतिशत बढ़े हैं; जबकि विदेशी मुद्रा भंडार त्र701.4 अरब पर पहुंच चुका है। इस प्रकार ये आंकड़े उत्साहित करते हैं, क्योंकि जहां विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाऐं संघर्ष कर रही हैं, वही भारतीय अर्थव्यवस्था फर्राटे भर रही है। जहां तक आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के नीतिगत निहितार्थ की बात है तो यह सर्वेक्षण आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और रणनीतिक लचीलेपन पर जोर देता है, जिसमें पीएलआई योजनाओं से 12.6 लाख नौकरियाँ सृजित हुईं हैं। यह ग्रामीण रोजगार में मनरेगा के स्थान पर 'विकसित भारत-जी राम जी' मिशन और एआई तथा स्वच्छ ऊर्जा पर फोकस सुझाता है, जो रोजगार-सघन विकास को बढ़ावा देगा। कुल मिलाकर, यह उच्च वृद्धि, कम महंगाई और समावेशी नीतियों से 2047 के विकसित भारत लक्ष्य को मजबूत बनाता है। कहना न होगा कि आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में उन नीतिगत सुधारों पर जोर दिया गया है जो आत्मनिर्भरता, रोजगार सृजन और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा दें। ये सुझाव वैश्विक चुनौतियों के बीच लचीलेपन और संरचनात्मक परिवर्तन पर केंद्रित हैं। यदि ग्रामीण रोजगार सुधार की दृष्टि से देखा जाए तो मनरेगा के स्थान पर 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम 2025' की स्थापना का सुझाव दिया गया है, जो जवाबदेही बढ़ाएगा, अवसंरचना सुधरेगी और आय सुरक्षा मजबूत करेगा। वहीं, स्वदेशी और उत्पादन रणनीति के क्षेत्र में अनुशासित स्वदेशी अपनाने, निवेश लागत कम करने, उन्नत विनिर्माण मजबूत करने और रणनीतिक अपरिहार्यता की त्रिस्तरीय रणनीति का आह्वान किया गया है।

आर्थिक सर्वेक्षण से बजट तक : भविष्य के भारत की तलाश

ललित गर्ग

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद के पटल पर प्रस्तुत किया जाने वाला बजट केवल आय-व्यय का वार्षिक लेखा-जोखा नहीं होता, बल्कि वह देश की आर्थिक दिशा, सामाजिक प्राथमिकताओं और भविष्य की संभावनाओं का दर्पण होता है। आज जब भारत एक ओर तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में विश्व मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है और दूसरी ओर वैश्विक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों, जलवायु संकट और तकनीकी परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब यह बजट और भी अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है। व्यक्तिगत नागरिक से लेकर व्यापारी, उद्योगपति, किसान, श्रमिक, युवा और मध्यम वर्ग-सभी की निगाहें इस बजट पर टिकी हैं, क्योंकि इससे न केवल वर्तमान वर्ष की आर्थिक तस्वीर, बल्कि 'भविष्य के भारत' की झलक भी मिलती है।

बजट से पूर्व प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण ने सरकार की सोच और नीति-दृष्टि के कई संकेत दिए हैं। इसमें विकास को केवल आंकड़ों की वृद्धि तक सीमित न रखकर अवसरों के विस्तार, समावेशी विकास और दीर्घकालिक स्थिरता पर जोर दिया गया है। यह स्वीकार किया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां अवश्य हैं, किंतु उनसे अधिक संभावनाएं हैं। यही दृष्टिकोण इस बजट का मूल स्वर होना चाहिए-चुनौतियों को अवसरों में बदलने का साहसिक प्रयास।

सबसे पहली और महत्वपूर्ण अपेक्षा निम्न वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ाने को लेकर है। किसी भी अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती तभी आती है जब उसके सबसे निचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी सम्मानजनक जीवन जी सके और उपभोग में भागीदार बने। यदि निम्न आय वर्ग की आय बढ़ती है, उसे सस्ती और सुलभ सुविधाएं मिलती हैं, तो उसका सीधा प्रभाव मांग पर पड़ता है और मांग बढ़ने से उत्पादन, निवेश और रोजगार-तीनों को गति मिलती है। इसलिए इस बजट में प्रत्यक्ष नकद अंतरण, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च के साथ-साथ रोजगार सृजन के ठोस उपाय अपेक्षित हैं। मनरेगा जैसे कार्यक्रमों का सुदृढ़ीकरण, शहरी गरीबों के लिए भी समान प्रकृति की योजनाएं और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

शहरी विकास इस बजट का एक और प्रमुख केंद्र होना चाहिए। भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है और शहरों पर जनसंख्या, आवास, परिवहन, जल, स्वच्छता और पर्यावरण का दबाव लगातार बढ़ रहा है। केवल बड़े महानगरों पर निर्भरता अब व्यावहारिक नहीं रही। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा द्वारा सुझाया गया शहरी विकेंद्रीकरण का विचार आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। छोटे और मध्यम

शहरों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाना, उद्योगों और सेवाओं को वहां प्रोत्साहित करना, न केवल महानगरों पर बोझ कम करेगा बल्कि क्षेत्रीय असंतुलन को भी घटाएगा। बजट में यदि टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए विशेष शहरी अवसंरचना पैकेज, परिवहन नेटवर्क, डिजिटल कनेक्टिविटी और कौशल विकास योजनाएं लाई जाती हैं, तो यह दूरगामी परिवर्तन का आधार बन सकता है।

वैश्विक स्तर पर टैरिफ, व्यापार अवरोध और संरक्षणवाद की प्रवृत्तियां भारत के लिए चुनौती भी हैं और अवसर भी। अजय बंगा का यह कथन कि टैरिफ पर अधिक चिंता करने के बजाय व्यापारिक अवसरों पर ध्यान दिया जाना चाहिए, भारत की वर्तमान स्थिति के लिए उपयुक्त दृष्टि प्रदान करता है। भारत के पास विशाल घरेलू बाजार, युवा जनसंख्या, डिजिटल क्षमताएं और उद्यमशीलता की प्रबल ऊर्जा है। यदि यह बजट निर्यात-उन्मुख उद्योगों, स्टार्ट-अप्स, मैन्युफैक्चरिंग और वैल्यू-एडेड सेक्टर को प्रोत्साहन देता है, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में और मजबूत स्थान बना सकता है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' को केवल नारों से आगे ले जाकर व्यावहारिक नीति समर्थन की आवश्यकता है-सरल कर संरचना, आसान ऋण, अनुसंधान एवं नवाचार में निवेश और व्यापार करने में सुगमता के माध्यम से।

इस संदर्भ में मध्यम वर्ग की भूमिका को नजरअंदाज करना आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती होगा। मध्यम वर्ग किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है-वह सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है और सबसे बड़ा करदाता भी। विडंबना यह है कि बजट चर्चाओं में अक्सर यही वर्ग अपेक्षाकृत उपेक्षित रह जाता है। बढ़ती महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य का खर्च, आवास ऋण और करों का बोझ मध्यम वर्ग की बचत और उपभोग दोनों को प्रभावित करता है। यदि इस बजट में आयकर स्लैब में तर्कसंगत सुधार, शिक्षा-स्वास्थ्य पर कर राहत और आवास को प्रोत्साहन जैसे कदम उठाए जाते हैं, तो इससे न केवल मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी बल्कि मांग-आधारित विकास को भी बल मिलेगा।

उद्योगों और व्यापार जगत के लिए बजट से अपेक्षा है कि वह स्थिर और पूर्वानुमेय नीति वातावरण प्रदान करे। निवेशक अनिश्चितता से डरते हैं। कर नीति में बार-बार बदलाव, अनुपालन की जटिलता और नियामक अस्पष्टता निवेश को बाधित करती है। इस बजट में यदि दीर्घकालिक कर-नीति का स्पष्ट संकेत, एमएसएमई सेक्टर के लिए सस्ता ऋण, तकनीकी उन्नयन के लिए प्रोत्साहन और हरित उद्योगों के लिए विशेष पैकेज दिए जाते हैं, तो यह उद्योगों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र, जो रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है, उसे आर्थिक पुनरुत्थान का केंद्र बनाया जाना चाहिए। भविष्य के भारत की कल्पना केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं हो सकती। इसमें पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक न्याय और मानवीय विकास समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में हरित ऊर्जा, स्वच्छ परिवहन और टिकाऊ कृषि को बजट में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यह न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि नए उद्योगों और रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा। शिक्षा और कौशल विकास में निवेश भविष्य की कार्यशक्ति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा, जबकि स्वास्थ्य पर खर्च एक स्वस्थ और उत्पादक समाज की नींव रखेगा। अंततः यह बजट एक संतुलन की परीक्षा है-राजकोषीय अनुशासन और विकासात्मक खर्च के बीच, अल्पकालिक राहत और दीर्घकालिक सुधारों के बीच, तथा विभिन्न वर्गों की अपेक्षाओं के बीच। यदि यह बजट निम्न वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ाने, मध्यम वर्ग को राहत देने, शहरी विकेंद्रीकरण को गति देने और वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदलने की स्पष्ट दिशा देता है, तो यह केवल एक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि 'विकसित भारत' की ओर बढ़ते कदम का घोषणापत्र बन सकता है। देश को आज ऐसे ही बजट की आवश्यकता है-जो आशा जगाए, विश्वास पैदा करे और भविष्य के प्रति एक सकारात्मक, साहसिक दृष्टि प्रस्तुत करे।

अरावली पर्वतमाला : अवैध खनन रोकने में जनसहभागिता भी जरूरी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सर्वोच्च न्यायालय की अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन को लेकर जो चिंता देखी गई है वह अपने आपमें महत्वपूर्ण इसलिए हो जाती है कि अरावली पर्वतमाला को खोखला करने में अवैध खनन गतिविधियों की प्रमुख भूमिका रही है। यही कारण है कि 21 जनवरी को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की बैंच ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और समस्या के मूल कारण अवैध खनन पर रोक पर जोर दिया है। 21 जनवरी के निर्देशों को स्पष्टता की दृष्टि से दो भागों में समझा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी में जहां अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी रोक और इसकी कार्ययोजना के निर्देष दिए हैं वहीं अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के मुद्दे का अलग अलग देखने पर जोर दिया है। अरावली पर्वतमाला की 100 मीटर के आदेष को दिसंबर के केप्ट इन एवियांस के आदेश को यथावत रखा हैं और विशेषज्ञों की कमेटी बनाने के लिए नाम व सुझाव मांगे है। कमोबेस चार सप्ताह में दुबारा सुनवाई तक कार्ययोजना और विशेषज्ञों के नाम और सुझाव का समय दिया गया है। पर अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने अधिक गंभीरता जताई है। अरावली पर्वतमाला को लेकर वैध और अवैध खनन की बहस को अलग रखकर देखा जाए तो यह साफ हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला को वैध खनन से अधिक अवैध खनन ने नुकसान पहुंचाया है। यह चिंता केवल पर्यावरणविदों की ही नहीं अपितु समूचे समाज और समूचे देश की इस मायने में है कि अरावली पर्वतमाला एक मोटे अनुमान के अनुसार 2 अरब पुरानी प्रोटेरोजोइक युग में निर्माण हुआ माना जाता है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली एनसीआर और गुजरात तक अरावली पर्वतमाला है। राजस्थान का बड़ा क्षेत्र 20 जिले अरावली पर्वतमाला में आते हैं। अरावली पर्वतमाला की कोख में मेसेनरी स्टोन से लेकर क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के अपार भण्डार है। देखा जाए तो अरावली पर्वतमाला को राजस्थान की तुलना में हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में अधिक नुकसान पहुंचाया गया है। खैर आरोप प्रत्यारोप का ना तो यह समय है और ना ही इससे कोई निकष निकलने वाला है। पर एक बात साफ है कि अरावली पर्वतमाला को संरक्षित रखना समय की मांग और भविष्य के लिए आज की आवश्यकता है। अरावली पर्वतमाला देखा जाए तो थार के मरुस्थल के फैलाव को रोकने की प्राकृतिक तारबंदी या दीवार माना जा सकता है। एक तरह से मरुस्थलीय विस्तार पर प्राकृतिक अवरोध है। जल और वायु को संरक्षित करता है तो जैव विविधता को संरक्षित करती है। अरावली पर्वतमाला में जैव विविधता के साथ ही वन्यजीव गलियारे विकसित है। दरअसल अरावली पर्वतमाला केवल प्राकृतिक अवस्था नहीं है बल्कि अन्य सब कारकों के साथ ही इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। अरावली श्रृंखला धूलभरी आंधियों से संरक्षित करती है तो जल संरक्षण और नदियों का स्रोत भी है। वन्य जीवों सहित जैव विविधता को अपनी कोख में संरक्षित किये हुए हैं। अब दोहरा संकट सामने हैं। एक और अरावली के संरक्षण की आवष्यकता है तो दूसरी और बेशकीमती खनिजों का खनन भी समय की मांग है। हांलाकि जैसा नवंबर के आदेश के बाद विशेषज्ञों के विष्लेषण सामने आये हैं वह कहानी कुछ और ही कहता है पर यह विवाद या बहस का विषय हो सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की नवीनतम टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि अवैध खनन एक प्रमुख कारण रहा है। हांलाकि दिसंबर के केप्ट इन एवियांस आदेश के साथ ही राजस्थान की भजन लाल शर्मा सरकार ने प्रदेष में अरावली क्षेत्र के 20 जिलों में 29 दिसंबर, 25 से 15 जनवरी, 2026 तक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए। अभियान के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 1445 प्रकरण दर्ज हुए और संबंधित पुलिस थानों में 320 एफआईआर दर्ज कराई गई। इस दौरान 140 व्यक्तियों की गिरफ्तारी भी हुई। 82898 टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया। अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 68 एक्सक्वेटर, जेसीबी सहित अन्य उपकरण जब्त किए गए और 1223 वाहन जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द किये गये। अभियान के दौरान जुर्माने के रुप में 9 करोड़ 86 लाख रुपए की वसूली कर राजकोष में जमा किए गए। यह भौतिक उपलब्धि रही है। खैर आंकड़ों को अलग रख भी दिया जाए तो राजस्थान सरकार ने अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ईमानदार प्रयास किये हैं। केन्द्र सरकार ने भी अरावली संरक्षण को लेकर कार्ययोजना घोषित की है। इस क्षेत्र में खनन पर प्रतिबंध तो है ही। चिंतनीय और गंभीर सवाल यह उठता है कि नवंबर में सर्वोच्च न्यायालय के अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के कुछ समय बाद जिस तरह से अरावली संरक्षण के लिए देश व्यापी आवाज उठी और जिस तरह से डीपी लगाने और प्रदर्शन आदि का दौर चला वह दिसंबर में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नवंबर के आदेश को केप्ट इन एवियांस करने के साथ ही ना जाने कहां नेपथ्य में चला गया। हांलाकि अरावली पर्वतमाला को लेकर जिस तरह से आवाज उठाई गई वह जागरुकता की मिसाल मानी जा सकती है। बाद में तो कुछ छुट-पुट आवाज ही सुनाई दी। जबकि मीडिया लगातार अग्रलेखों व अन्य तरह से इस मुद्दे को जीवित रखे रहा। सर्वोच्च न्यायालय की नवीनतम टिप्पणी ने अवैध खनन के प्रति जिस तरह से गंभीरता दिखाई है और रोक लगाने के निर्देश दिए हैं वह समस्या की जड़ तक पहुंचने में सहायक है। जब हम सब मानकर चल रहे हैं और जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी एक तरह से मोहर लगा दी है कि समस्या की जड़ अवैध खनन गतिविधियां है तो फिर आवाज की गूंज अवैध खनन पर रोक की भी तेज होनी चाहिए।

टैरिफ के बावजूद आर्थिक क्षेत्र में अमेरिका से आगे निकलता शेष विश्व

प्रह्लाद सबनानी

डॉनल्ड ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बनाए गए थे। वर्ष 2024 में ट्रम्प ने अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव अर्थात 'अमेरिका को पुनः महान बनाएं', नारे के साथ जीता था। वर्ष 2025 का पूरा वर्ष भर पूरे विश्व ने ट्रम्प को अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए देखा। लगभग पूरा 2025 का वर्ष ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के आयात पर टैरिफ लगाते हुए बिताया और मित्र देशों सहित कई देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाए। ट्रम्प का सोचना था कि टैरिफ को बढ़ाकर वे अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात को कम करेंगे और इससे अमेरिका में ही इन उत्पादों का उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा। ट्रम्प का संभवतः यह सोचना था कि उनका यह प्रयास अमेरिका को महान बनाते हुए शेष विश्व को विपरीत रूप से प्रभावित करेगा। परंतु, वर्ष 2025 में अमेरिका एवं शेष विश्व के आर्थिक क्षेत्र के आंकड़े देखने पर ध्यान में आता है कि अमेरिका के मित्र राष्ट्रों सहित विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ का असर अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर लगभग नहीं के बराबर पड़ा है। बल्कि, इसका खामियाजा अमेरिका के नागरिकों को भुगतना पड़ा है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से अमेरिका में उत्पादों की कीमतों में बेतहाशा बृद्धि दर्ज हुई है, इससे मुद्रा स्फीति में वृद्धि तेज हुई है एवं अमेरिकी नागरिकों को विभिन्न उत्पादों को बढ़ी हुई कीमतों दरों पर खरीदना पड़ रहा है। अमेरिकी नागरिक पिछले 5 वर्षों की तुलना में आज खाद्य सामग्री पर 30 प्रतिशत अधिक खर्च कर रहे हैं। अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें 22 प्रतिशत से बढ़ चुकी हैं। खाद्य पदार्थों एवं मकान की कीमतों में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर भी 3 से 4 प्रतिशत के बीच बनी हुई है, जो पिछले कई वर्षों की तुलना में बहुत अधिक है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से परेशान हो रहा है अमेरिकी नागरिक, न कि अन्य कोई देश। श्री रुचिर शर्मा, भारतीय मूल के अमेरिकी लेखक एवं फायनैन्शल टाइम्स के स्तम्भ लेखक, ने अपने एक साक्षात्कार में कई आंकडें दिए हैं, जिनका प्रयोग इस लेख को तैयार करने में किया गया है।

अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर लगाए गए टैरिफ के पश्चात अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर कम होती हुई दिखाई दे रही है। वर्ष 2024 में अमेरिका में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 2.8 प्रतिशत की रही थी जो वर्ष 2025 में घटकर 2.1 प्रतिशत हो गई। जबकि वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर दोनों वर्षों, 2024 एवं 2025, में 2.8 प्रतिशत बनी रही है। वर्ष 2025 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में किसी प्रकार की कमी दृष्टिगोचर नहीं हुई है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2024 में वृद्धि दर, 6.5 प्रतिशत की रही थी, जो वर्ष वर्ष 2025 में बढ़कर 7.2 प्रतिशत की हो गई। वर्ष 2024 में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से 52 प्रतिशत देशों की प्रति व्यक्ति सकल उत्पाद में वृद्धि दर अमेरिका की तुलना में अधिक रही थी जबकि वर्ष 2025 में 76 प्रतिशत देशों की प्रति व्यक्ति सकल उत्पाद में वृद्धि दर अमेरिका की तुलना में अधिक रही है।वर्ष 2025 में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक विकास दर तेज गति बढ़ती हुई पाई गई है। इस प्रकार, अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के बावजूद शेष विश्व में सकल घरेलू

उत्पाद में वृद्धि दर अमेरिका से अधिक रही है। इस प्रकार अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का प्रभाव अन्य देशों के विकास पर विपरीत रूप से नहीं पड़ा है।

अमेरिका के पूंजी (शेयर) बाजार में भी वर्ष 2025 में निवेशकों को अपने निवेश पर कम आय प्राप्त हुई है। अमेरिका में निवेशकों द्वारा पूंजी (शेयर) बाजार में किए गए निवेश पर 18 प्रतिशत की आय का अर्जन हुआ है। जबकि, यूरोप में निवेशकों को 35 प्रतिशत, उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में निवेशकों को 34 प्रतिशत, अमेरिका को छोड़कर शेष विश्व में निवेशकों को 32 प्रतिशत एवं चीन में निवेशकों को 31 प्रतिशत की आय अर्जित हुई है। इस प्रकार, अमेरिका की तुलना में अन्य देशों में पूंजी (शेयर) बाजार में निवेशकों को लगभग दुगनी आय अर्जित हुई है। अमेरिकी नागरिकों का पूंजी (शेयर) बाजार में निवेश तुलनात्मक रूप से अधिक है। अमेरिकी नागरिकों का जायदाद में निवेश 30 प्रतिशत है जबकि शेयर बाजार में 32 प्रतिशत निवेश है। चीन के नागरिकों का जायदाद में निवेश 55 प्रतिशत एवं शेयर बाजार में निवेश केवल 11 प्रतिशत है। इसी प्रकार, यूरोप के नागरिकों का निवेश क्रमशः 57 प्रतिशत एवं 16 प्रतिशत है। भारतीय नागरिकों के निवेश क्रमशः 50 प्रतिशत एवं 7 प्रतिशत है। अमेरिका द्वारा अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका का राजकोषीय घाटा वर्ष 2024 के सकल घरेलू उत्पाद के 6.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 6 प्रतिशत हो गया है। एक रीसर्च प्रतिवेदन में यह तथ्य उभरकर भी सामने आया है कि टैरिफ के कारण अमेरिका में उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हुई है एवं टैरिफ का लगभग 96 प्रतिशत भाग अमेरिकी नागरिकों द्वारा वहन किया गया है। इसके कारण अन्य देशों से अमेरिका को निर्यात कम नहीं हुए हैं। यूरोप का राजकोषीय घाटा वर्ष 2024 के 3.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 3.2 प्रतिशत हो गया है। उभर रही अर्थव्यवस्थाओं का राजकोषीय घाटा वर्ष 2024 के 4.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत हो गया है। पूर्व में विभिन्न देशों का राजकोषीय घाटा लगभग 3 प्रतिशत तक रहता आया है जबकि वर्तमान परिस्थितियों के मध्य, विभिन्न देशों का राजकोषीय घाटा बढ़ते हुए 6 प्रतिशत के स्तर तक रहने लगा है। यह स्थिति वित्तीय क्षेत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। वर्ष 2025 में विदेशी व्यापार में वृद्धि दर भी अमेरिका की तुलना में अन्य देशों में अधिक रही है। अमेरिका को छोड़कर शेष विश्व के निर्यात में वर्ष 2019 से 2024 के दौरान औसत 5 प्रतिशत की वृद्धि रही थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 6.4 प्रतिशत की हो गई है। जबकि अमेरिका से निर्यात में वृद्धि दर इसी अवधि के दौरान 4.6 प्रतिशत से गिरकर 4.1 प्रतिशत रह गई है। टैरिफ का अमेरिका से अन्य देशों को होने वाले निर्यात पर विपरीत प्रभाव पड़ा है जबकि अन्य देशों ने आपस में नए बाजारों की तलाश करते हुए अपने विदेशी व्यापार, विशेष रूप से निर्यात, में वृद्धि दर्ज की है। कई देशों ने आपस में मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए हैं, इससे भी विभिन्न देशों के बीच विदेशी व्यापार में वृद्धि दर्ज हुई है। अमेरिका से अन्य देशों को निर्यात के कम होने के चलते अमेरिका में चालू व्यापार खाता घाटा 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिका में आज भी उत्पादन की तुलना में उपभोग बहुत अधिक मात्रा में हो रहा है। अमेरिका की टैरिफ नीति के चलते अमेरिका पुनः महान बनता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। परंतु, विश्व के अन्य कई देश जरूर महान बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। अतः टैरिफ का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को विपरीत रूप से प्रभवित करता हुआ दिखाई दे रहा है, जबकि विश्व में अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। इस प्रकार, ट्रम्प इस धरा को महान बनाने अपना योगदान करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। भारत का राजकोषीय घाटा प्रति वर्ष लगातार कम हो रहा है। यह वर्ष 2024 में 5.5 प्रतिशत था, जो वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत हो गया एवं अब वर्ष 2026 में घटकर 4.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत को यदि विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यस्था बनाना है तो हमें भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 12 से 14 प्रतिशत वृद्धि के स्तर को प्राप्त करना होगा, जैसा कि चीन ने लम्बे समय तक अपनी अर्थव्यवस्था को इस दर पर आगे बढ़ाने में सफलता अर्जित की थी। सकल घरेलू उत्पाद में यह महत्वाकांक्षी वृद्धि दर हासिल करना कोई असम्भव कार्य नहीं है। अमेरिका यदि भारत का सहयोग करने को तैयार नहीं है तो भारत को अन्य बाजार तलाशते हुए विभिन्न उत्पादों के निर्यात को बढ़ाना होगा। आज भारतीय अर्थव्यस्था मुख्यतः आंतरिक उपभोग पर आधारित है, जबकि उत्पादों के निर्यात को भी आज तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता है। भारत द्वारा निर्यात के सामर्थ्य का उपयोग बहुत कम स्तर पर किया है।

तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुँचे थे भगवान महावीर

सदियों पहले महावीर जनमे। वे जन्म से महावीर नहीं थे। उन्होंने जीवन भर अनगिनत संघर्षों कों झेला, कष्टों को सहा, दुख में से सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्शों की ऊंची मीनार बन गये। उन्होंने समझ दी कि महानता कभी भौतिक पदार्थों, सुख-सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृत्ति से नहीं प्राप्त की जा सकती उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा की जीवन शैली अपनानी होती है। महावीर जयन्ती मनाने हुए हम केवल महावीर को पूजे ही नहीं, बल्कि उनके आदर्शों कों जीने के लिये संकल्पित हों। भगवान महावीर की मूल शिक्षा है- अहिंसा। सबसे पहले अहिंसा परमो धर्मः का प्रयोग हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के पावन ग्रंथ महाभारत के अनुशासन पर्व में किया गया था। लेकिन इसको अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलवायी भगवान महावीर ने। भगवान महावीर ने अपनी वाणी से और अपने स्वयं के जीवन से इसे वह प्रतिष्ठा दिलाई कि अहिंसा के साथ भगवान महावीर का नाम ऐसा जुड़ गया कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ

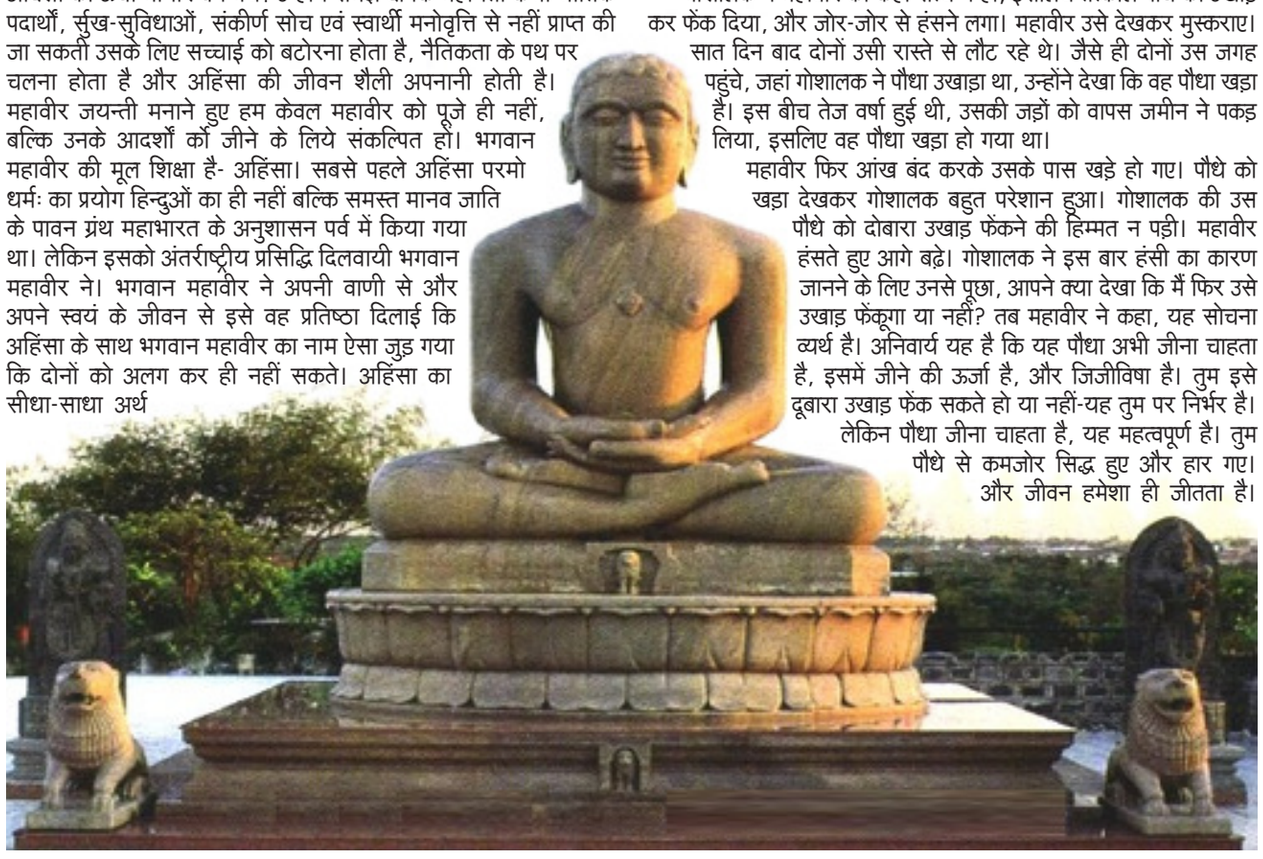

करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दुःख न दें। आत्मानः प्रतिकूलानि परेषाम् न समाचरेत इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात् पूरे प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें।

एक बार महावीर और उनका शिष्य गोशालक एक घने जंगल में विचरण कर रहे थे। जैसे ही दोनों एक पौधे के पास से गुजर रहे थे। शिष्य से दुश्मन बन चुके गोशालक ने महावीर से कहा, यह पौधा देखिए, क्या सोचते हैं आप, इसमें फूल लगेंगे या नहीं लगेंगे? महावीर आंख बंद करके उस पौधे के पास खड़े हो गए, और कुछ देर बाद आंखें खोलते हुए उन्होंने कहा, फूल लगेंगे।

गोशालक ने महावीर का कहा सत्य न हो, इसलिये तत्काल पौधे को उखाड़ कर फेंक दिया, और जोर-जोर से हंसने लगा। महावीर उसे देखकर मुस्कराए। सात दिन बाद दोनों उसी रास्ते से लौट रहे थे। जैसे ही दोनों उस जगह पहुंचे, जहां गोशालक ने पौधा उखाड़ा था, उन्होंने देखा कि वह पौधा खड़ा है। इस बीच तेज वर्षा हुई थी, उसकी जड़ों को वापस जमीन ने पकड़ लिया, इसलिए वह पौधा खड़ा हो गया था।

महावीर फिर आंख बंद करके उसके पास खड़े हो गए। पौधे को खड़ा देखकर गोशालक बहुत परेशान हुआ। गोशालक की उस पौधे को दोबारा उखाड़ फेंकने की हिम्मत न पड़ी। महावीर हंसते हुए आगे बढ़े। गोशालक ने इस बार हंसी का कारण जानने के लिए उनसे पूछा, आपने क्या देखा कि मैं फिर उसे उखाड़ फेंकूगा या नहीं? तब महावीर ने कहा, यह सोचना व्यर्थ है। अनिवार्य यह है कि यह पौधा अभी जीना चाहता है, इसमें जीने की ऊर्जा है, और जिजीविषा है। तुम इसे दूबारा उखाड़ फेंक सकते हो या नहीं-यह तुम पर निर्भर है। लेकिन पौधा जीना चाहता है, यह महत्वपूर्ण है। तुम पौधे से कमजोर सिद्ध हुए और हार गए। और जीवन हमेशा ही जीतता है।

जीवन में आने वाली मुश्किलों का सामना करने के लिए जरूरी है, आशावादी रहना। महावीर का संपूर्ण जीवन स्व और पर के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। उनके मन में संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना थी।

आज मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाहित है। जरूरी है कि हम महावीर ने जो उपदेश दिये उन्हें जीवन और आचरण में उतारें। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। महावीर वही व्यक्ति बन सकता है जो लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित हो, जिसमें कष्टों को सहने की क्षमता हो। जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समता एवं संतुलन स्थापित रख सके, जो मौन की साधना और शरीर को तपाने के लिए तत्पर हो। जो पुरुषार्थ के द्वारा न केवल अपना भाग्य बदलना जानता हो, बल्कि संपूर्ण मानवता के उज्ज्वल भविष्य की मनोकामना रखता हो।

भगवान महावीर का संपूर्ण जीवन तप और ध्यान की पराकाष्ठा है इसलिए वह स्वतः प्रेरणादायी है। उनके उपदेश जीवनस्पर्शी हैं जिनमें जीवन की समस्याओं का समाधान निहित है। वे चिन्मय दीपक हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को हरता है। वे सचमुच प्रकाश के तेजस्वी पुंज और सार्वभौम धर्म के प्रणेता हैं। वे इस सृष्टि के मानव-मन के दुःख-विमोचक हैं। पदार्थ के अभाव से उत्पन्न दुःख को सद्भाव से मिटाया जा सकता है, श्रम से मिटाया जा सकता है किंतु पदार्थ की आसक्ति से उत्पन्न दुख को कैसे मिटाया जाए? इसके लिए महावीर के दर्शन की अत्यंत उपादेयता है।

भगवान महावीर का संदेश- अहिंसा ही परम धर्म, अहिंसा ही परम ब्रह्म

भगवान महावीर का जन्म तकरीबन ढाई हजार साल पहले (ईसा से 599 वर्ष पूर्व), वैशाली के गणतंत्र राज्य क्षत्रिय कुण्डलपुर में हुआ था। महावीर को 'वीर', 'अतिवीर' और 'सन्मति' भी कहा जाता है। तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। उन्होंने एक लँगोटी तक का परिग्रह नहीं रखा। हिंसा, पशुबलि, जात-पात का भेद-भाव जिस युग में बढ़ गया, उसी युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया।उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो हैं- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य। सभी जैन मुनि, आर्यिका, श्रावक, श्राविका को इन पंचशील गुणों का पालन करना अनिवार्य है। महावीर स्वामी ने अपने उपदेशों और प्रवचनों के माध्यम से दुनिया को सही राह दिखाई और मार्गदर्शन किया। यद्यपि उनकी धर्मयात्राओं का ठीक वर्णन कहीं नहीं मिलता तो भी उपलब्ध वर्णनों से यही विदित होता है कि उनका प्रभाव विशेष रूप से क्षत्रियों और व्यवसायी वर्ग पर पड़ा, जिनमें शूद्र भी बहुत बड़ी संख्या में सम्मिलित थे।महावीर अहिंसा के दृढ़ उपासक थे, इसलिए किसी भी दिशा में विरोधी को क्षति पहुंचाने की वे कल्पना भी नहीं करते थे। वे किसी के प्रति कठोर वचन भी नहीं बोलते थे और जो उनका विरोध करता, उसको भी नम्रता और मधुरता से ही समझाते थे। इससे परिचय हो जाने के बाद लोग उनकी महत्ता समझ जाते थे और उनके आंतरिक सद्भावना के प्रभाव से उनके भक्त बन जाते थे।महावीर स्वयं क्षत्रिय और राजवंश के थे, इसलिए उनका प्रभाव कितने ही क्षत्रिय नरेशों पर विशेष रूप से पड़ा। जैन ग्रंथों के अनुसार राजगृह का राजा बिंबिसार महावीर का अनुयायी था। वहां पर इसका नाम श्रेणिक बताया गया है और महावीर स्वामी के अधिकांश उपदेश श्रेणिक के प्रश्नों के उत्तर के रूप में ही प्रकट किये गये हैं। आगे चलकर इतिहास प्रसिद्ध महाराज चंद्रगुप्त मौर्य भी जैन धर्म के अनुयायी बन गये थे और उन्होंने दक्षिण भारत में आकर जैन मुनियों का तपस्वी जीवन व्यतीत किया था। उड़ीसा का राजा खाखेल तथा दक्षिण के कई राजा जैन थे। इसके फलस्वरूप जनता में महावीर स्वामी के सिद्धांतों का अच्छा प्रचार हो गया और उनके द्वारा प्रचारित धर्म कुछ शताब्दियों के लिए भारत का एक प्रमुख धर्म बन गया। आगे चलकर अनेक जैनाचार्यों ने जैन और हिंदू धर्म के समन्वय की भावना को भी बल दिया, जिसके फल से सिद्धांत रूप से अंतर रहने पर भी व्यवहार रूप में इन दोनों धर्मों में बहुत कुछ एकता हो गई और जैन एक संप्रदाय के रूप में ही हिंदुओं में मिल जुल गये।महावीर स्वामी का सबसे बड़ा सिद्धांत अहिंसा का है, जिनके समस्त दर्शन, चरित्र, आचार-विचार का आधार एक इसी अहिंसा सिद्धांत पर है। वैसे उन्होंने अपने अनुयायी प्रत्येक साधु और गृहस्थ के लिए अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करना आवश्यक बताया है, पर इन सबमें अहिंसा की भावना सम्मिलित है। इसलिए जैन विद्वानों का प्रमुख उपदेश यही होता है- 'अहिंसा ही परम धर्म है। अहिंसा ही परम ब्रह्म है। अहिंसा ही सुख शांति देने वाली है। अहिंसा ही संसार का उद्धार करने वाली है। यही मानव का सच्चा धर्म है। यही मानव का सच्चा कर्म है। अहिंसा जैनाचार का तो प्राण ही है।''जैनियों के आचार-विचार, अहिंसा के विषय में चाहे जैसे रूढिवादी बन गये हों, पर इसमें संदेह नहीं कि महावीर स्वामी ने अपने समय में जिस अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार किया, वह निर्बलता और कायरता उत्पन्न करने के बजाय राष्ट्र का निर्माण और संगठन करके उसे सब प्रकार से सशक्त और विकसित बनाने वाली थी। उसका उद्देश्य मनुष्य मात्र के बीच शांति और प्रेम का व्यवहार स्थापित करना था, जिसके बिना समाज कल्याण और प्रगति की कोई आशा नहीं रखी जा सकती। यद्यपि अहिंसा का प्रतिपादन सभी धर्मोपदेशकों ने अपने-अपने ढंग से किया है, पर जिस प्रकार महावीर और बुद्ध ने अहिंसा पर सबसे अधिक बल देकर उसी को अपने धर्म का मूलमंत्र बनाया, ऐसा किसी अन्य धर्म संस्था ने नहीं किया।

8 घंटे सोकर घटा सकते हैं बाहर निकला पेट

क्या आप भी फ्लैट टमी पाने का सपना देखती हैं? पेट पर जमा चर्बी को बिना ज्यादा मेहनत किए घटाने के बारे में सोच रही हैं तो यह खबर आपके लिए है। इन आसान टिप्स को अपनी डेली रूटीन में शामिल करें और बेली फैट यानी पेट की चर्बी से जल्द से जल्द छुटकारा पाएं... **डायट में फाइबर को शामिल करें :** जब बात खाने को पचाने की आती है तो उसमें सबसे अहम पोषक तत्व है फाइबर। सॉल्यूबल यानी घुलनशील फाइबर का सेवन करने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है क्योंकि सॉल्यूबल फाइबर आंत की चर्बी को घटाकर डाइजेशन को बेहतर बनाता है। साथ ही फाइबर का सेवन पेट की चर्बी को कम करने में भी असरदार है। फल या ओटस जैसे अनाज फाइबर का बेहतरीन स्त्रोत हैं जिन्हें अपनी डायट में शामिल कर आप बाहर निकले पेट से छुटकारा पा सकती हैं। **योग से करें दोस्ती :** इसमें कोई शक नहीं की योग आपके शरीर के लिए सबसे बेस्ट है। योग में मौजूद अलग-अलग तरह के आसन और श्वास संबंधी व्यायाम आंतरिक अंगों को फिर से तरोताजा कर शरीर के मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। योग आपको अंदर से स्वस्थ बनाता है। साथ ही स्ट्रेस हॉर्मोन कॉर्टिसोल को भी कम करता है जो पेट की चर्बी से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अगर आप भी फ्लैट टमी पाना चाहती हैं तो हर दिन 10-30 मिनट योग को अपने रूटीन में जरूर शामिल करें। **चैन की नींद लें :** कम से कम 8 घंटे की नींद हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है। लेकिन हम से कितने लोग इसका सही तरीके से पालन करते हैं? लैपटॉप पर देर रात तक फिल्म देखने, चैटिंग करने या गेम खेलने की वजह से ज्यादातर लोग देर से सोते हैं और सुबह जल्दी उठ जाते हैं। कम सोने की वजह से हमारे शरीर में फैट का लेवल उत्प्रेरित हो जाता है। इससे बचने के लिए हर रात कम से कम 8 घंटे की चैन की नींद लें। आप देखेंगे कि आप सुबह फ्रेश फील करेंगे जिसका आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बेहतर असर पड़ेगा। **एक कप ग्रीन टी पिएं :** आपने भी ग्रीन टी पीकर बेली फैट घटाने के विज्ञापन कई बार देखें होंगे। क्या आपको लगता है कि उनके ये दावे निरर्थक हैं? जी नहीं... ग्रीन टी में कैटचिन नाम का ऐंटीऑक्सिडेंट पाया जाता है जिसका सेवन करने पर पेट की चर्बी घटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। **लाइफस्टाइल को ऐक्टिव रखें :** अगर आप पेट की चर्बी घटाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आपको हर वक्त ऐक्टिव रहना चाहिए। ऐसे में लिफ्ट या एस्क्लेटर की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। स्विमिंग और बाइकिंग जैसी ऐक्टिविटीज़ में शामिल होने के साथ ही हर सुबह 30 मिनट के लिए जॉगिंग करें। इन ऐक्टिविटीज़ की मदद से आप शरीर के ऐक्सट्रा कैलरी को घटाकर बेली फैट को कम कर सकती हैं।

असफलताओं से सबक लीजिए

हमारे जीवन का प्रत्येक प्रयास सफलता के लिए होता है। सफलता जिसके मायने हर किसी के लिए अलग हो सकते हैं। हर एक का सफलता पाने का तरीका भी अलग हो सकता है, पर चाहे तरीका कुछ भी हो अगर आपको सफलता नहीं मिल रही तो आपको ये पांच नियम अपने जीवन में जरूर अपनाने चाहिए।

जीवन संभावनाओं से भरा है आपको जीवन में संभावनाओं को कभी भी नहीं नकारना चाहिए। हो सकता है कल तक आपको जिस काम को करने में दिक्कत आती थी आज वह उतना मुश्किल न लगे आप उसे आसानी से कर सको। ऐसे ही बहुत सारी बातें , हालात , चीजें या लोग हमें पसंद नहीं होते और यह हमारी कामयाबी की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन जाती है। कामयाब लोगों को अपने जीवन में अनेक किरदार निभाने पड़ते हैं। उनका व्यक्तित्व नरम लचीला होता है। हमें अपने दिमाग को खुला रखना चाहिए और तथ्यों को कसौटी पर परख कर ही फैसला लेना चाहिए। कल जो नुकसान था वो आज फायदा बन सकता है। बस जरूरत के भावनाओं को अलग करके सोचने की।जब आपने तय कर लिया कि आपको जीवन में क्या चाहिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित हो जाना चाहिए। लक्ष्य पर ध्यान रखिए और विफलताओं को अहमियत मत दीजिए। कामयाब लोगों के जीवन में विफलता नाम की कोई चीज नहीं होती। अगर आप सौ बार नाकामयाब होते हैं, तो मान लीजिए आपको सौ नए सबक मिल गए और आप लक्ष्य को चुनने में दोबारा वो गलती नहीं करने वाले। जब आप लक्ष्य पर केंद्रित रहेंगे, तो आपका दिमाग भी हमेशा लक्ष्य के विषय में ही सोचेगा। हमारे जीवन का प्रत्येक प्रयास सफलता के लिए होता है। सफलता जिसके मायने हर किसी के लिए अलग हो सकते हैं। हर एक का सफलता पाने का तरीका भी अलग हो सकता है, पर चाहे तरीका कुछ भी हो अगर आपको सफलता नहीं मिल रही तो आपको ये पांच नियम अपने जीवन में जरूर अपनाने चाहिए। ये जीवन के हर क्षेत्र में कारगर सिद्ध होंगे। किस्मत को छोड़िए, तय कीजिए आपको क्या चाहिए - हमने अकसर लोगों को कहते सुना होगा कि जो किस्मत में होगा मिल कर ही रहेगा और ऐसा सोच कर अकसर लोग किसी चमत्कार के इंतजार में सारी जिंदगी निकाल देते हैं। चमत्कार अकसर नहीं होते और चमत्कार भी उन्हीं के जीवन में घटते हैं, जो अपने जीवन में क्या पाना है यह तय कर लेते है उन्हें क्या पाना है। तो सबसे पहले आपको अपने जीवन में क्या चाहिए यह तय करना चाहिए और उसे पाने के लिए पूरी लगन से कोशिश करते रहना चाहिए, जब तक आपको वह मिल न जाए और याद रखिए सब को सब कुछ नहीं मिल सकता अपने लिए आपको क्या चाहिए यह आपको पता होना जरूरी है। **लक्ष्य पर समर्पित रहिए :** जब आपने तय कर लिया कि आपको जीवन में क्या चाहिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित हो जाना चाहिए। लक्ष्य पर ध्यान रखिए और विफलताओं को अहमियत मत दीजिए। कामयाब लोगों के जीवन में विफलता नाम की कोई चीज नहीं होती। अगर आप सौ बार नाकामयाब होते हैं, तो मान लीजिए आपको सौ नए सबक मिल गए और आप लक्ष्य को चुनने में दोबारा वो गल्ती नहीं करने वाले। जब आप लक्ष्य पर केंद्रित रहेंगे तो आपका दिमाग भी हमेशा लक्ष्य के विषय में ही सोचेगा। इससे आपकी ऊर्जा भी लक्ष्य की दिशा में प्रवाहित होने लगेगी। मान लीजिए आपको नदी के उस पार जाना है बीच में तूफान आ जाता है, तो अगर आपकी नजर लक्ष्य से भटक जाती है, तो आप भी भटक सकते हैं, पर अगर आपकी नजर लक्ष्य पर केंद्रित है तो पानी का तेज बहाव भी आपको रोक नहीं पाएगा। कारण आपकी एकाग्रता है, क्योंकि आपका ध्यान तूफान पर नहीं लक्ष्य पर था।**संभावनाओं को न नकारें :** जीवन संभावनाओं से भरा है आपको जीवन में संभावनाओं को कभी भी नहीं नकारना चाहिए। हो सकता है कल तक आपको जिस काम को करने में दिक्कत आती थी आज वह उतना मुश्किल न लगे आप उसे आसानी से कर सको। ऐसे ही बहुत सारी बातें , हालात , चीजें या लोग हमें पसंद नहीं होते और यह हमारी कामयाबी की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन जाती है। कामयाब लोगों को अपने जीवन में अनेक किरदार निभाने पड़ते हैं। उनका व्यक्तित्व नरम लचीला होता है। हमें अपने दिमाग को खुला रखना चाहिए और तथ्यों को कसौटी पर परख कर ही फैसला लेना चाहिए। कल जो नुकसान था वो आज फायदा बन सकता है। बस जरूरत के भावनाओं को अलग करके सोचने की।

दसवीं के बाद उपयुक्त विषय का चयन जरूरी

अमूमन होता यही है कि दसवीं में जिन विषयों में सर्वाधिक मार्क्स मिले हैं उनका ही ग्यारहवी में स्ट्रीम के चयन का आधार बनाया जाता है। कुछ हद तक तो यह ठीक है, पर कई बार पसंदीदा विषयों में किन्हीं कारणों से कम अंक मिलते हैं। ऐसे में सावधानी बरतें कि कहीं गलत निर्णय नहीं हो जाए। अभिभावकों को अपनी आकांक्षाओं को असफलताओं और अपेक्षाओं को बच्चों पर इस मामले में थोपने का प्रयास नहीं करना चाहिए। बच्चों की बातों, इच्छाओं, व्यक्तित्व के रुझान, दिलचस्पियों और लक्ष्य को अत्यन्त धैर्यपूर्वक समझने का प्रयास करें। अपने पक्ष को उनके समक्ष तर्कपूर्ण ढंग से रखें और भरसक प्रयास करें कि फैसला उनकी सहमति से हो। अंतिम बात यह कि जिस विषय में भी बच्चा बेहतरीन प्रदर्शन करेगा, उसी क्षेत्र में वह आकर्षक कॅरियर बना सकता है। दसवीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम आ चुके हैं। गत वर्षों कीं तरह ही इस वर्ष भी सीबीएसई बोर्ड्स में 16 लाख से अधिक छात्रों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इसके अलावा अन्य राज्यों के बोर्ड के माध्यम से भी लाखों की संख्या में युवाओं ने दसवीं की परीक्षा दी। नतीजों के आधार पर एक बार फिर ग्यारहवीं में दाखिले की आपाधापी शुरू हो जाएगी। साइंस, कॉमर्स अथवा आर्टस में से किस स्ट्रीम में दाखिला लेना उपयुक्त होगा, यह सवाल काफी महत्वपूर्ण ही नहीं, अत्यन्त उलझन भरा भी होता है। छात्रों से लेकर उनके अभिभावक तक इस बात को लेकर खासे तनाव में रहते हैं। इस सच्चाई से कतई इंकार नहीं किया जा सकता है कि यह एक तरह से कैरियर का चौराहा है जहां से कई रास्ते जाते हैं। इस समय सही मार्ग का चुनाव करने में चूक होने का मतलब है जीवन की दशा और दिशा में हमेशा के लिए परेशानियों और तनाव की शुरूआत। इसलिए अत्यन्त सोच-विचार कर और ईमानदारी से अपनी क्षमताओं तथा कमजोरियों को स्वीकारते हुए फैसला करना चाहिए। यहां पर दिखावा या झूठी शान दिखाने के चक्कर में असलियत को छिपाना भारी पड़ सकता है। **एप्टीट्यूड :** स्ट्रीम से संबंधित अंतिम निर्णय लेने में पहले यह जानना और समझना अत्यन्त जरूरी है कि छात्र-छात्राओं की रुचि या दिलचस्पी किन विषयों में है। अगर मैथ्स में मन नहीं लगता है तो कोई कारण नहीं है कि जबरदस्ती उसे मैथ्स सहित साइंस स्ट्रीम दिलवाई जाए। अगर उसे साइंस लेनी ही है तो उसके लिए बायोलॉजी सहित साइंस का ऑप्शन हो सकता है। कमोबेश यही स्थिति कला विषयों को पसंद नहीं करने वाले युवाओं पर भी लागू होती है जिन पर अभिभावक अपना निर्णय थोपने का प्रयास करते हैं। अगर छात्र चाहते हैं तो उन्हें कॉमर्स लेने दीजिए। **परीक्षा परिणाम :** अमूमन होता यही है कि दसवीं में जिन विषयों में सर्वाधिक मार्क्स मिले हैं उनका ही ग्यारहवी में स्ट्रीम के चयन का आधार बनाया जाता है। कुछ हद तक तो यह ठीक है, पर कई बार पसंदीदा विषयों में किन्हीं कारणों से कम अंक मिलते हैं। ऐसे में सावधानी बरतें कि कहीं गलत निर्णय नहीं हो जाए। **टीचर्स की राय :** स्कूल में जिन टीचर्स ने पढ़ाया है, उनसे इस बार में सलाह-मशविरा करना गलत नहीं होगा। टीचर्स का अधिकांश छात्रों की क्षमताओं की भली प्रकार से जानकारी होती है। वे बड़ी बेबाकी से छात्रों की कमजोरियों और उनके सकारात्मक पहलुओं से न सिर्फ अवगत करवा सकते हैं बल्कि स्ट्रीम के चयन में भी महत्वपूर्ण सलाह दे सकते हैं। **कॅरियर लक्ष्य :** अगर मैथ्स और फिजिक्स जैसे सब्जेक्टस में गत तीन-चार वर्षों सें बहुत अच्छे अंक आ रहे हैं तो इंजीनियरिंग के लक्ष्य को लेकर साइंस स्ट्रीम का चयन इस स्तर पर किया जा सकता है। यदि इन विषयों में औसत दर्जे के अंक ही अब तक रहे हैं तो अपेक्षाकृत आसान विषयों का चयन करना सही निर्णय होगा। **सामाजिक दबाव से बचें :** महज दोस्तों की देखादेखी या सामाजिक दबाव में आकर किसी भी स्ट्रीम का चयन करना ठीक नहीं होगा। हमेशा सच्चाई से अपनी काबिलियत को स्वीकारें। निर्णय करते समय स्वयं से जरूरत से ज्यादा उम्मीदें रखना शायद सही रणनीति नहीं होगी। याद रखें कि बाद में इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। **जॉब मार्केट की कसौटी ही पर्याप्त नहीं :** यह सही है कि आजकल की शिक्षा का लक्ष्य अच्छी जॉब पाने तक सीमित हो गया है, पर महज इसी आधार पर ग्यारहवीं की स्ट्रीम का चयन करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं होगा। हो सकता है कि वर्तमान समय में किसी विशेष कोर्स या सब्जेक्ट की जॉब मार्केट में मांग हो, पर जब आप 5-7 वर्षों कें बाद जॉब मार्केट में पहुंचेंगे तो पूरी सम्भावना है कि स्थितियां बदल चुकी हों। **इंटरनेट से समस्त जानकारियां लें :** ट्रेडिशनल कोर्सेस और सब्जेक्टस के अलावा और क्या नई विधाएं इस दौरान विकसित हो चुकी हैं, इस बारे में स्वयं को अपडेट करने का सबसे प्रभावी तरीका इंटरनेट है। इससे जानकारियां लेकर संबंधित क्षेत्र के प्रोफेशनल्स से वास्तविकता का पता लगाया जा सकता है। **कॅरियर काउंसलर की सलाह :** किसी प्रोफेशनल कॅरियर काउंसलर से भी इस बारे में विचार विमर्श किया जा सकता है। वे अपने अनुभव और तरीके से छात्र के एटीट्यूड और सोच को अभिभावकों की तुलना में कहीं बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। यही नहीं उनके माध्यम से नए कोर्सेस और भावी स्ट्रीम्स के बारे में व्यापक जानकारी भी मिल सकती है। **गुरुमंत्र :** अभिभावकों को अपनी आकांक्षाओं को असफलताओं और अपेक्षाओं को बच्चों पर इस मामले में थोपने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

ट्रैकिंग के शौकीन हैं तो दक्षिण भारत की इन मशहूर जगहों पर आएं

घूमना फिरना हर किसी को पसंद होता है। कुछ लोग अपने परिवार के साथ हॉलीडे पर जाते हैं तो कुछ लोग शहरों की भीड़-भाड़ से दूर शांति की तलाश करने। आज के वक्त में हर इंसान जरूरतों को पूरा करने के लिए बस भाग रहा है। परिवार, ऑफिस, कॅरियर, नौकरी हर तरह की टेंशन लेकर बस इंसान दौड़ रहा है, इसलिए घूमना एक तरह की जरूरत हो गया है। कुछ दिन अपने शहर से दूर अपनी पसंदीदा जगह पर वक्त बिताना काफी रिफ्रेशिंग होता है लेकिन कुछ लोग थोड़े अलग होते हैं। उनके लिए ट्रैवल करना एक नशा है और घूमने के साथ साथ एडवेंचर करने की लत तो ओर भी बड़ा नशा है। और ये अपने आप में एक मजेदार लत है। किसी भी जगह जाना, वहां की चीजों को गहराई से जानना, वहां की संस्कृति को पहचानना अपने आप में एक अनोखा अहसास होता है। और ये अहसास और भी मजेदार हो जाता है जब आप अपने ट्रिप पर अपने पसंद वाले एडवेंचर करते हैं। सबसे मुश्किल भरा एडवेंचर ट्रेकिंग होता है और अगर आप इसका शौक रखते हैं तो आज हम आपको दक्षिण भारत के एडवेंचर पॉइंट के बारे में बताएंगे। ट्रेकिंग जैसे रोमांचक एडवेंचर के लिए दक्षिण भारत के राज्य भी काफी ज्यादा खास माने जाते हैं। दक्षिण भारत न केवल स्मारकों, मंदिरों और वास्तुकला का प्रदर्शन करता है, बल्कि भारत का यह भू-भाग वन्य जीवन, चाय-कॉफी के बागानों और पहाड़ी इलाकों के लिए भी जाना जाता है।

नीलगिरी, तमिलनाडु : नीलगिरी पहाड़ी तमिलनाडु राज्य के पश्चिमी घाट का एक हिस्सा है। तमिलनाडु में बना यह पर्वतीय क्षेत्र कर्नाटक और केरल के बॉर्डर को मिलाता हैं। नीलगिरी जिले के अंतर्गत ऊटी, कोटागिरी और कुन्नूर तमिलनाडु के सबसे खास ट्रेकिंग करने वाली जगह में गिने जाते हैं।

कूर्ग, कर्नाटक : दक्षिण भारत के राज्य कर्नाटक में स्थित कूर्ग एक बेहद ही खूबसूरत जगह है यहां चारों तरह हरियाली और शांति ही शांति है। यहां पर बने ट्रेकिंग पॉइंट पर ट्रेक करने का अपना ही मजा है। जनवरी से मई यहां आने का आदर्श समय है। ब्रह्मगिरी रेंज और पुष्पागिरी कर्नाटक में ट्रेकिंग के लिए प्रसिद्ध स्थान माने जाते हैं।

अनंतगिरि हिल्स, आंध्र प्रदेश : आंध्र प्रदेश में बसा अनंतगिरि हिल्स का मौसम ट्रेकर्स को अपनी ओर प्रभावित करता है। यहां की हरी-भरी पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच ट्रेक करना काफी अच्छा लगता है और एक्सप्लोर करने के लिए विभिन्न मार्ग प्रदान करता है। इसलिए अगर आपने पहले कभी ट्रेकिंग अगर नहीं की हो तो आप अपनी शुरूआत यहां से कर सकते हैं। और यहां आप जंगल की सुंदरता का भी आनंद उठा सकते हैं।

कोदाचद्री, कर्नाटक : कर्नाटक राज्य का ये खूबसूरत शहर शिमोगा जिले में कोदाचद्री, साउथ इंडिया का एक कठिन ट्रेकिंग ट्रेल्स के लिए जाना जाता है। लेकिन यहां पर ट्रेकिंग वे ही लोग कर सकते हैं जो शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ हों। अच्छा स्वास्थ्य इस जगह ट्रेक करने की पहली मांग है। कोदाचद्री में कारीकाट्टी चुनिंदा खास ट्रेक मार्गों में गिना जाता है। यह ट्रेक रूप 12-14 किमी लंबा है जिसे पूरा करने में 7 से 8 घंटों का समय लगता है। इसलिए अगर आप शारीरिक रूप से कमजोर हैं तो इस ट्रेक रूट का चयन न करें। **मुन्नार, केरल :** दक्षिण भारत का बेहद खूबसूरत राज्य केरल है और केरल की सुंदरता को और बढ़ाने वाला उसका एक खूबसूरत हिल स्टेशन है मुन्नार। ये केरल में घूमने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। मुन्नार के पहाड़ी इलाके बेस्ट ट्रेकिंग के लिए जाने जाते हैं। घुमावदार रास्तों के साथ, चाय के बागानों से होते हुए ट्रेकिंग करना किसी सपने से कम नहीं। अनामुडी मुन्नार की सबसे ऊंची चोटी है जिसे ट्रेकर्स द्वारा सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है।

अशोक सेन प्रदेश अध्यक्ष,सेन समाज विकास संगठन,मध्यप्रदेश सम्मानित

भोपाल। सागर में आयोजित सेन शक्ति महासंगठन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश्वर सेन द्वारा पीटीसी ग्राउण्ड, सागर में कर्पूरी ठाकुर जी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में सेन सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अशोक सेन प्रदेश अध्यक्ष, सेन समाज विकास संगठन मध्यप्रदेश को 'देहदानी' एवं 'समाज को एक शीर्ष पर पहुंचाने हेतु किये जा रहे अथक प्रयास' तथा पूर्ण रूप से समर्पित हो कर उनके द्वारा किये जा रहे पुण्य कार्य हेतु लगभग 10-15 हजार लोगों की मौजूदगी में माननीय गोविन्द सिंह राजपूत कैबिनेट मंत्री, मध्यप्रदेश शासन एवं राजेश्वर सेन, सेन शक्ति महासंगठन द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही श्रीमती अंजली सेन पत्रकार, एवं युवा महिला

प्रदेशाध्यक्ष, एवं श्रीमती सीमा सेन जागीरदार प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा, को भी देहदान करने हेतु राजेश्वर सेन एवं अन्य संगठन के पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में माननीय गोविन्द सिंह राजपूत कैबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश शासन, मा. गोपाल भार्गव पूर्व मंत्री म.प्र. शासन, मा. पवन पाटीदार प्रदेश अध्यक्ष, भा.ज.पा. (पिछड़ा वर्ग), मा. प्रवीण नापित प्रदेश प्रवक्ता भा.ज.पा., प्रदीप लारिया विधायक नरयावली एवं सेन समाज विकास संगठन मध्यप्रदेश के पदाधिकारी बाबूलाल सेन कार्यकारी अध्यक्ष, रंजीत कुमार सेन प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं प्रदेश संयुक्त सचिव, जितेन्द्र सराठे, प्रदेश उपाध्यक्ष, श्रीमती आरती सेन - जिला अध्यक्ष, पन्ना (महिला मोर्चा) एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

छतरपुर की अंजली सेन भी हुई सम्मानित

सागर। भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की जन्म शताब्दी के पावन अवसर पर सागर के, पी. टी.सी. ग्राउंड में आयोजित सेन समाज सम्मान समारोह एवं प्रतिभा सम्मान आयोजित हुआ।कार्यक्रम में छतरपुर की सेन समाज की युवा महिला प्रदेशाध्यक्ष एवं पत्रकार अंजली सेन का सम्मानित किया गया। छतरपुर की सेन समाज की शान अंजली सेन के नाम भी चर्चित है, सम्मान समारोह में लोगों ने अंजली सेन की भविष्य की शुभकामनाएं दिए। एवं अंजली सेन देहदान का संकल्प लिये है, इस देहदान से भी सम्मानित हो चुकी है, एवं इसके पहले कई कार्यक्रमों में सम्मानित किया गया है। एवं सेन समाज विकास संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार सेन, को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर सीमा सेन, एवं संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी रंजीत कुमार सेन सहित आदि संगठन के लोग थे।

आईटीएफ मास्टर्स टेनिस-200: अयाज फाइनल में, डबल्स का खिताब अयाज-पवन जैन की जोड़ी ने जीता

मटिहा में गोल्ड स्मिथ स्पोर्ट्स एकेडमी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के तीसरे दिन एकतरफा मुकाबले, भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा

आधुनिक समाचार

रायबरेली। शहर क्षेत्र के मटिहा स्थित गोल्ड स्मिथ स्पोर्ट्स एकेडमी में आयोजित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय टेनिस फेडरेशन (आईटीएफ) मास्टर्स टेनिस-200 प्रतियोगिता के तीसरे दिन सोमवार को रोमांचक और एकतरफा मुकाबले देखने को मिले। भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विरोधियों पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। भारतीय टीम के सदस्य गोविंद ने आशीष को 6-1, 6-0 से पराजित किया। वहीं संकल्प ने कड़े मुकाबले में राजकुमार को 4-6, 6-4, 10-8 से शिकस्त दी। निर्भय ने अभिषेक को 6-1, 6-0 से हराया। आनंद जीत ने संजय वर्मा को 6-3, 6-3 से परास्त किया। अन्य मुकाबलों में अमित

तिलक ने ऋषि शर्मा को 6-4, 6-4 से, मनीष मेहरोत्रा ने शलभ सिंह को 6-2, 6-2 से और शौर्य ने प्रकाश बिष्ट को 6-0, 6-3 से हराया। सुनील ने अंकुर को 6-1, 7-5 से तथा मनीष कुल्हाड़ी ने पंकज को 6-0, 6-1 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। सेमीफाइनल मुकाबले में अयाज ने बेल्जियम के टॉप सीडेड खिलाड़ी विस ब्री को 6-1, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह पक्की की। डबल्स वर्ग के फाइनल मुकाबले में रायबरेली के अयाज और दिल्ली के पवन जैन की जोड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चरणजीत सिंह और राजेश सिंह को 6-2, 6-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के उच्चस्तरीय खेल ने दर्शकों को रोमांचित किया और रायबरेली को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाई।

सैदपुर में छात्र के अपहरण की सूचना से हड़कंप,पुलिस की दो टीमें जांच में जुटीं

सैदपुर। सैदपुर पुलिस महकमे में एक नाबालिग छात्र के अपहरण की सूचना से हड़कंप मच गया है। पुलिस की दो टीमें मामले की जांच में जुट गई हैं और छात्र की सकुशल बरामदगी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सैदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जीयनचक गांव निवासी 14 वर्षीय अमर मोहन, कक्षा 8 का छात्र है। रविवार की दोपहर वह सैदपुर नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर से पढ़ाई कर घर लौट रहा था। इसी दौरान भीतरी मोड़ के पास पिकअप सवार अज्ञात लोगों ने उसे जबरन वाहन में बैठाकर अपहरण कर लिया। काफी देर तक जब अमर मोहन घर नहीं पहुंचा तो

उसके पिता जंग बहादुर बिंद ने परिजनों के साथ उसकी तलाश शुरू की। इधर-उधर खोजबीन के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने सैदपुर कोतवाली पुलिस को उसके लापता होने की सूचना दी और रिश्तेदारों के यहां भी तलाश शुरू की गई। सोमवार की सुबह छात्र के चाचा निलेश के मोबाइल पर एक फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को अमर मोहन बताते हुए अपहरण की पूरी घटना बताई। छात्र ने बताया कि वह अपहरणकर्ताओं के चंगुल में है और उसके साथ चार अन्य बच्चे भी मौजूद हैं। इसके बाद अचानक फोन कट गया। इस कॉल के बाद परिजनों को अपहरण की पुष्टि हुई, जिस पर उन्होंने तत्काल सैदपुर कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत कराया।

प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर दो टीमों को गठित कर दिया गया जल्दी बच्चों को बरामद कर लिया जाएगा

धनुष यज्ञ और परशुराम लक्ष्मण संवाद की कथा सुनाई

सोनभद्र। रावर्ट्सगंज नगर के अन्तर्गत अशोकनगर अकड़हवा पोखरा स्थित रामजानकी मंदिर पर चल रहे नव दिवशीय 27 जनवरी से 4 फरवरी तक चलने वाले श्री रामकथा मे पंचम दिवस की कथा के क्रम मे उपस्थित श्रद्धालुओं को कथा वाचक द्वारा धनुष यज्ञ और परशुराम लक्ष्मण संवाद की कथा सुनाई काशी की धरा से पधारे कथा वाचक मानस किंकर नीरजानन्द महराज ने बताया कि सीता स्वयंवर के दौरान अयोध्या के राजकुमार राम ने शिव धनुष तोड़ा भगवान परशुराम अत्यन्त क्रोध मे डूबे दौड़ते हुये आये। कथा व्यास लक्ष्मण परशुराम संवाद का भी वर्णन किया यज्ञ का संचालन राम जानकी मंदिर के प्रधान पुजारी पं0 नीरजानन्द मिश्र द्वारा किया गया साथ ही उन्होंने नगर वासियों से अपील भी किया कि अधिक से अधिक संख्या मे राम कथा मे उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करे।

साइबर क्राइम के क्षेत्र में सोनभद्र पुलिस की बड़ी सफलता

माह जनवरी 2026 में साइबर ठगी के पीड़ितों को 23,12,636/- की धनराशि कराई गई वापस

आधुनिक समाचार

जनपद सोनभद्र में बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा साइबर ठगी से पीड़ित नागरिकों को शीघ्र न्याय एवं राहत प्रदान करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ङ अभिषेक वर्माङ के कुशल निर्देशन में साइबर अपराध के विरुद्ध सघन एवं निरंतर अभियान चलाया जा रहा है।

उक्त अभियान के अंतर्गत श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक (नोडल साइबर क्राइम) अनिल कुमार के मार्गदर्शन तथा श्रीमान क्षेत्राधिकारी (सहायक नोडल साइबर क्राइम) के निकट पर्यवेक्षण में जनपदीय साइबर सेल/साइबर क्राइम पुलिस थाना एवं जनपद के समस्त थानों पर गठित साइबर हेल्प डेस्क द्वारा अत्यंत सजगता, तकनीकी दक्षता एवं अथक प्रयासों के साथ कार्यवाही की गई।

पुलिस की निरंतर, सुनियोजित एवं समयबद्ध कार्यवाही के परिणामस्वरूप विगत माह दिसम्बर

2025 में साइबर ठगी से प्रभावित पीड़ितों की कुल ?16,61,352/- की धनराशि तथा माह जनवरी वर्ष 2026 में दिनांक 01.01.2026 से 31.01.2026 तक साइबर ठगी के कुल 48 पीड़ितों की कुल ?23,12,636/- की राशि पीड़ितों के मूल बैंक खातों में सकुशल वापस कराया गया है। यह उल्लेखनीय सफलता जनपदीय साइबर सेल द्वारा ध्ंइ पोर्टल पर सतत निगरानी, साइबर हेल्पलाइन 1930 पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित संज्ञान, संदिग्ध खातों को तत्काल होल्ड कराना, डिजिटल एवं तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण तथा विभिन्न बैंकों से निरंतर समन्वय स्थापित कर प्राप्त की गई है।

जनपद सोनभद्र पुलिस साइबर अपराधों के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति के तहत न केवल अपराधियों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्यवाही कर रही है, बल्कि साइबर ठगी से पीड़ित आमजन की धनराशि सुरक्षित वापस दिलाने हेतु पूरी प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

जनपद सोनभद्र पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा म्बींमत्स,ुदन.ग्ह पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

सुपर मार्केट के व्यापारी 04 को जिलाधिकारी कार्यालय का करेंगे घेराव

रायबरेली।गुरु तेग बहादुर मार्केट सुपर मार्केट व्यापार मंडल के व्यापारियों की आवश्यक बैठक अध्यक्ष परमजीत सिंह गांधी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से निर्णय लिया गया कि नगर पालिका के द्वारा किए जा रहे हैं उत्पीड़न के खिलाफ समस्त व्यापारी आगामी दिनांक 04 फरवरी दिन बुधवार को सुपर मार्केट में एकत्रित होकर जुलूस की शक्ल में जिलाधिकारी कार्यालय तक जाएगें, जहां पर जिलाधिकारी को नगर पालिका के द्वारा रची जा रही साजिश के खिलाफ अपना विरोध प्रकट करते हुए मांग-पत्र सौंपा

जायेगा। जनपद के सभी प्रमुख व्यापार मण्डल के पदाधिकारी बसन्त सिंह बग्गा, मुकेश रस्तोगी, अतुल गुप्ता, पंकज मुरारका, प्रभाकर गुप्ता, हरमन्दर सिंह सलूजा, रोहित सन्तानी ने बुधवार को होने वाले गुरूतेग बहादुर मार्केट के व्यापारियों द्वारा ज्ञापन के कार्यक्रम में अपनी पूरी ऊर्जा के साथ उपस्थित रहने का एवं सदैव नेतृत्व करने का आवाहन किया। उक्त जानकारी गुरु तेग बहादुर मार्केट के मीडिया प्रभारी पारुल बाजपेई द्वारा दी गयी।

भागवत कथा सुनने से धुंधकारी राक्षस को मिला भगवतधाम : मनीष शरण जी

सोनभद्र। उरमौरा स्थित गायत्री भवन परिसर में अयोध्या धाम से आए कथा व्यास मनीष शरण जी महाराज ने सोमवार को प्रथम दिवस की चर्चा में भागवत जी के महात्म की कथा सुनाते हुए कहा कि भागवत जी की कथा सुनने से धुंधकारी जैसे राक्षस को भी भगवतधाम मिला।

महराज जी ने बताया कि हमारे पूर्वजों ने एक नियम बनया कि जब भी किसी ग्रन्थ या किसी भी हिन्दू सनातन से जुड़े कार्यक्रम का आयोजन होता है तो सबसे पहले उसके महात्मय जानना चाहिए। उन्होंने कहा कि धुंधकारी जैसे पतित ब्रह्म राक्षस जो पाप से ग्रसित हो गया था और अपने समस्त व्यवहार से तेजहीन हो गया था उसे भी भागवत जी की कथा सुनने से भगवतधाम मिला और उसे मुक्ति मिली। इस अवसर पर कथा के मुख्य यजमान वरिष्ठ अधिवक्ता पवन मिश्र, आचार्य विनय कुमार शुक्ल, महेश शुक्ल, पंडित बद्री प्रसाद मिश्र समेत भक्तगण, महिलाएं और बच्चे भी मौजूद रहे।

जनता की आवाज़ को प्राथमिकता: एसपी सोनभद्र ने जनता दर्शन में समस्याएं सुनकर दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश'

आधुनिक समाचार

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं धैर्यपूर्वक सुना गया। जनता दर्शन में उपस्थित फरियादियों द्वारा भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, धोखाधड़ी सहित अन्य पुलिस संबंधी समस्याओं से पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक फरियादी की समस्या को व्यक्तिगत रूप से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं कानून के दायरे में किया जाए तथा किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि जिन प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही अपेक्षित है, उनमें तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जनता दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आमजन की समस्याओं को सीधे सुनकर समाधान करने का उद्देश्य पुलिस-जन संवाद को सशक्त बनाना तथा आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास को और अधिक मजबूत करना है।

पात्र व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का मिले लाभ यह हमारी प्राथमिकता :रूबी

समाधान दिवस सम्भव का आयोजन, 22 शिकायतें प्राप्त

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई और उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 3, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 3, नगर पंचायत चोपन में 4, नगर पंचायत ओबर में 4, नगर पंचायत रेनुकूट में 1, नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बजार में 1 और नगर पंचायत अनपरा में 1 शिकायत प्राप्त हुई। इन शिकायतों में मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल और मार्ग प्रकाश से संबंधित समस्याएं शामिल थीं। रूबी प्रसाद ने बताया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार की सारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिले, यह उनकी प्राथमिकता होगी। इस मौके पर जेई राज कुमार राज, सभासद अनवर अली, मनोज चौबे, राकेश, अजित सिंह, सुजीत, संत सोनी, अजय कुमार, राजीव कुमार आदि उपस्थित रहे।

श्रीराम-सीता विवाह: आदर्श दाम्पत्य जीवन और त्याग का प्रतीक

सोनभद्र। रावर्ट्सगंज नगर के अशोकनगर अकड़हवा पोखरा स्थित रामजानकी मंदिर पर चल रहे नव दिवशीय श्री रामकथा के छठवें दिन सीताराम विवाह महोत्सव बड़े ही श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर झांकी भी निकाली गई।

कथा वाचक मानस किंकर नीरजानन्द महाराज ने श्री राम और सीता के विवाह को केवल ऐतिहासिक प्रसंग नहीं, बल्कि दाम्पत्य जीवन मर्यादा और त्याग का शाश्वत संदेश बताया। उन्होंने कहा कि श्री राम और माता सीता का विवाह गृहस्थ जीवन को दिशा प्रदान करने वाला है।

कथा के दौरान जनकपुरी में जैसे ही विवाह की झांकी का वर्णन हुआ, भक्त भाव विभोर हो उठे और सीताराम की झांकी का स्वागत करने के लिए पुष्प वर्षा की गई। भजन कीर्तन, मंगल गीत और

शहनाई की मधुर ध्वनि से वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया गया। संचालन राम जानकी मंदिर के प्रधान पुजारी पं0 नीरजानन्द मिश्र द्वारा किया गया। उन्होंने नगर वासियों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में राम कथा में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करें। इस मौके पर राम चरित मानस के परायण कर रहे मानस हंस श्यामबली पाठक व यज्ञ के आचार्य पं0 राजन पाण्डेय व पं0 मनोज कुमार दीक्षित, पं0 अनूप पाण्डेय, पं0 मुख्य यजमान अरविन्द देव पाण्डेय, कपिल मुनि मिश्र, राजेश शुक्ल, अनीता मिश्रा, संतोष सिंह, मनोरथ मिश्र, राजू पाण्डेय, संजय पाण्डेय, कृष्ण कुमार मिश्र, विनय कुमार, मनोज सिंह, नितेश पाठक, अरविंद दुबे, हर्ष, कलम हथियार सहित सैंकड़ो की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जिला उद्योग बंधु की बैठक सम्पन्न

रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों में सड़को की मरम्मत जल निकासी, अतिक्रमण, साफ-सफाई, भारी वाहनों के आवागमन, सड़क चौड़ीकरण, जल निकासी व निवेश मित्र पोर्टल आदि के महत्वपूर्ण बिंदुओ पर समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण किया जाए, ताकि उद्यमियों को किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न न हो। बैठक में जिले में औद्योगिक निवेश, उद्यम स्थापना, लाइसेंस/अनापत्ति प्रमाणपत्र निर्गम, भूमि आवंटन, बुनियादी सुविधाओं के विकास तथा लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने और उद्योगों को सुगम वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उद्योगों से संबंधित शिकायतों व मांगों को भी बैठक में सुना गया और उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद स्वर्ण सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण व उद्यमी उपस्थित रहें।

सलाम नमस्ते ने 'मेरा गांव मेरी धरोहर' अभियान के तहत ग्रामीण संस्कृति को दिया मंच

देव मणि शुक्ल

नोएडा सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते, स्मार्ट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित अभियान 'मेरा गांव मेरी धरोहर' का स्थानीय समुदायों को जोड़ने और उनकी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। सोमवार को इस अवसर पर आयोजित सामुदायिक भागीदारी कार्यक्रम में सलारपुर गांव के छात्रों ने अपने गांव की झलक प्रस्तुत की। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि मेरा गांव मेरी धरोहर' एक राष्ट्रीय पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के गांवों की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करना तथा उसे देश-विदेश तक पहुंचाना है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित इस अभियान के तहत गांवों की कला, संस्कृति, इतिहास एवं लोक परंपराओं का सांस्कृतिक मानचित्रण कर उन्हें डिजिटल स्वरूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। सलाम नमस्ते द्वारा संचालित इस सप्ताहिक कार्यक्रम के दौरान मोरना गांव की महिलाओं ने लोक गीत 'मेरा गांव मेरी शान' की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। वहीं मकनपुर, जितवारपुर एवं सलारपुर के युवाओं और महिलाओं ने अपने-अपने गांवों के इतिहास, सांस्कृतिक गतिविधियों, लोक नृत्यों तथा कृषि से जुड़ी पारंपरिक जानकारियों को साझा किया। उन्होंने बताया कि इस पहल के माध्यम से सलाम नमस्ते सामुदायिक रेडियो ने ग्रामीण समाज को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए स्थानीय सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण, प्रचार एवं प्रसार में एक सशक्त मंच प्रदान किया। कार्यक्रम ने ग्रामीण समुदायों में अपनी विरासत के प्रति जागरूकता और गर्व की भावना को भी मजबूत किया गया।

न्यूड फोटो वायरल करने की धमकी देकर साइबर ठगी करने वाले अंतरजनपदीय गैंग का भंडाफोड़, 04 अभियुक्त गिरफ्तार

चिन्ता पान्डेय

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत तथा श्रीमान् अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (मुख्यालय) के दिशा-निर्देशन में साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र को एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। प्रकरण में आवेदिका कु0 सुषमा गुप्ता पुत्री संजीव गुप्ता, निवासी म्योरपुर, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन कर स्वयं को ण्ँअधिकारी बताते हुए गाली-गलौज, धन की मांग, पैसा न देने पर जान से मारने की धमकी तथा न्यूड फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने व मोबाइल हैक कर धन की उगाही करने का गंभीर अपराध किया गया था। इस संबंध में थाना म्योरपुर पर मु0अ0सं0 153/2025, धारा 308(5) बीएनएस व 66-िआईटी एक्ट पंजीकृत किया गया था। महिला संबंधी अपराधों में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा उक्त प्रकरण की विवेचना साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र को सुपुर्द करते हुए अभियुक्तों के गैंग के अनावरण हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के क्रम में निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार चौधरी के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम को जनपद कानपुर नगर भेजा गया, जहाँ स्थानीय पुलिस के सहयोग से कानपुर कमिश्नरेट क्षेत्र से साइबर ठगी करने वाले संगठित गैंग का खुलासा करते हुए कुल 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्तगण आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को लालच देकर उनके नाम पर सिम कार्ड प्राप्त कर उन्हें साइबर अपराध में प्रयुक्त करते थे। सिम विक्रेता द्वारा अपने पी0ओ0एस0 मशीन से वैध-अवैध रूप से सिम एक्टिवेट कर उन्हें साइबर ठगों को सप्लाई किया जाता था। अभियुक्तगण अश्लील वीडियो देखने के नाम पर लोगों को फंसाकर ए0आई0 तकनीक से फर्जी न्यूड फोटो तैयार कर धमकी देकर धन उगाही करते थे। इसके अतिरिक्त ब्लॉक हो चुके नंबरों को गुमशुदगी दर्शाकर पुनः एक्टिवेट कर अपराध में इस्तेमाल किया जाता था। अभियुक्तों द्वारा अब तक 100 से अधिक सिम कार्डों का प्रयोग कर देशभर में साइबर ठगी की गई है। जनपद सोनभद्र के भी कई पीड़ितों की जानकारी सामने आई है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1. सुरेन्द्र कुमार पुत्र जयप्रकाश, निवासी मसवान, थाना रावतपुर, जनपद कानपुर, उम्र 23 वर्ष 2. गोलू राजपूत पुत्र सत्यपाल, निवासी आवास विकास कॉलोनी, थाना कल्याणपुर, जनपद कानपुर नगर, उम्र 24 वर्ष 3. मो0 जुनैद पुत्र निजामुद्दीन, निवासी 39/192 विकनगंज, जनपद कानपुर, उम्र 24 वर्ष 4. अनुराग सिंह पुत्र ज्ञानेन्द्र सिंह, निवासी 293 गोपालपुर, थाना पनकी, जनपद कानपुर नगर, उम्र 26 वर्ष बरामदगी का विवरण - 1. 07 अदद मोबाइल फोन 2. विभिन्न व्यक्तियों के नाम से आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं विभिन्न बैंकों के खातों से संबंधित दस्तावेज गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम - 1. निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार चौधरी, साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 2. हे0का0 संजय वर्मा, साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 3. का0 अखिलेश कुमार यादव, साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 4. का0 हृदेश यादव, साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 5. का0 अजीत कुमार, एस0ओ0जी0 (स्वाट टीम), जनपद सोनभद्र। 6. का0 रामजीत बिन्द, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र।

संक्षिप्त समाचार

आदित्य ठाकरे का मोदी सरकार पर तीखा हमला, बोले- लोकतंत्र में मजबूत, राष्ट्रहित में कमजोर

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार लोकतंत्र के मामले में मजबूत होने का दावा करती है, लेकिन भारत की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में कमजोर है। उन्होंने केंद्र सरकार से व्यापार समझौते की स्पष्ट व्याख्या करने और एक खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया के सवालों के जवाब देने की मांग की। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत हो गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि भाजपा की भारत सरकारः लोकतंत्र, लोकतांत्रिक विपक्ष, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता, पर्यावरण सक्रियता और सामान्य ज्ञान के पक्ष और विपक्ष में मजबूत।

शशिकला का डीएमके पर बड़ा हमला- खत्म होगा वंशवादी शासन

नई दिल्ली। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम की निष्कासित अम्मा पेरावई शाखा की महासचिव वी.के. शशिकला ने मंगलवार को केंद्रीय बजट 2026 पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्तिगत आयकर स्लैब में कोई बदलाव न होना जनता के लिए निराशाजनक है। चेन्नई के मरीना बीच स्थित पूर्व मुख्यमंत्री पेरागनर अन्ना के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद शशिकला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि तमिलनाडु की जनता अच्छी तरह जानती है कि गद्दार कौन हैं और असली विरोधी कौन हैं। शशिकला ने जोर देकर कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य पुरची थलाइवर एमजीआर और पुरची थलाइवी जयललिता के शासन को वापस लाना है, जो पार्टी के पूर्व नेताओं की विरासत को दर्शाता है।

अमेरिकी व्यापार समझौता में छिपा क्या है? शशि थरूर ने उठाए सवाल सरकार से मांगी पूरी पारदर्शिता

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर स्पष्टता की मांग करते हुए कहा कि भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करना सकारात्मक कदम हो सकता है, लेकिन सरकार को इसके विवरण स्पष्ट करने चाहिए। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी। हमारे पास श्री ट्रंप और श्री मोदी के ट्वीट हैं; क्या संसदीय लोकतंत्र में इतना काफी है? क्या भारत सरकार को आकर देश की जनता को यह नहीं बताना चाहिए कि समझौते में क्या है? थरूर ने भारतीय किसानों और व्यापार पर समझौते के प्रभाव पर सवाल उठाते हुए पूछा कि कृषि के लिए क्या सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

बजट सत्रः लोकसभा में इण्डिया ब्लॉक का जोरदार हंगामा, नारेबाजी के बाद कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सांसदों द्वारा लगातार नारेबाजी के बाद संसद के निचले सदन को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा की अध्यक्षता करते हुए सांसद कृष्ण प्रसाद टेनेटी ने इंडिया ब्लॉक के सांसदों से सदन में प्रदर्श न उठाने को कहा। लगातार विरोध प्रदर्शनों के बीच टेनेटी ने सदन को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। लोकसभा का सत्र, जो सुबह 11 बजे शुरू हुआ था, इंडिया ब्लॉक के सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाने के बाद पहले 11:08 बजे स्थगित कर दिया गया था।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने यह प्रस्ताव पेश किया कि सदन 2 फरवरी को सदन में प्रस्तुत व्यापार सलाहकार समिति की चौदहवीं रिपोर्ट से सहमत हो। यह प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित हो गया। कार्यवाही की शुरुआत कांग्रेस नेता सुरुपसिंह हिरया नायक के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई, जिनका निधन दिसंबर 2025 में हुआ था। आज सुबह, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया और भारतीय उद्योगों और किसानों के लिए इसके 'प्रतिकूल परिणामों' का दावा किया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी। अपने स्थगन प्रस्ताव में केसी वेणुगोपाल ने कहा कि समझौते का विवरण संसद के समक्ष नहीं रखा गया है। आज संसद सत्र से पहले, भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'जय मोदी', 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर बधाई दी, जब प्रधानमंत्री ने संसद परिसर में एनडीए संसदीय दल की बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापार समझौता किया।

संसद के दोनों सदनों में मंगलवार को चल रहे बजट सत्र के दौरान 'राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव' पर चर्चा जारी रहेगी। लोकसभा में यह प्रस्ताव सरबानंदा सोनोवाल ने पेश किया और तेजस्वी सूर्या ने इसका समर्थन किया। उच्च सदन में भाजपा सांसद सदानंद मास्टर ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया और सोमवार को अपने कृत्रिम अंगों को बेंच पर रखकर भावुक भाषण दिया। यह प्रस्ताव राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 28 जनवरी को बजट सत्र के प्रारंभ में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में दिए गए अभिभाषण के जवाब में लाया गया है।

गुजरात की झांकी ने नई दिल्ली में रचा इतिहास लोकप्रिय विकल्प में लगातार चौथी बार जीता अवॉर्ड

नई दिल्ली। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय परेड में गुजरात की झांकी ने लगातार चौथे वर्ष 'लोकप्रिय पसंद श्रेणी' में प्रथम पुरस्कार जीता। गुजरात मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, सूचना आयुक्त के सचिव विक्रांत पांडे और किशोर बचानी ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को विजेता ट्रॉफी और प्रशंसा पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्य सचिव एमके दास, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव संजीव कुमार और सूचना आयुक्त कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। रविवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 का बजट, विकसित और आत्मनिर्भर भारत की ओर सुधार की गति को गति प्रदान करता है। केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन में तैयार किया गया यह बजट तीन मुख्य उद्देश्यों पर केंद्रित है। इनमें से पहला उद्देश्य आर्थिक विकास को गति देना और उसे सतत बनाए रखना है; दूसरा उद्देश्य जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना और उनकी क्षमता का निर्माण करना है। तीसरा उद्देश्य 'सबका साथ, सबका विकास' के दृष्टिकोण के अनुरूप है और कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, स्वयं सहायता समूहों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सभी के लिए समावेशी विकास को प्राथमिकता देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बजट 'ज्ञान' के स्तंभों, अर्थात् गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी शक्ति और दिव्यांगजनों को मजबूत करेगा। इसके अलावा, विकसित भारत के निर्माण में समाज के सभी वर्गों और जनसंख्या के हर वर्ग को शामिल करने के लिए एक अत्यंत सराहनीय दृष्टिकोण अपनाया गया है।

राज्य सभा में भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पर संग्राम जेपी नडडा बोले-कांग्रेस का रवैया लोकतंत्र के लिए खतरा

नई दिल्ली। राज्यसभा में भारत-अमेरिका समझौते को लेकर विपक्ष की नारेबाजी के बीच, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार समझौते का विवरण साझा करते हुए स्वतः संज्ञान लेते हुए एक बयान जारी करेगी और सदन में इस पर चर्चा करने के लिए भी तैयार है। जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा कि कल देर रात अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ को लेकर ट्वीट किया और प्रधानमंत्री मोदी को सच्चा मित्र बताया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति को धन्यवाद देते हुए और व्यापार को लेकर ट्वीट किया। सरकार इस व्यापार समझौते पर स्वतः संज्ञान लेते हुए एक बयान जारी करेगी और इस पर चर्चा भी करेगी।

नड्डा ने व्यापार समझौते पर कांग्रेस की आपत्ति पर भी जमकर निशाना साधा और सदन में उनकी नारेबाजी को गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार बताया, जो उनके अनुसार लोकतंत्र के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि जब सरकार विस्तृत बयान देने को तैयार है, तब कांग्रेस और भारत-भारत

गठबंधन का यह रवैया गलत है। उनका यह तरीका लोकतंत्र के लिए खतरा है। यह कांग्रेस का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार है। यह उनकी हताशा है जो बोल रही है। यह तब हुआ जब भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौता हुआ जिसके तहत भारतीय निर्यात पर टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया। हालांकि, कांग्रेस ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पूरा विवरण मांगा है और कई अहम पहलुओं पर सवाल उठाए हैं, जैसे कि कृषि क्षेत्र को खोलने के दावे, टैरिफ को 'शून्य' करने की मांग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किए गए रूसी तेल की खरीद पर रोक।

कांग्रेस ने पहले समझौते की घोषणा के तरीके पर सवाल उठाया, फिर डोनाल्ड ट्रंप द्वारा साझा किए गए विवरणों की गहराई से जांच की। पार्टी ने कहा कि अमेरिका के खिलाफ टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को 'शून्य' करने से भारत पर 'असर' पड़ेगा और यह भी सवाल उठाया कि कृषि क्षेत्र को खोलने से 'किसानों की सुरक्षा' कैसे सुनिश्चित होगी। कांग्रेस ने कहा कि युद्धविराम की तरह ही व्यापार समझौते की घोषणा भी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने की है। इसमें कहा गया है कि यह व्यापार समझौता 'मोदी के अनुरोध पर' किया जा रहा है।

बिहार बजट सत्र में गूंजा नीट छात्रा की मौत का मामला मैथिली ठाकुर ने मांगा इंसाफ

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक मैथिली ठाकुर ने सोमवार को कहा कि वे बिहार विधानसभा के चल रहे बजट सत्र के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को सक्रिय रूप से उठा रही हैं। यह कदम पहली बार चुने गए विधायकों के लिए आयोजित ब्रीफिंग के बाद उठाया गया है। एएनआई से बात करते हुए ठाकुर ने कहा कि राज्यपाल ने कई बातों का जिक्र किया और बताया कि बिहार पिछले कुछ वर्षों में कैसे विकसित हुआ है, पहले कैसा था और अब कैसे बेहतर हुआ है। उनके भाषण की एक प्रति अभी भी मेरे पास है, जिसमें बिहार की वर्तमान स्थिति के बारे में उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़े भी शामिल हैं। मैथिली ठाकुर ने आगे कहा कि आज सभी कार्यवाही समझाई गई और यह भी बताया गया कि हमें हर कार्यदिवस पर उपस्थित रहना होगा।

नक्सल आतंक का उलटी गिनती शुरू! सिर्फ 8 जिलों में सिमटा, संसद में नित्यानंद राय का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को कहा कि वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) द्वारा की गई हिंसा में 2010 की तुलना में 88 प्रतिशत की कमी आई है, और नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतों में 90 प्रतिशत की कमी हुई है। भाजपा सांसद रूपकुमारी चौधरी के एक गैर-तारांकित प्रश्न का उत्तर देते हुए नित्यानंद राय ने कहा कि 2025 में नागरिकों और सुरक्षा बलों की 100 मौतें दर्ज की गईं, जबकि 2010 में यह संख्या 1005 थी। उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा बलों ने 2025 में 364 नक्सलियों को मार गिराया, 1022 को गिरफ्तार किया और 2337 को आत्मसमर्पण करने में सहायता प्रदान की। केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि लंग्वेज उग्रवाद द्वारा की गई हिंसा की घटनाएं 2010 में 1936 के उच्च स्तर से घटकर 2025 में 234 रह गईं, जो 88इ की गिरावट है। इसके परिणामस्वरूप नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतें भी 2010 में 1005 के उच्च स्तर से घटकर 2025 में 100 रह गईं, जो 90प्रतिशत की गिरावट है। 2025 में, सुरक्षा बलों ने 364 नक्सलियों को मार

गिराया, 1022 को गिरफ्तार किया और 2337 को आत्मसमर्पण करने में सहायता प्रदान की। उन्होंने यह भी बताया कि 2025 में हिंसा की घटनाओं की रिपोर्ट केवल 119 पुलिस स्टेशनों में दर्ज की गई, जबकि 2010 में यह संख्या 465 थी। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा की रिपोर्ट करने वाले पुलिस स्टेशनों की संख्या 2010 में 465 से घटकर 2025 में 119 रह गई है। उन्होंने आगे बताया कि अब केवल आठ जिले ही वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित हैं, जिनमें से छह छत्तीसगढ़ के हैं। नित्यानंद राय ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 8 जिले हैं, जिनमें छत्तीसगढ़ के 6 जिले, झारखंड का 1 जिला और ओडिशा का 1 जिला शामिल हैं। यह सरकार के उस लक्ष्य के अनुरूप है जिसके तहत भारत को 31 मार्च, 2026 तक वामपंथी उग्रवाद से मुक्त करना है। इससे पहले, गृह मंत्रालय ने 2025 के लिए अपनी वर्ष-अंत समीक्षा जारी की। गृह मंत्रालय ने खुलासा किया कि छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र और आसपास के क्षेत्रों में चलाए गए कई बड़े अभियानों के परिणामस्वरूप 2025 में 300 से अधिक वामपंथी उग्रवाद कार्यकर्ताओं को निष्क्रिय कर दिया गया, जो एक वर्ष में अब तक की सबसे अधिक संख्या है।

मणिपुर में नई सरकार की कवायद,सीएम फेस पर सस्पेंस!

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने मणिपुर में मुख्यमंत्री के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भगवा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को विधायक दल के नेता की नियुक्ति की प्रक्रिया की निगरानी के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इस कदम से संकेत मिलता है कि पार्टी राष्ट्रपति शासन की समाप्ति से पहले एक निर्वाचित सरकार को बहाल करने की तैयारी कर रही है। सत्ताधारी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के वरिष्ठ नेता और विधायक, भाजपा की मणिपुर इकाई के प्रमुख के साथ, आज होने वाली एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। यह बैठक मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के छह महीने के विस्तार की समाप्ति से कुछ ही दिन पहले हो रही है, जो 12 फरवरी को समाप्त हो रहा है। इससे नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। मणिपुर में पिछले साल 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है, जब पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को विधायकों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव की धमकी के बीच इस्तीफा दे दिया था। राज्य में 3 मई, 2023 को जातीय हिंसा भड़कने के बाद से लंबे समय से अशांति बनी हुई है, जिसमें 260 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और 60,000 से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। राष्ट्रपति शासन की समय सीमा नजदीक आने के साथ ही लोकप्रिय सरकार की वापसी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। दिल्ली रवाना होने से पहले इम्फाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा विधायक एन बीरेन सिंह ने कहा कि एनडीए के सभी विधायकों को बैठक के लिए बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायकों की हालिया बैठक के बाद महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुए हैं। चूंकि एनडीए के सभी सहयोगी दलों को बुलाया गया है, इसलिए सरकार गठन की प्रबल संभावना है। राष्ट्रीय जन पार्टी (एनपीपी) के विधायक जांगहेमलुंग पानमेई ने सतर्कता बरतते हुए कहा कि गठबंधन राज्य में स्थिरता बहाल करने की दिशा में काम करेगा।

जेल से सीधे बिहार विधानसभा पहुंचे अनंत सिंह, शपथ लेते ही छुए सीएम नीतीश के पैर

नई दिल्ली। मंगलवार को मोकामा से जेडीयू विधायक अनंत सिंह ने बिहार विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली, जिस पर सदन में काफी ध्यान गया। दुलारचंद यादव हत्याकांड में तीन महीने से न्यायिक हिरासत में रहे सिंह ने शपथ पत्र पढ़े बिना ही शपथ ग्रहण समारोह पूरा कर लिया। शपथ लेने के तुरंत बाद वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास गए, उनके पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री ने उनसे माथे पर लगे तिलक के बारे में पूछा, जिसके बाद सिंह सदन के सदस्यों की निगाहों के सामने अपनी सीट पर लौट आए। पटना सिविल कोर्ट ने सिंह को केवल शपथ ग्रहण के लिए अनुमति दी थी। जमानत अभी तक मंजूर नहीं हुई है, इसलिए विधानसभा की कार्यवाही समाप्त होते ही उन्हें ब्युर जेल लौटना होगा।

संसद में फिर गूंजा चीन का मुद्दा

राहुल गांधी के बोलते ही मचा बवाल, कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा चीन का मुद्दा उठाने पर भाजपा सांसदों द्वारा कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद लोकसभा को दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया, जिससे सदन में व्यवधान उत्पन्न हुआ। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि उन्हें लोकसभा में बोलने की अनुमति क्यों नहीं दी जा रही है, और जोर देकर कहा कि उन्हें बोलने के लिए किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने व्यवधानों पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि मैं विपक्ष का नेता हूं। उन्होंने कहा कि वह केवल हाल के घटनाक्रमों और सरकार की प्रतिक्रिया के संबंध में सदन के समक्ष तथ्य रखना चाहते हैं।

अपने संबोधन के दौरान, राहुल गांधी ने पूर्वी लद्दाख सीमा पर अतीत में हुए तनावों का जिक्र करते हुए भारत-चीन संबंधों का मुद्दा उठाने की कोशिश की। उन्होंने पूछा कि प्रधानमंत्री ने इन घटनाक्रमों पर क्या प्रतिक्रिया दी थी और संसद को पर्याप्त जानकारी क्यों नहीं दी जा रही थी। लोकसभा में बोलते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत के पाकिस्तान और चीन के साथ संबंधों पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा प्रमुख घटनाक्रमों पर दी गई प्रतिक्रिया से संबंधित भाषण के एक पुष्टिकृत बिंदु का उल्लेख किया। राहुल गांधी ने कहा कि चीन-अमेरिका संघर्ष अब वैश्विक मामलों पर हावी है और भारत की विदेश नीति के मार्ग का केंद्रबिंदु है। राहुल गांधी ने कहा कि वह भारत और चीन के बीच हुई घटना और प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया पर ही अपनी बात रखना चाहते थे और उन्होंने सवाल उठाया कि उन्हें क्यों रोका जा रहा है। सदन में यह मुद्दा उठाते ही कई भाजपा सांसदों ने उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताई।

भारत की 'गोल्डन गर्ल', जिसका 100एम राष्ट्रीय रिकार्ड आज भी है अटूट

नई दिल्ली। स्टार फर्राटा धावक दुती चंद आज यानी की 03 फरवरी को अपना 28वां जन्मदिन मना रही हैं। वह इटली में हुए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय

महिला हैं। हालांकि उनका यह सफर इतना भी आसान नहीं रहा है। वह एक समलैंगिक हैं, इस बात के खुलासा होने पर उनको जमकर विरोध का सामना करना पड़ा था। वहीं उनके परिवार ने भी इसका विरोध किया था। दुती चंद के दौड़ने के जुनून ने भारत को इतना आगे पहुंचाया, जिसके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं था। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर भारतीय एथलीट दुती चंद के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... **जन्म और परिवारः** ओडिशा के जाजपुर जिले में 03 फरवरी 1996 को दुती चंद का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम चक्रधर था और मां का नाम अखूजी था। वह बेहद साधारण परिवार से ताल्लकु रखती थीं। उन्होंने अपना बचपन गरीबी में बिताया था। दुती चंद को अपने बड़ी बहन सरस्वती से धाविका बनने की प्रेरणा मिली थी। दुती चंद की बड़ी बहन सरस्वती राज्य स्तर की धाविका रह चुकी हैं।

राष्ट्रीय चैंपियनः दुती चंद झील के किनारे दौड़ की प्रैक्टिस करती थीं। लेकिन वह साल 2012 में चर्चा में आईं, जब दुती चंद ने 100 मीटर स्पर्धा में अंडर-18 वर्ग में राष्ट्रीय चैंपियन बनीं। इसके बाद साल 2013 में दुती चंद ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप, वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप और रांची में हुए नेशनल सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप उन्होंने अपनी अद्भुत प्रतिभा से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

उपलब्धियांः दुती चंद के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि साल 2013 में मिली थी। दरअसल, इटली के नेपल्स में हुए वर्ल्ड यूनिवर्सियाड में 100 मीटर इवेंट में दुती चंद ने गोल्ड मेडल हासिल करके इतिहास रचा। ऐसा करने वाली दुती चंद पहली भारतीय महिला धाविका बनी थीं। उनके द्वारा महिला 100 मीटर दौड़ में बनाया गया नेशनल रिकॉर्ड आज तक अटूट है। साल 2016 के रियो ओलंपिक का उन्होंने टिकट हासिल किया था। ऐसा करने वाली दुती चंद महिलाओं के 100 मीटर में भाग लेने वाली देश की 5वीं एथलीट बनीं थी।

फिर साल 2018 में जकार्ता में हुए एशियाई खेलों में दुती चंद ने दो पदक हासिल किए थे। इनमें से महिलाओं के 100 मीटर फाइनल में रजत पदक काफी अहम रहा। पीटी उषा के बाद दो दशक के बाद यह पदक किसी ने दिलाया। महिलाओं के 200 मीटर के फाइनल में जीत हासिल की और वह 16 बाद सरस्वती साहा के बाद गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय बनीं।

विवादः साल 2014 में दुती चंद कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी कर रही थीं। लेकिन आखिरी समय में उनको एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा अयोग्य करार दे दिया गया।

स्मृति मंधाना का बड़ा खुलासा,विश्व कप के उस एक गलत शॉट ने मुझे सोने नहीं दिया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के दौरान भारतीय टीम लगातार तीन मैचों में हार ने टीम की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। इस खराब क्रम की तीसरी हार इंग्लैंड के खिलाफ आई, जहां भारत जीत की मजबूत स्थिति में होने के बावजूद मैच गंवा बैठा था। स्मृति मंधाना ने उस मुकाबले में 88 रनों की अहम पारी खेली थी, लेकिन निर्णायक मोड़ पर उनका आउट होना टीम के हार की वजह बना और इंग्लैंड ने चार रन से मुकाबला जीत लिया था। गौरतलब है कि मंधाना ने आरसीबी पॉडकास्ट में इस पूरे दौर को

लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह विश्व कप में शानदार फॉर्म के साथ आई थीं, लेकिन शुरुआती तीन मैचों में चीजें उनके मुताबिक नहीं रहीं। मौजूद जानकारी के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद मंधाना ने खुद से सवाल किए कि गलती कहां हो रही है। नेट्स में बल्लेबाजी अच्छी थी, लेकिन मैच में सही फैसले नहीं ले पा रही थीं। इसके बाद एक मैच में 80 रन जरूर बने, जिससे लय लौटती दिखी, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ हार उन्हें सबसे ज्यादा खली। मंधाना ने बताया कि उस मैच में गलत शॉट खेलने का अफसोस पूरे सफर तक उनके साथ रहा। उड़ान के दौरान वह किसी से बात नहीं कर सकीं और मानसिक दबाव काफी बढ़ गया था। उन्हें यह डर सता रहा था कि घरेलू विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह न बना पाना भारतीय महिला क्रिकेट को वर्षों पीछे धकेल सकता है। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला भारतीय टीम के लिए करो या मरो जैसा था। उसी मैच में मंधाना ने 95 गेंदों पर 109 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने कहा कि मैच की अहमियत और चारों ओर के शोर के बावजूद यह पारी उनके लिए बेहद खास रही। उन्होंने यह भी कहा कि महिला क्रिकेट को लेकर ट्रोलिंग नई बात नहीं है, लेकिन टीम के तौर पर सभी एक-दूसरे का साथ दे रहे थे।

टी-20 विश्व कप में विदेशी टीमों की तरफ से भाग लेंगे भारतीय मूल के कई क्रिकेटर

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप में कई टीमों में भारतीय मूल के क्रिकेटरों की भरमार है जो सात फरवरी से होने वाले टूर्नामेंट में अपनी 'घरेलू धरती' पर प्रभाव छोड़ने के लिए पुरजोर कोशिश करेंगे। विदेशी टीमों में भारतीय मूल के तीन दर्जन से भी अधिक क्रिकेटर हैं जिनमें कनाडा और अमेरिका सबसे आगे हैं। मुंबई में जन्मे अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर जैसे खिलाड़ी के लिए वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ खेलना एक यादगार पल होगा। जिस देश में उन्होंने जन्म लिया वह उसकी तरफ से तो नहीं खेल पाए लेकिन अपने बचपन की इस धरती पर वापसी के लिए भावुक हैं।

फगवाड़ा में जन्मे इटली के तेज गेंदबाज जसप्रीत सिंह भी उस देश में शीर्ष स्तर की क्रिकेट खेलने के लिए बेताब हैं, जिसे उन्होंने किशोरावस्था में ही छोड़ दिया था। नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त का जन्म भारत में नहीं हुआ, लेकिन वह भी अपने मूल देश में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। आईसीसी की इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 20 टीमों में कनाडा (11) की टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक है। उसके बाद अमेरिका (09), ओमान (07) और यूएई (07) का नंबर आता है। मेजबान भारत अपनी घरेलू धरती पर खिताब का बचाव करने की कोशिश करेगा लेकिन कई अन्य टीमों में भी 'भारतीय दबदबा' देखने को मिलेगा। हम यहां पर भारतीय मूल के कुछ क्रिकेटरों पर नजर डाल रहे हैं जो कि टूर्नामेंट में प्रभाव छोड़ सकते हैं। सौरभ नेत्रवलकरः भारत के लिए अंडर-19 क्रिकेट खेल चुके अमेरिका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नेत्रवलकर विश्व कप के पहले मैच में भारत का सामना करने के लिए मुंबई पहुंच चुके हैं। उन्होंने पिछले विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया था। सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम करने वाले इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछली बार बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे अमेरिका की टीम ने पाकिस्तान जैसी टीमों को हराकर सुपर आठ के लिए क्वालीफाई किया था। नेत्रवलकर भारत की अधिक चुनौतीपूर्ण पिचों पर खेलने के लिए बेताब हैं, लेकिन सात फरवरी को वानखेड़े में मुंबई टीम के अपने पूर्व साथी सूर्यकुमार यादव के खिलाफ मैदान में उतरते समय उन्हें अपनी भावनाओं पर काबू रखने की कोशिश करनी होगी। मोनांक पटेलः भारत के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में अमेरिका की कप्तानी आनंद में जन्मे मोनांक पटेल करेंगे, जिन्होंने पिछले विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच विजेता अर्धशतक लगाकर अपनी छाप छोड़ी थी। यह 32 वर्षीय सलामी बल्लेबाज गुजरात अंडर-19 टीम के अपने पूर्व साथी जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए उत्सुक है। वह मैदान के बाहर अपने बचपन के दिनों को याद कर रहे हैं। बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक बन गए हैं और मोनांक को किशोरावस्था में ही इसका पता चल गया था। मोनांक ने कहा, "हमने साथ में लाल गेंद और सफेद गेंद दोनों तरह की क्रिकेट खेली है और वह वाकई बहुत खास पल थे।

वह मेरे क्रिकेट करियर का शुरुआती दौर था और तब भी जिस तरह से हम खेल रहे थे, विशेषकर जिस तरह से जसप्रीत प्रदर्शन कर रहा था, हम जानते थे कि उसमें वो खास हुनर है और वह आगे चलकर जरूर बड़ा खिलाड़ी बनेगा।

म्यूजिक कंपोजर,सिंगर,सोंग राइटर,पेंटर और एक्टर भी है अली जफर

पाकिस्तानी म्यूजिक कंपोजर, सिंगर, सोंग राइटर, पेंटर और एक्टर भी है। उन्होंने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत फिल्म तेरे बिन लादेन से की जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट मेल डेब्यू के लिए नॉमिनेशन मिला। 2011 में उन्होंने यश राज की फिल्म लव का दी एंड में एक छोटी सी भूमिका निभाई थी, इसके बाद वे रोमांटिक कॉमेडी फिल्म मेरे ब्रदर की दुल्हन में कटरीना कैफ और इमरान खान के साथ नज़र ए जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मे की जिनमे लंदन, पेरिस, न्यू यॉर्क (2012), चश्मेबद्दूर (2013), टोटल सियाप्पा (2014) शामिल है। अली ज़फर ने 3 लक्स स्टाइल अवार्ड, 3 इंडस म्यूजिक अवार्ड, 3 एम टीवी स्टाइल अवार्ड और 1 स्टारडस्ट अवार्ड जीता है। 2012 में उन्हें भारत ,में दादा साहेब फाल्के अकादमी अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है। 2013 में ब्रिटिश के साप्ताहिक अखबार ईस्टर्न ऑय ने ज़फर को सेक्सिएस्ट एशियाई मैन ओन द प्लेनेटक के लिए वोट किया था। अली ज़फर का जन्म लाहौर, पंजाब, पाकिस्तान के पंजाबी परिवार में हुआ है। उनके माता-पिता मोहम्मद ज़फरुल्लाह और कंवल अमीन दोनों ही पंजाब यूनिवर्सिटी, पाकिस्तान में प्रोफेसर है। अली ने अपनी स्कूल की शिक्षा सी।ऐ।ऐ पब्लिक स्कूल और बीकोनहाउस स्कूल सिस्टम प्राप्त की है। उन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ लाहौर और नेशनल कॉलेज ऑफ़ आटर्स से अपनी ग्रेजुएशन कम्पलीट की। ज़फर ने अंपने करियर की पहली कॉमिक बुक आठ साल की उम्र में बनाई थी, इसके अलावा उन्होंने एक स्केच आर्टिस्ट के रूप में लाहौर के पर्ल कॉन्टिनेंटल होटल में काम किया। वह पाकिस्तान के जाने-माने गायक और एक्टर है, उनकी पहली म्यूजिक एल्बम 2003 में हुका पानी पाकिस्तान और 2005 में दुनियाभर में रिलीज़ हुआ था जो एक बड़ी सफल एल्बम थी। इसके बाद उनकी कई एलबम्स कामयाब रही। वह एक गायक, एक्टर के आलावा एक अच्छे निर्देशक भी है उन्होंने आदित्य चोपड़ा निर्मित फिल्म मेरे ब्रदर की दुल्हन का निर्देशन भी किया था। अली ज़फर ने आयेशा फ़ाज़िल से इस्लामिक रीती-रिवाजों से 28 जुलाई, 2009 में लाहौर, पाकिस्तान में शादी की थी। 6 मार्च, 2010 में उनके घर एक बेटे ने जन्म लिया जिसका नाम उन्होंने अज़ान ज़फर रखा। हाल ही में अली ज़फर यशराज फिल्मस की किल दिल में रणवीर सिंह, गोविंदा और परिणीती चोपड़ा के साथ एहम भूमिका में नज़ार आए थे। अली पाकिस्तान और हिंदुस्तान में एक्टिंग के मामले में बहुत पोपुलर है और उनकी अदाकारी को खूब पसंद किया जाता है।

ओशिवरा गोलीकांड मामले में अभिनेता कमाल आर खान को मिली जमानत

मुम्बई। केआरके अपनी फिल्मों से कहीं ज्यादा अपने विवादितापूर्ण बयानों और ट्विटर पर फिल्मी सितारों के खिलाफ की जाने वाली टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के पश्चिमी उपनगरीय क्षेत्र ओशिवरा की एक इमारत में हुई गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार अभिनेता कमाल राशिद खान को यहां की एक अदालत ने शुक्रवार को जमानत दे दी।

कमाल राशिद खान को केआरके के नाम से भी जाना जाता है। एक मजिस्ट्रेट अदालत ने खान को जमानत दे दी। उन्हें 23 जनवरी को अंधेरी के ओशिवरा थाना पुलिस ने कथित तौर पर अपने लाइसेंसी हथियार से गोली चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। खान ने जमानत के लिए दाखिल अर्जी में दावा किया कि उनकी गिरफ्तारी 'मनमानी' थी और यह मामला 'जांच एजेंसी द्वारा कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग' है। पुलिस ने बताया है कि अभिनेता ने अपने बयान में स्वीकार किया है कि उसने 18 जनवरी को ओशिवरा क्षेत्र के नालंदा सोसाइटी में अपने लाइसेंसी बंदूक से दो राउंड फायरिंग की थी। पुलिस को जांच के दौरान सोसाइटी परिसर से एक गोली दूसरी मंजिल पर और एक गोली चौथी मंजिल पर मिली। एक फ्लैट लेखक-निर्देशक का है, जबकि दूसरा फ्लैट एक मॉडल का है।

पुलिस के मुताबिक शुरू में उसे कोई खास सफलता नहीं मिली, क्योंकि सीसीटीवी फुटेज से कोई सुराग नहीं मिल रहा था। हालांकि, फोरेंसिक विश्लेषण से पता चला कि गोलियां खान के पास स्थित बंगले से चलाई गई थीं।

अभिनेता का पक्ष रख रहीं अधिवक्ता सना खान ने दलील दी कि कथित अपराध के पीछे की मंशा साबित नहीं की जा सकी है। सना खान ने दलील दी कि मात्र 22 कारतूसों रखने से आरोपी दोषी साबित होता क्योंकि सशस्त्र नियमों के तहत लाइसेंस प्राप्त बंदूक धारक एक वर्ष में 200 कारतूस खरीद सकता है।

अक्षय खन्ना संग भिड़े सनी देओल,इस सीन पर हुए रोंगटे खड़े,फैंस बोले-रहमान डकैत लग रहा

मुम्बई। जो लोग 'धुरंधर 2' में अक्षय खन्ना की झलक न देख पाने को लेकर निराश थे, उनके लिए एक बड़ा तोहफा है, और वो ये ही उनकी नई फिल्म 'इक्का' का टीजर रिलीज किया गया है। फिल्म में सनी देओल भी हैं। खास बात यह है कि अक्षय खन्ना हाल ही रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' में एक कैमियो में दिखे थे। फिल्म में उन्होंने कर्नल धर्मवीर सिंह के रोल में वापसी की थी, जिसे 'बॉर्डर' में दिखाया गया था। 'इक्का'में अक्षय खन्ना को देख एकदम से रहमान डकैत की याद आ जाएगी। वैसा ही लुक, वैसा ही अंदाज और वैसे ही चाल। जिन नजरों से अक्षय खन्ना का किरदार कोर्ट में खड़े सनी देओल को देखता है, वह रोंगटे खड़े कर देता है। 'इक्का' एक कोर्टरूम ड्रामा है, जिसके टीजर में सनी देओल और अक्षय खन्ना के किरदारों की झलक दिखाई गई है। टीजर शुरू होता है तो सनी देओल वकील की ड्रेस में तैयार होकर कोर्ट जाते दिखते हैं। आंखें गीली हैं और चेहरे पर दुख और मायूसी के बादल छाए हैं। वह कोर्ट में हैं और तभी अक्षय खन्ना की एंट्री होती है। एकदम रहमान डकैत स्टाइल में एंट्री मारते हुए अक्षय एकदम 'दुखती रग'वाली नजरों से सनी देओल को देखते हैं। फिर

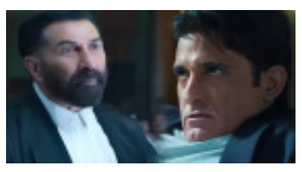

टीजर में कुछ सीन्स और उठा-पटक दिखाई जाती है, जो किसी बड़ी घटना की ओर इशारा करती है। फिर एक सीन आता है, जहां सनी देओल, अक्षय खन्ना से पूछताछ कर रहे हैं और फिर उन्हें जोरदार मुक्का मारते हैं। बस आखिर में अक्षय के किरदार की आवाज सुनाई देती है- टिक,टिक बूम। और यह सुनते ही सनी देओल जोर से चिल्लाते हैं- शट अप। कोर्ट रूम में हर कोई उनकी चीख से सहम जाता है। 'इक्का' का टीजर देख फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है और वो तारीफ कर रहे हैं। जहां सनी देओल के वकील वाले रौद्र रूप ने उनके 'दामिनी' वाले किरदार की याद दिला दी, वहीं अक्षय को देख फैंस को रहमान डकैत याद आ गया। एक फैन ने टीजर देख कमेंट किया, 'रियल ओजी वापस आ गए हैं एक बार फिर बॉलीवुड पर राज करने। एक ने लिखा, 'रहमान डकैत वापस आ गया।' एक का कमेंट है, 'सर के अंदर का रहमान डकैत नहीं जा रहा।' एक बोला, 'जब तारा सिंह रहमान डकैत से मिला।' 'इक्का' में सनी देओल और अक्षय खन्ना के अलावा दीया मिर्जा, तिलोत्तमा शोम, संजीदा शेख और आकांक्षा रंजन कपूर हैं। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर जल्द ही रिलीज होगी। अभी रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया गया है। अक्षय खन्ना और सनी देओल की बात करें, तो करीब 29 साल बाद दोनों किसी फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। इससे पहले दोनों साथ में 1997 में आई 'बॉर्डर' में नजर आए थे। हालांकि, 'बॉर्डर 2' में भी अक्षय खन्ना दिखे, पर वह उनका फ्लैशबैक सीन था।

आयुष्मान खुराना के जैसा ही टैलेंटेड है उनका बेटा, गिटार बजाते फोटो आई सामने

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना कुछ समय से लगातार सुपरहिट फिल्में दे रहे हैं। 2018-2019 आयुष्मान खुराना के नाम रहा। फिल्म की सफलताओं के चलते आयुष्मान खुराना ने अपनी फीस भी बढ़ा दी थी। फिल्म बधाई हो, शुभ मंगल सावधान, बरेली की बर्फी, अंधाधुन, ड्रीम गर्ल जैसी फिल्मों में आयुष्मान खुराना ने कमान का काम किया है। 2020 में आयुष्मान खुराना की फिल्म शुभ मंगल ज्यादा सावधान रिलीज हुई थी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना ने गे का किरदार निभाया था। सोशल मुद्दे पर बनीं इस फिल्म को लोगों ने काफी पसंद किया था।

आयुष्मान खुराना के अंदर शानदार एक्टिंग का टैलेंट तो है ही वह एक शानदार गायक भी हैं। आयुष्मान खुराना का पानी दा रंग गाना आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ हैं। कविता लिखाना, गिटार बजाना जैसे कई टैलेंट आयुष्मान खुराना के अंदर हैं। अब कुछ आयुष्मान खुराना जैसा टैलेंट उनके बेटे में भी देखने को मिल रहा है।

कंगना रनौत ने विक्टोरिया बेकहम को बताया 'रियल क्वीन'

बेकहम परिवार के 'सास-बहू' विवाद में लिया 'टीम वीबी' का पक्ष

मुम्बई। बॉलीवुड की 'क्वीन' और सांसद कंगना रनौत अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जानी जाती हैं। इस बार उन्होंने सात समंदर पार चल रहे हॉलीवुड के सबसे चर्चित पारिवारिक विवाद- बेकहम परिवार के 'सास-बहू ड्रामे'- में अपनी एंट्री की है। कंगना ने मशहूर फैशन डिजाइनर और पूर्व स्पाइस गर्ल विक्टोरिया बेकहम का खुलकर समर्थन किया है। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर 2007 के रियलिटी टीवी स्पेशल विक्टोरिया बेकहमः कमिंग टू अमेरिका का एक क्लिप शेयर किया। वीडियो में विक्टोरिया बेकहम को अपने ड्राइविंग लाइसेंस की तस्वीर को एक प्रोफेशनल फोटोशूट की तरह लेते हुए दिखाया गया है। फुटेज में, उन्हें स्टाफ को उन्हें यह याद दिलाते हुए सुना जा सकता है कि वे उनकी फोटो को 'रीटच' नहीं कर सकते।

कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर विक्टोरिया बेकहम के 2007 के एक पुराने रियलिटी शो का वीडियो साझा किया, जिसमें विक्टोरिया ड्राइविंग लाइसेंस के लिए फोटो खिंचवाने को भी एक 'प्रोफेशनल फोटोशूट' की तरह देख रही हैं। अपना ड्राइविंग लाइसेंस बनवा रही हैं (हंसने वाली इमोजी)... देखो, कोई भी सास-

बहू ड्रामा मुझे विक्टोरिया से नफरत नहीं करवा सकता। वह बहुत शानदार हैं। जो इंसान ड्राइविंग लाइसेंस की फोटो को भी फोटोशूट समझ सकता है, वह असल में 'रियल क्वीन' है।

ब्रुकलिन बेकहम ने इंस्टाग्राम पर एक बयान शेयर किया जिसमें उन्होंने अपने माता-पिता के साथ अपनी समस्याओं के बारे में बताया। उन्होंने दावा किया कि उनकी माँ ने निकोला के साथ प्लान किए गए पहले डांस को 'हाईजैक' कर लिया था। ब्रुकलिन के अनुसार, सिंगर मार्क एंथनी ने उन्हें लगभग 500 मेहमानों के सामने स्टेज पर बुलाया, जहाँ उनकी माँ डांस करने के लिए इंतज़ार कर रही थीं। उन्होंने लिखा, 'उन्होंने सबके सामने मेरे साथ बहुत ही गलत तरीके से डांस किया,' और कहा कि उन्होंने अपनी ज़िंदगी में 'इतना असहज या अपमानित' कभी महसूस नहीं किया। ब्रुकलिन के बयान से परिवार पर लोगों की नज़रें और ज़्यादा बढ़ गई हैं, जिससे ऑनलाइन मीम्स और चुटकुलों की बाढ़ आ गई है। सोशल मीडिया यूज़र्स ने एडिटेड क्लिप्स और मज़ेदार रिएक्शन पोस्ट किए हैं, जिसमें यह कल्पना की गई है कि विक्टोरिया का डांस कैसा रहा होगा, और कई कमेंट्स में बेकहम परिवार के अंदर साफ दिख रहे तनाव की ओर इशारा किया गया है।

परिवार की तरफ से अभी तक कोई एक जैसा जवाब नहीं आया है। हालांकि, दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल के बारे में अलग से बात करते हुए, डेविड बेकहम ने एक आम बात कहीः 'बच्चे गलतियाँ करते हैं।' डेविड ने आगे कहा, 'वे गलतियाँ करते हैं। बच्चों को गलतियाँ करने की इजाज़त होती है - इसी तरह वे सीखते हैं। यही मैं अपने बच्चों को सिखाने की कोशिश करता हूँ। लेकिन कभी-कभी आपको उन्हें वे गलतियाँ करने भी देनी पड़ती हैं।' कंगना रनौत अक्सर पारिवारिक मूल्यों और महिलाओं के सशक्तिकरण पर अपनी राय रखती हैं। इस विवाद में विक्टोरिया का पक्ष लेकर उन्होंने यह संकेत दिया है कि वे विक्टोरिया के 'कैंप' (शानदार अंदाज) और उनकी मेहनत की प्रशंसक हैं, और वे पारिवारिक विवादों के आधार पर किसी की शख्सियत को नहीं आंकतीं।

जीके की किताब में बच्चों से पूछा गया सवाल-कटरीना कैफ, अजय देवगन के असली नाम क्या है?

नई दिल्ली। तेलंगाना राज्य के एक स्कूल में बच्चों के परिवारवालों ने बवाल कर दिया हैं। बवाल का कारण है बॉलीवुड के कुछ सितारें। दरअसल तेलंगाना के एक सीबीएसई स्कूल में समान्य ज्ञान की किताब में अक्षय कुमार, अजय देवगन सहित कई बॉलीवुड सितारों के असली नाम पूछे गये हैं। स्कूल के कक्षा 7 की समान्य ज्ञान की किताब में अक्षय कुमार, अजय देवगन, कैटरीना कैफ, दिलीप कुमार, रजनीकांत, रेखा, तबू, टाइगर श्राफ और गोविंदा के नाम लिखे थे और साथ ही तस्वीरे भी किताब में छपी हुई थी।

पूजा हेगड़े ने उत्तर और दक्षिण की फिल्मों में संतुलन बनाने पर कहा

मुम्बई। पूजा हेगड़े और शाहिद कपूर पहली बार देवा में साथ काम करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन मलयालम निर्देशक रोशन एंड्रयूज कर रहे हैं। शाहिद इस फिल्म के प्रमोशन में जोर-शोर से जुटे हुए हैं। प्रमोशनल इवेंट के दौरान उन्होंने अपनी को-स्टार पूजा हेगड़े की खूब तारीफ की। इसके अलावा पूजा हेगड़े ने उत्तर और दक्षिण की फिल्मों के बीच संतुलन बनाने पर अपनी राय व्यक्त की है। अभिनेत्री पूजा हेगड़े, जो कई दक्षिण भारतीय फिल्मों का हिस्सा रही हैं, ने हाल ही में कई उद्योगों के बीच काम करने के अपने दृष्टिकोण को साझा

किया और क्षेत्रीय बारीकियों को समझने के महत्व पर जोर दिया। इंडिया टुडे डिजिटल के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, नवीनतम रिलीज़ देवा में दीया नामक एक पत्रकार की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री ने चुनौतियों के साथ उत्तर और दक्षिण उद्योगों के तौर-तरीकों की तुलना की। इस पर अपने विचार साझा करते हुए, पूजा ने कहा, 'जो मुश्किल है वह लोगों को समझना और उन्हें बड़े पर्दे पर प्रामाणिक रूप से चित्रित करना है। उदाहरण के लिए, दक्षिण की एक शहर की लड़की और मुंबई की एक लड़की के तौर-तरीके अलग-अलग होंगे, ठीक वैसे ही जैसे एक शहर की लड़की और एक गाँव की लड़की के होते हैं। किसी किरदार के साथ न्याय करने में सक्षम होने के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि आप किसका किरदार निभा रहे हैं। चूंकि मैं मुंबई में पैदा हुई और पली-बढ़ी, इसलिए मुझे इन अंतरों को सीखना और अपनाना पड़ा - जिस तरह से एक लड़की बैठती है, बात करती है और व्यवहार करती है - ये सभी चुनौतीपूर्ण थे।' उन्होंने कहा मेरे लिए एक और बाधा भाषा थी। मैंगलोर से होने के कारण मैं तुलु बोलती हूं, लेकिन हर दक्षिण भारतीय भाषा अलग है। भारत में, एक आम गलत धारणा है कि सभी दक्षिण भारतीय राज्य एक ही भाषा बोलते हैं, लेकिन यह सच से बहुत दूर है। इन अंतरों को समझना काफी कठिन है। साथ ही, अब मैं खुद के लिए डबिंग करती हूं, जो एक महिला अभिनेता के रूप में जरूरी नहीं है। लेकिन, मैं इसे करना चुनती हूं क्योंकि मुझे यह पसंद है। ऐसा कहने के बाद, जब इन उद्योगों में स्क्रीन एक्सपोजर के बारे में पूछा गया, तो 34 वर्षीय अभिनेता ने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर आप अच्छे हैं और फिल्म में मेरे पास जो भी समय है, अगर मैं उसमें चमकता हूं, तो स्क्रीन स्पेस ज्यादा मायने नहीं रखता। जो मायने रखता है वह दर्शकों के लिए फिल्म से प्रमुख टेकअवे है।' रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित और ज़ी स्टूडियो और सिद्धार्थ रॉय कपूर द्वारा वित्तपोषित, देवा आज, 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई। देवा के अलावा, पूजा हेगड़े की भी पाइपलाइन में रेट्रो है, जिसमें सूर्या मुख्य भूमिका में हैं।

हॉलीवुड की ग्रेटा गाबर हिन्दी व बांग्ला फिल्मों की अभिनेत्री सुचित्रा सेन

मुम्बई। हिन्दी एवं बांग्ला फ़िल्मों की एक अभिनेत्री थीं। वह मुनमुन सेन की माँ थी। विशेषकर उत्तम कुमार के साथ अभिनय करने के कारण वे सारे पश्चिम बंगाल में अत्यन्त जनप्रिय हुईं। उत्तम-सुचित्रा की जोड़ी आज भी बांग्ला चलचित्र की श्रेष्ठ जोड़ी मानी जाती है। वे प्रथम भारतीय अभिनेत्री हैं जिनको किसी अंतर्राष्ट्रीय चलचित्र महोत्सव में पुरस्कार प्रदान किया गया। सुचित्रा सेन का जन्म 6 अप्रैल, 1931 को बंगाल के पबना ज़िले में हुआ था, जो अब बांग्लादेश में है। सुचित्रा के पिता करुणामॉय दासगुप्ता एक स्थानीय स्कूल में हेड मास्टर थे। यह भी अजीब विडंबना रही कि सुचित्रा की पहली फ़िल्म शेष कथाय (बंगाली) कभी रिलीज ही नहीं हुई। सुचित्रा सेन ने अपने करियर की शुरुआत 1952 में बंगाली फ़िल्म शेष कोठई से की थी। उन्हें 1955 में बिमल राय की हिन्दी फ़िल्म देवदास में उन्होंने पारो की भूमिका निभाई थी। इसमें उनके साथ दिलीप कुमार थे। दिग्गज अभिनेता उत्तम कुमार और सुचित्रा सेन की जोड़ी को कोई नहीं भुला सकता। दोनों ने 1953 से लेकर 1975 तक 30 फ़िल्मों में साथ काम किया। 1959 की बंगाली फ़िल्म दीप जवेले जाई को सुचित्रा की सर्वश्रेष्ठ फ़िल्मों में गिना जाता है। दस साल बाद यह फ़िल्म हिंदी में बनी थी, जिसमें सुचित्रा वाला रोल वहीदा रहमान ने किया था। 1975 की फ़िल्म आंधी में सुचित्रा का रोल इंदिरा गांधी से प्रेरित बताया गया था। सुचित्रा ने इतना जबरदस्त अभिनय किया था कि उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए नामित किया गया था। हालांकि सुचित्रा तो सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री नहीं चुनी गई, लेकिन फ़िल्म के उनके साथी कलाकार संजीव कुमार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता जरूर बन गए। उनकी बेटी मुनमुन सेन भी मां के नक्शे कदम पर चलते हुए बंगाली फ़िल्मों के साथ हिंदी फ़िल्मों में भी आई। लगभग 25 साल के अभियन कॅरियर के बाद उन्होंने 1978 में बड़े पर्दे से ऐसी दूरी बनाई कि उन्होंने

से खुद को बिल्कुल अलग कर लिया। सुचित्रा सेन बंगाली सिनेमा की एक ऐसी हस्ती थीं, जिन्होंने अपनी अलौकिक सुंदरता और बेहतरीन अभिनय के दम पर लगभग तीन दशक तक दर्शकों के दिलों पर राज किया और अग्निपरीक्षा, देवदास तथा सात पाके बंधा जैसी यादगार फ़िल्में कीं। हिरणी जैसी आंखों वाली सुचित्रा 1970 के दशक के अंत में फ़िल्म जगत को छोड़कर एकांत जीवन जीने लगीं। उनकी तुलना अक्सर हॉलीवुड की ग्रेटा गाबरे से की जाती थी, जिन्होंने लोगों से मिलना-जुलना छोड़ दिया था। कानन देवी के बाद बंगाली सिनेमा की कोई अन्य नायिका सुचित्रा की तरह प्रसिद्धि हासिल नहीं कर पाई। श्वेत-श्याम फ़िल्मों के युग में सुचित्रा के जबर्दस्त अभिनय ने उन्हें दर्शकों के दिलों की रानी बना दिया था। उनकी प्रसिद्धि का आलम यह था कि दुर्गा पूजा के दौरान देवी लक्ष्मी और सरस्वती की प्रतिमाओं के चेहरे सुचित्रा के चेहरे की तरह बनाए जाते थे। सुचित्रा सेन पहली ऐसी बंगाली अदाकारा बनीं जिन्हें इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया गया। उन्हें सात पाके बांधा के लिए 1963 में मॉस्को फ़िल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला था। सुचित्रा सेन ने 1955 में देवदास में पारो का किरदार निभाया था, ये उनकी पहली हिंदी फ़िल्म भी थी। लोगों की नज़रों से दूर और एकांत में रहने के लिए 2005 में सुचित्रा सेन ने दादा साहब फालके पुरस्कार लेने से इनकार कर दिया था। सुचित्रा सेन अभिनीत फ़िल्म आंधी के रिलीज के 20 हफ्तों बाद ही इसे गुजरात में प्रतिबंधित कर दिया गया था। 1977 में जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद ही इससे रोक हटाई गई। फ़िल्मों से अपने रिटायरमेंट के बाद से ही सुचित्रा सेन लोगों की नजरों से दूर रहीं और अपना समय रामकृष्ण मिशन में लगाया। सुचित्रा सेन ने फ़िल्म देवी चौधराइन के लिए सत्यजीत रे का ऑफर ठुकरा दिया था। जिसके बाद सत्यजीत रे ने ये फ़िल्म कभी नहीं बनाई। आर।के। बैनर के तले राज कपूर के फ़िल्म प्रस्ताव को भी सुचित्रा सेन ठुकरा चुकी हैं। फ़िल्मफेयर में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए उन्हें दो बार नामित किया गया। 1963 में फ़िल्म ममता और 1976 में फ़िल्म आंधी के लिए। सुचित्रा सेन पहली बंगाली अभिनेत्री थीं, जिन्होंने इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल अवॉर्ड जीता। उन्होंने 1963 के मॉस्को फ़िल्म फेस्टिवल में अपनी फ़िल्म सात पाके बांधा के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता था।

काजोल और शाहरुख की हिट जोड़ी करने जा रही हैं बड़े पर्दे पर वापसी?

मुम्बई। 90 के दशक की बॉलीवुड की सबसे रोमांटिक जोड़ी शाहरुख खान और काजोल की मानी जाती थी। शाहरुख खान और काजोल ने साथ में दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे, कुछ-कुछ होता है, करण अर्जुन, कभी खुशी कभी गम जैसी कई सारी ब्लॉकबस्टर मूवीज दी है। काजोल ने शादी के बाद शाहरुख के साथ बहुत कम फिल्मों में काम किया। कजोल की जोड़ी शाहरुख खान के साथ लोग काफी पसंद करते थे। कहते है कि इसी कारण शाहरुख खान और काजोल को अजय देवगन से काम करने से रोक दिया था। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि शाहरुख खान और अजय देवगन के बीच किसी बाद से आपस में मननुटाव रहा है। इस लिए अजय देवगन शाहरुख के साथ काजोल को काम करने से रोकते थे। खैर लंबे समय बाद शाहरुख खान और काजोल के बीच सब कुछ ठीक हुआ और 90 के दशक की ये सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर फिल्म दिलवाले के साथ पर्दे पर लौटी। फिल्म में शाहरुख खान और कजोल का रोमांटिक एंगल भी दिखाया गया। ये जोड़ी एक बार फिर लोगों के दिलों पर छा गयी। रोहित शेट्टी की फिल्म दिलवाले को क्रिटिक्स की तरफ से तो अच्छे रिव्यू नहीं मिले लेकिन शाहरुख खान और काजोल के फैंस ने फिल्म को एंजोय किया। फिल्म दिलवाले के सेट का एक वीडियो आजकल सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दिलवाले की पूरी टीम यानी की शाहरुख खान, काजोल, वरुण धवन, कृति सेनन सहित और फिल्म के सदस्य मिल कर सलमान खान की मूवी प्रेम रतन पायो पर डांस कर रहे हैं। दिलवाले और प्रेम रतन धन पायो 2015 में आस-पास रिलीज हुई थी। आज पांच साल बाद एक बार फिर शाहरुख खान और काजोल का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। कुछ दिन पहले ऐसी भी खबरें सामने आयी थी कि शाहरुख खान और कजोल एक बार फिल्म स्क्रिन साथ में शेयर करने जा रहे हैं। अभी तक इस खबर की कोई अधिकारिक घोषणा नहीं हुई हैं।

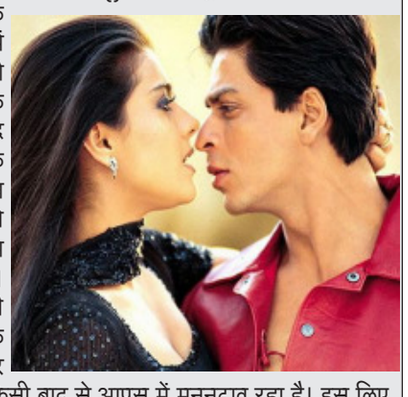

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स
एण्ड
पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी
प्रयागराज उ.प्र. 211008 से
मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए
कालोनी नैनी प्रयागराज
211008 (उ.प्र.)
से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।